हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 296, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 15 अप्रैल, 2022 दिन शुक्रवार गाजीपुर/वाराणसी

पीएम मोदी, राष्ट्रपति कोविंद समेत कई नेताओं ने डॉ. आम्बेडकर को दी श्रद्धांजलि

अमित शाह, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, स्मृति ईरानी, राहुल गांधी, मायावती, नड्डा ने भी दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। दलितों के अधिकारों की लड़ाई लड़ने वाले योद्धा और भारतीय संविधान के प्रमुख शिल्पकार, डॉ भीमराव रामजी आम्बेडकर का जन्म 14 अप्रैल, 1891 को मप्र के महू में हुआ था। हर साल, 14 अप्रैल को पूरा देश बाबासाहेब की जयंती धूमधाम से मनाता है। देश के लोग डॉ भीमराव आम्बेडकर की जयंती पर स्वतंत्र भारत के निर्माण में उनके अनगिनत योगदान का सम्मान करते हुए, उन्हें और उनके विचारों को याद करते हैं। इस मौके पर देश के राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत तमाम बड़े नेताओं ने ट्वीट करके डॉ आम्बेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की है।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने ट्वीट किया, आंबेडकर जयंती पर बाबासाहब को विनम्र श्रद्धांजलि! सामाजिक न्याय के प्रबल पक्षधर, बाबासाहब ने संविधान शिल्पी के रूप में आधुनिक भारत की नींव रखी। आइए, हम उनके पहले भी भारतीय, बाद में भी भारतीय और अंत में भी भारतीय के आदर्श पर चलते हुए समावेशी समाज के निर्माण में अपना योगदान दें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया, डॉ बाबासाहेब आम्बेडकर को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि। उन्होंने भारत की प्रगति में अमिट योगदान दिया है। यह हमारे देश के लिए उनके सपनों को पूरा करने की हमारी प्रतिबद्धता को दोहराने का दिन है। गृह मंत्री अमित शाह ने ट्वीट किया, बाबासाहेब आम्बेडकर जी का विराट जीवन स्वयं में सामाजिक न्याय व समरसता का ऐसा अमर विचार है, जिसने भारत को प्रगतिशील व सर्वसमावेशी संविधान देकर न सिर्फ देश को एकता के सूत्र में बांधा बल्कि हर वर्ग को अपना जीवन संवारने के लिए समान अवसर व अधिकार देकर देश के विकास में सहभागी बनाया। बाबासाहेब के विचार और समाज के वंचित वर्ग के कल्याण व राष्ट्रोत्थान के प्रति उनका समर्पण सदैव राष्ट्र की प्रेरणा का केंद्र रहेगा। मोदी सरकार बाबासाहेब के सपनों

के भारत के निर्माण में गत 8 साल से निरंतर सेवाभाव से कार्य रही है। ऐसे महान राष्ट्रसेवक की जयंती पर उन्हें चरणवंदन। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ट्वीट किया, बाबा साहेब अम्बेडकर जी भारतीय संविधान के रचयिता होने के साथ-साथ आधुनिक भारत के शिल्पी भी थे। उन्होंने कई संस्थाओं की आधारशिला रखी जिनके ऊपर भारत का निर्माण हुआ है। उन्होंने सामाजिक समरसता को बढ़ावा दिया। ऐसे महान राष्ट्रनायक अंबेडकर जी को उनकी जयंती पर मैं स्मरण और नमन करता हूँ। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने ट्वीट किया, भारतीय संविधान के शिल्पकार बहुजन नायक, महान समाज सुधारक तथा क्रांतिकारी महामानव भारत रत्न डॉ बाबासाहेब आंबेडकर जी को जयंती पर सादर नमन। विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने ट्वीट किया, डॉ बीआर आम्बेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित करने में राष्ट्र के साथ शामिल हूं। आधुनिक भारत के लिए एक प्रेरक शक्ति, एक न्यायपूर्ण और समान समाज सुनिश्चित करने के उनके अथक प्रयास प्रेरित करते रहेंगे। सभी देशवासियों को आम्बेडकर जयंती की शुभकामनाएं। जय भीम!

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने ट्वीट किया, बाबासाहेब आम्बेडकर आधुनिक भारतीय चिंतकों एवं समाज सुधारकों में से एक हैं, जिन्होंने अनगिनत कार्यों के माध्यम से राष्ट्रनिर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अपने विराट व्यक्तित्व के कारण वे असंख्य लोगों के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं, उनकी जयंती पर शत-शत नमन।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने ट्वीट किया, संविधान शिल्पी परमपूज्य बाबा साहेब डॉ भीमराव आम्बेडकर की जयंती पर उनके अनुयाइयों की ओर से उन्हें शत-शत नमन व हार्दिक श्रद्धा-सुमन। करोड़ों कमजोर व उपेक्षित वर्गों तथा मेहनतकश समाज आदि के हित व कल्याण के प्रति उनके महान व ऐतिहासिक योगदान के लिए देश हमेशा ऋणी व कृतज्ञ रहेगा। जातिवादी मानसिकता से ग्रस्त विरोधी पार्टियों व इनकी सरकारें बाबा साहेब डॉ आम्बेडकर के संघर्षों व संदेशों की कितनी ही अवहेलना करके उनके अनुयाइयों पर शोषण, अन्याय-अत्याचार व द्वेष आदि जारी रखें, किन्तु उनके आत्म-सम्मान व स्वाभिमान का बीएसपी मूवमेन्ट रुकने व झुकने वाला नहीं है।

जातिवादी सरकारें उपेक्षित वर्ग के नेताओं को अपने समाज का भला करने की छूट नहीं देती हैं। यदि कोई कुछ करने का प्रयास करता है तो उसको दूध की मक्खी की तरह निकाल-बाहर कर दिया जाता है, जैसाकि अब तक यहाँ होता रहा है। इसीलिए इन वर्गों की हालत अभी तक मजबूर व लाचार, यह अति-दुःखद। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट किया, पूज्य बाबा साहब डॉ भीमराव आम्बेडकर जी की जयंती के अवसर पर आप सभी को अनंत शुभकामनाएं। आइए मिलकर एक ऐसा भारत बनाएं जहाँ देश के हर बच्चे को अच्छी से अच्छी शिक्षा मिले, यही बाबा साहब को देश की सच्ची श्रद्धांजलि होगी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने ट्वीट किया, महान समाज सुधारक और संविधान शिल्पी पूज्यनीय बाबासाहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती पर शत शत नमन। शोषितों, वंचितों और महिलाओं के उत्थान के लिए उन्होंने आजीवन संघर्ष किया। राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को आने वाली पीढ़ियाँ सदैव याद रखेंगी।

वाराणसी : साड़ी कारखाने में खाना बनाते समय आग लगने से चार लोगों की मौत

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। अशफाक नगर कमच्छा क्षेत्र में गुरुवार की दोपहर करीब 12 अचानक साड़ी के कारखाने में सिलेंडर से आग लगने के बाद चार लोगों की जलकर मौत हो गई। सिलेंडर या शार्ट सर्किट से आग लगने की जानकारी होने के बाद आस पड़ोस में हड़कंप मच गया और हादसे में कारखाने में काम कर रहे चार लोगों की मौत हो गई। पड़ोसियों के अनुसार कारखाने में खाना बनाते समय संभवतः आग लगने की वजह से हादसा हुआ और आग लगने के साथ ही लपटें तेज हो गईं। दहशत में आस पड़ोस के लोग भी बाहर निकल आए और राहत व बचाव कार्य शुरू किया गया।

वहीं हादसे की जानकारी होने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने भी स्थानीय लोगों के सहयोग से आग पर काबू पाया। वहीं स्थानीय लोग दबी जुबान में कुछ लोगों द्वारा हादसे को दबाने के लिए शवों को छिपाने का भी आरोप लगा रहे हैं। वाराणसी में मोहल्ला अशफाक नगर में एक साड़ी फिनिशिंग का कार्य करने वाले कारखाने में कुछ कामगार रहकर भोजन बना रहे थे। इस दौरान लगभग 11:30 से 11:45 बजे के बीच वहां रखी सामग्री में आग लग गई। आग की वजह संभवतः सिलेंडर या बिजली के तारों में आग लगना बताया जा रहा है। वहीं आग लगने के बाद कमरे के अंदर कार्य करने वाले चार लोग आग से बुरी तरह से घिर गए और बाहर नहीं निकल पाये। संभवतः आग की जद में आने के बाद दम घुटने से सभी वहीं फंस गए और झुलसने से आग की चपेट में आने के कारण सभी चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों के अनुसार आग लगने की जानकारी होने के बाद मोहल्ले वालों ने संकरी गली स्थित कारखाने के कमरे में किसी तरह पानी डाल कर भीषण आग पर काबू पाया। आग बुझाने के बाद गैस सिलेंडर को बाहर सुरक्षित निकाल लिया गया। वहीं सतर्कता की वजह से आग किसी और के घर में नहीं पहुंच सकी। वहीं संकरी गली में आमने सामने कई घर मौजूद होने के साथ ही लोगों की सजगता से आग पर किसी तरह काबू पाया जा सका।

शोपियां में सुरक्षाबलों ने किया दो आतंकियों को ढेर, मुठभेड़ जारी

जम्मू। दक्षिण कश्मीर में शोपियां के बदीगाम इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो चुकी है। दोनों ओर से फायरिंग जारी है। हालांकि सुरक्षाबलों ने सबसे पहले आतंकियों को आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी लेकिन आतंकियों ने इसे अनुसना कर फायरिंग शुरू कर दी। तीन के करीब आतंकियों की घेराबंदी कर ली गई है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, शोपियां के जैनपोरा इलाके के समीप स्थित बदीगाम इलाके में आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली। इसके तुरंत बाद पुलिस और सुरक्षाबलों ने क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया। इसी दौरान एक जगह पर छिपे आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग शुरू कर दी। पहले आतंकियों को आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी गई लेकिन आतंकियों ने इसे अनसुना कर दिया।

भारत की बेबाक कूटनीति, अमेरिका को भी अपने 'गिरेबान में झांकने' की दी नसीहत

नई दिल्ली। 'भारत भी अमेरिका समेत अन्य देशों के मानवाधिकारों के हालात पर नजर रखता है', विदेश मंत्री एस. जयशंकर द्वारा कहा गया ये वाक्य

से विश्व पटल पर बढ़ती हिंदुस्तान की महत्ता और ताकत को दशार्ता है। भारत अब एक मुखर राष्ट्र के रूप में अपनी अलग पहचान बनाता जा रहा है। अब हम खुलकर अपनी बात रखते हैं, फिर चाहे सामने अमेरिका हो या फिर कोई अन्य विकसित देश। पिछले दिनों रूस से तेल खरीदने के मुद्दे पर भी भारत ने अमेरिकी लाबी को खरी-खरी सुना दी थी। अगर हम कुछ दशक पहले ही बात करें, तो भारत इतनी मुखरता से अपने विचार अन्य देशों के सामने नहीं रख पाता था, इसके पीछे कई कारण थे। लेकिन आज भारत, अमेरिका जैसे देशों को जो दो टूक जवाब दे पा रहा है, उसके पीछे एक वजह मजबूत राजनीतिक स्थिति भी है। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अंशु जोशी कहती हैं कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति और संबंधों में किसी भी राष्ट्र की शक्ति और स्थान उसकी आर्थिक, सैन्य, राजनीतिक और सामाजिक स्थिति पर निर्भर करती है। इसके अलावा एक और अत्यंत महत्वपूर्ण बिंदु है, उस देश के शासक या नेता का स्वरूप और स्वभाव। किसी भी राष्ट्र के साथ संबंध किस दिशा में ले जाने हैं, अंतरराष्ट्रीय पटल पर अपने राष्ट्र की छवि निर्माण से लेकर कौन से मुद्दे रखने हैं, द्वि-पक्षीय तथा बहु-पक्षीय संबंधों को कैसी दिशा देनी है, यह सब नेता या राजनीतिक प्रतिनिधि से ही निश्चित होता है। वैश्विक पटल पर भारतीय प्रतिनिधियों के हिसाब से देखें तो वर्ष 2014 के बाद का समय भारत को शक्ति की नई ऊंचाइयों पर ले जाता दिखाई देता है और नरेंद्र मोदी इसका एक महत्वपूर्ण कारण कहे जा सकते हैं।

पंजाब में मुफ्त बिजली के प्लान पर बोला विभाग, 5,000 करोड़ का पड़ेगा बोझ

जालंधर। पंजाब में नवनिर्वाचित आम आदमी पार्टी सरकार सीमावर्ती राज्य में सभी को 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने के अपने सबसे बड़े चुनावी वादे को लागू करने को लेकर खुद को मुश्किल में पा रही है। भले ही पार्टी के शीर्ष नेता इस सप्ताह मुफ्त बिजली की घोषणा करने के लिए दृढ़ हैं, लेकिन कर्ज में डूबे पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (पीएसपीसीएल) का मानना है कि इसे गर्मियों के बाद ही लागू किया जाना चाहिए। आपको बता दें कि बढ़ते तापमान के साथ पंजाब में बिजली की मांग पहले ही 8,000 मेगावाट पर पहुंच गई है। अगले एक महीने में गेहूं की कटाई और धान की बुवाई का मौसम शुरू होने के साथ बिजली की मांग 15,000 मेगावाट तक पहुंचने की उम्मीद है। सूत्रों के अनुसार पीएसपीसीएल ने नेतृत्व को अवगत करा दिया है कि अब बिजली के अंधाधुंध प्रयोग से मांग में वृद्धि हो सकती है। इसके अलावा पंजाब के बिजली संयंत्रों को ईंधन देने के लिए कोयले की मांग भी काफी बढ़ गई है। चार इकाइयां बंद हो गई हैं, जिससे 1,400 मेगावाट बिजली का नुकसान हुआ है। कोयले की कमी के कारण जीवीके थर्मल प्लांट की दो इकाइयां बंद हैं, जबकि मानसा में तलवंडी साबो पावर लिमिटेड की एक इकाई तकनीकी खराबी के कारण बंद है। रोपड़ में गुरु गोबिंद सिंह सुपर थर्मल प्लांट की एक इकाई वार्षिक रखरखाव के लिए बंद है। पीएसपीसीएल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, 'इस तरह के कदम उठाने के समय का ठीक से आकलन करने की जरूरत है। हालांकि इस तरह के लोकलुभावन कदम के लिए कोई समय अच्छा नहीं है, लेकिन इसे मानसून के महीनों के दौरान लागू किया जा सकता है। मुफ्त बिजली के वादे को लागू करने में नौकरशाही की अनिच्छा के पीछे भारी सब्सिडी बिल है जिसे राज्य को वहन करना होगा। पंजाब पर 3 लाख करोड़ रुपये का कर्ज बकाया है। सभी घरों के लिए मुफ्त बिजली का मतलब 5,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ होगा।

आंध्र प्रदेश- रासायनिक कारखाने में बड़ा धमाका, एसिड लीक के बाद बॉयलर फटा, 6 की मौत, एक दर्जन घायल

एलुरू। आंध्र प्रदेश के एलुरू में एक रासायनिक कारखाने में बॉयलर फट जाने के बाद धमाके से 6 लोगों की मौत हो गई और करीब एक दर्जन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा एलुरू जिले में बुधवार देर रात हुआ। एलुरू के एसपी राहुल देव शर्मा ने 6 लोगों की मौत की पुष्टि करते हुए बताया कि फैक्ट्री में नाइट्रिक एसिड और मोनो मिथाइल का रिसाव हो गया था। उसी ने आग पकड़ ली और हादसा हो गया। एलुरू के अक्किरेड्डीगुडेम में पोरस लैब में ये वारदात रात करीब 11.30 बजे हुई। फैक्ट्री में दवाओं में काम आने वाली सामग्री बनाई जा रही थी। उसी दौरान बॉयलर में कुछ गड़बड़ी के बाद एसिड लीक होने लगा। उसके बाद जोरदार धमाका हुआ और आग लग गई। फैक्ट्री में उस वक्त नाइट शिफ्ट में कई लोग काम कर रहे थे, जो धमाके और आग की चपेट में आ गए। एसपी ने 6 लोगों की मौत की पुष्टि की है। 12 लोगों के घायल होने की जानकारी भी दी है। घायलों में कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि इस बात की जांच की जा रही है कि एसिड लीक कैसे हुआ। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि मरने वाले सभी लोग बिहार के रहने वाले थे। हालांकि खबर लिखे जाने तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई थी। आंध्र प्रदेश सरकार ने मरने वालों के परिजनों को 25-25 लाख रुपये की आर्थिक मदद का ऐलान किया है। गंभीर रूप से घायलों को 5-5 लाख रुपये दिए जाएंगे। बाकी जख्मी लोगों को 2-2 लाख रुपये मिलेंगे। इससे पहले 11 अप्रैल को गुजरात के भरूच में एक केमिकल फैक्ट्री में धमाके में 6 लोग मारे गए थे। दहेज जीआईडीसी में स्थित ओम ऑर्गेनिक नाम की फैक्ट्री में पहले आग लगी, फिर जोरदार धमाका हुआ था। पीएम नरेंद्र मोदी ने हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों को 2-2 लाख और घायलों को 50-50 हजार की मदद का ऐलान किया था। एलुरु के एसपी राहुल देव शर्मा ने बताया कि हादसे के वक्त फैक्ट्री में 18 लोग काम कर रहे थे।

15 साल में फिर बनेगा अखंड भारत : भागवत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि सनातन धर्म ही हिंदू राष्ट्र है। उन्होंने कहा कि 15 साल में भारत फिर से अखंड भारत बन जाएगा और यह सब हम अपनी आंखों से यह देखने वाले हैं। भागवत ने कहा कि संतों

और से ज्योतिष का मानना है कि 20 से 25 साल में देश फिर से अखंड भारत बनेगा। लेकिन अगर हम सभी मिलकर इस काम को गति दें तो 10-15 साल में ही अखंड भारत बन जाएगा। आरएसएस चीफ ने कहा कि जो तथाकथित लोग सनातन धर्म का विरोध करते हैं, उनका भी उसमें सहयोग है। अगर वह विरोध न करते तो हिंदू जागता ही नहीं, क्योंकि वह सोता ही रहता। उन्होंने कहा कि अगर भारत उठेगा तो धर्म के माध्यम से ही उठेगा। धर्म का प्रयोजन ही भारत का प्रयोजन है। धर्म के उत्थान से ही भारत का उत्थान होगा। भागवत ने हरिद्वार में कहा, "भारत लगातार प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ता जा रहा है। इसके रास्ते में जो कोई भी आएगा, वह मिट जाएगा। हम अहिंसा की ही बात करेंगे, पर यह बात हाथों में डंडा लेकर कही जाएगी। हमारे में मन में कोई द्वेष, शत्रुता भाव नहीं है, लेकिन दुनिया शक्ति को ही मानती है तो हम क्या करें।" भागवत के इस बयान पर शिवसेना सांसद संजय राउत ने प्रतिक्रिया दी है। राउत ने कहा कि आप अखंड भारत बना लीजिए, लेकिन 15 साल का नहीं 15 दिन का वादा कीजिए और अखंड हिंदुस्तान बनाइए। उन्होंने कहा कि अखंड हिंदुस्तान का सपना कौन नहीं देखता है। वीर सावरकर, बाला साहेब ठाकरे का ये सपना था तो सबसे पहले आप वीर सावरकर को भारत रत्न दीजिए।

गैर कश्मीरी घाटी छोड़ो या मरने को तैयार रहो निर्दोष को मारकर आतंकियों ने पोस्टर चिपकाए

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में बाहर से आने वालों पर लगातार हमले जारी हैं। बुधवार को साउथ कश्मीर के कुलगाम जिले में आतंकियों ने एक शख्स की गोली मारकर हत्या कर दी। मरने वाले की पहचान सतीष सिंह के रूप में हुई है। इसके साथ ही आर्तकियों ने दीवारों में पोस्टर चिपकाए हैं। लिखा है- गैर कश्मीरियों घाटी छोड़ दो या मरने को तैयार हो जाओ। आतंकियों के इस हमले से एक बार फिर घाटी दहल उठी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आर्तकियों ने दीवारों पर पोस्टर चिपकाए हैं। लिखा है- गैर कश्मीरियों घाटी छोड़ो या मरने को तैयार हो जाओ। जानकारी के मुताबिक आतंकी हमले में घायल सतीष सिंह को पास के अस्पताल में भर्ती करवाया गया था जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सतीष सिंह कुलगाम के काकरन इलाके का रहने वाला था। आतंकी हमले की जानकारी मिलने के साथ ही सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके को घेर लिया है और आर्तकियों की तलाश शुरू कर दी है। घटना से एक दिन पहले कुलगाम जिले में लश्कर-ए-इस्लाम नाम के आंतकी संगठन ने गैर कश्मीरियों को धमकी दी थी कि वो जल्द से जल्द या तो कश्मीर छोड़कर चले जाएं या मरने के लिए तैयार रहें। इससे पहले 4 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के शोपियां में आर्तकियों ने एक कश्मीरी पंडित को गोली मार दी थी। गौरतलब है कि कश्मीर और

कश्मीरी पंडितों का मुद्दा पिछले एक महीने से देशभर में खूब चल रहा है। हाल में विवेक अग्निहोत्री की फिल्म द कश्मीर फाइल्स सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी जिसमें कश्मीरी पंडितों के दर्दनाक विस्थापन को दिखाया गया था। इस फिल्म ने एक बार फिर देश में कश्मीरी पंडितों के विस्थापन के मुद्दे को चर्चा का विषय बना दिया है। फिल्म को देशभर में जबरदस्त रिस्पांस मिल रहा है। यही नहीं, देश के बाहर भी फिल्म को स्कीन मिल रही है। फिल्म को लेकर एक धड़ा ऐसा भी है जो इसे हिंदू-मुसलमानों के खिलाफ नफरत फैलाने की साजिश करार दे रहा है।

बाबा साहेब के बहाने माया का विरोधियों पर हमला

नई दिल्ली। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने उन्हें अपनी श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर विरोधियों पर निशाना साधते हुए मायावती ने कहा कि जातिवादी सरकारें उपेक्षित वर्ग के नेताओं को अपने समाज का भला करने की छूट नहीं देती हैं। यदि कोई कुछ करने का प्रयास करता है तो उसको दूध की मक्खी की तरह निकाल-बाहर कर दिया जाता है। एक ट्वीट के जरिए बसपा सुप्रीमो ने कहा कि यहां अब तक ऐसा ही होता रहा है। इसी वजह से इन वर्गों की हालत अभी तक मजबूर और लाचार बनी हुई है। मायावती ने कहा कि यह स्थिति अत्यंत दुखद है।

महाराष्ट्र से यूपी पहुंचा अजान विवाद बनारस में लाउडस्पीकर से हनुमान चालीसा का पाठ

मुम्बई। महाराष्ट्र से शुरू हुआ अजान विवाद उत्तर प्रदेश तक पहुंच गया है। यहां बनारस में कुछ लोगों ने अजान के वक्त लाउडस्पीकर से हनुमान चालीसा का पाठ शुरू कर दिया है। श्रीकाशी विश्वनाथ ज्ञानवापी मुक्ति आंदोलन की ओर से यह मुहिम शुरू की गई है। संगठन के अध्यक्ष सुधीर सिंह ने अपने घर से इसकी शुरूआत की है और छत पर कई लाउडस्पीकर लगा दिए हैं। बनारस के साकेत नगर इलाके में रहने वाले सुधीर सिंह कुछ साथियों के साथ छत पर खड़े होकर लाउडस्पीकर से हनुमान चालीसा का पाठ करते हैं। मकसद के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि सुबह लाउडस्पीकर पर अजान से लोगों की नींद में खलल पड़ती है और यह अहसास दिलाने के लिए यह किया जा रहा है। सुधीर सिंह ने कहा कि हम हिंदू-मुस्लिम एकता चाहते हैं, लेकिन अकेले हमने ही इसका ठेका नहीं लिया है। पहले हम लोग सोकर उठते थे तो उस समय मानस मंदिर और अन्य मंदिरों पर वैदिक पाठ होते थे, हनुमान चालीसा का पाठ होता था। लेकिन इतना दबाव बनाया गया कि ये सब चीजें बंद हो गईं। यह सुप्रीम कोर्ट का आदेश था कि ध्वनि प्रदूषण नहीं होना चाहिए। हमने मंदिरों से भोंपू उतार दिए, इनके मस्जिदों पर भोंपू बढ़ते गए। आज स्थिति यह है कि सुबह साढ़े

4 बजे नींद खुल जाती है, अजान की आवाज से। हमने भी तय किया है कि जब वह लाउडस्पीकर पर अजान कर रहे हैं तो क्यों ना हम भी वैदिक मंत्रों और हनुमान चालीसा का पाठ करें। इसी लिए हमने इसे शुरू किया है। कल जब हमने अजान के समय पाठ किया तो आज परिणाम यह हुआ कि उनकी अजान कम आवाज में हुई।

चिंतन मनन

पाक का कश्मीर राग

पाकिस्तान में इमरान खान की कुर्सी जाने के बाद जब नए पीएम के रूप में शहबाज खान का नाम सामने आया, तब कहा जाने लगा कि भारत से भी उनके अच्छे रिश्ते रहे हैं। शहबाज के पाकिस्तानी फौज के साथ अच्छे संबंध हैं। फौज का शहबाज को पूरा समर्थन है। शहबाज और नवाज के भारत से अच्छे रिश्ते रहे हैं। दोनों देशों के बीच एक साल से ज्यादा वक्त से सीजफायर है। अब ये ज्यादा मजबूत तरीके से चल सकता है। दोनों देशों में जमा तनाव की बर्फ भी पिघलेगी, मगर यह सब कयास ही निकला। पाकिस्तान में बदला कुछ नहीं है। इमरान गए हैं और शहबाज आए हैं। कश्मीर को लेकर आईएसआई और फौज का जो एजेंडा है, वही चलेगा। प्रधानमंत्री बनने से एक दिन पहले शहबाज ने जो कहा या जो उनसे कहने को कहा गया, उससे यही संकेत मिलते हैं। शहबाज ने कहा है कि जब तक कश्मीर के मुद्दे पर समाधान नहीं निकलता, तब तक भारत से कोई बातचीत नहीं की जाएगी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और हुक्मरानों अक्सर देश की राजनीति में सहानुभूति बटोरने के लिए कश्मीर राग अलापते रहते हैं। बतौर प्रधानमंत्री हर मोर्चे पर फेल रहे इमरान खान गाहे-बगाहे कश्मीर धुन छेड़ते रहते थे। अब नए पीएम ताजपोशी से पहले ही कश्मीर को लेकर पुरानी धुन अलापने लगे हैं। शहबाज शरीफ ने कश्मीर मुद्दे और भारत के साथ संबंधों का जिक्र किया है। उन्होंने कहा कि मेरी प्राथमिकता राष्ट्रीय सद्भाव और तरक्की है। हम भारत के साथ शांति चाहते हैं लेकिन कश्मीर मुद्दे के समाधान के बिना शांति संभव नहीं है। पाकिस्तान की राजनीति में कश्मीर मुद्दा हमेशा हावी रहा है। इमरान खान विदेशी कर्ज, महंगाई और विदेशी मुद्रा भंडार जैसे मुद्दों पर पूरी तरह से फेल रहे हैं। इसके बावजूद भी वह जब-तब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी कश्मीर का मुद्दा उठाते रहते थे। पाकिस्तानी जनता के बीच सहानुभूति बटोरने के लिहाज से यह एक बेहद संवेदनशील मुद्दा है। इससे पहले पाकिस्तान में नई सरकार के सत्ता में आने के बाद प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा था कि वे भारत के साथ अच्छे रिश्ते बनाए रखने और कश्मीर सहित सभी मसलों को बातचीत के जरिए सुलझाने के पक्ष में हैं, अगर भारत एक कदम बढ़ता है तो हम दो कदम बढ़ेंगे। उनके इस कथन से भारत सहित दुनिया भर में यह संदेश गया था कि पाकिस्तान अब कोई ऐसी नई पहल करेगा जो दोनों देशों के बीच विवादों को सुलझाने में सकारात्मक रुख लिए हुए होगी। लेकिन फिलहाल ऐसा हुआ नहीं। भारत का शुरू से दृढ़ मत रहा है कि कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है। भारत हमेशा से कहता आया है कि कश्मीर मसले पर वह पाकिस्तान के साथ बातचीत को हमेशा तैयार है, लेकिन इसके लिए सबसे पहले वह सीमापार आतंकवाद को बंद करे। लेकिन जब पाकिस्तान कश्मीरी लोगों को नैतिक, राजनीतिक और कूटनीतिक समर्थन देता रहेगा, तो फिर कश्मीर मसला बातचीत से सुलझाने की गुंजाइश ही कहां रह जाती है! भारत सरकार फिलहाल 'देखो और प्रतीक्षा करो की नीति पर चले, यही बेहतर है। एक तरह से पाकिस्तान में शासन तो सेना का ही है, ऐसे में इमरान खान कितना क्या कर पाते हैं, यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा। शहबाज सरकार के सामने इस वक्त सबसे बड़ी चुनौती पाकिस्तान का आर्थिक संकट है। देश की अर्थव्यवस्था पेंदे में जा चुकी है। पाकिस्तान तीस खरब डॉलर के कर्ज में डूबा है। भारत साफ कह चुका है कि पड़ोसी देश से बात तभी हो सकती है जब माहौल अनुकूल होगा। लेकिन पाकिस्तान कश्मीर में आतंकवाद को जिस तरह बढ़ावा दे रहा है और जो एलान पाकिस्तानी राष्ट्रपति ने संसद में किया है, उसमें उम्मीद की कोई किरण नहीं नजर आती।

वीरत्व की अलंकृति है क्षमा

क्षमा वीरत्व की अलंकृति है। दुर्बल और विवश व्यक्ति द्वारा उद्गीत क्षमा का माहात्म्य उतना प्रखर नहीं हो सकता। ज्ञान की स्फुरणा में मौन की सार्थकता है। शक्ति-संपन्नता में क्षमा की सार्थकता है और त्याग-भावना में आत्मगोपन या अप्रशस्ति की सार्थकता है। शक्ति के अभाव में स्वीकृत का कवच व्यक्ति को कई अवांछनीय परिस्थितियों से त्राण तो दे सकता है, पर उससे क्षमा का वर्चस्व धुंधला हो जाता है। मन के प्रतिकूल परिस्थिति उत्पन्न होने पर संभावित प्रोध को शांति से प्रतिहत करने वाला व्यक्ति अपनी क्षमा को तेजस्वी बनाता है। क्षमा के स्वरूप और उसकी क्रियान्विति के संबंध में कोई निश्चित सिद्धांत नहीं बन सकता। अपराध करने वलों और क्षमाशील रहने वालों की अनेक भूमिकाएं हैं। एक मुनि, अपराधी व्यक्ति को क्षमा नहीं करता है तो उसका मुनित्व संदिग्ध हो जाता है। भगवान महावीर के साधना काल में कितनी बार प्रतिकूल परिस्थितियां पैदा की गई, पर महावीर का महावीरत्व उनकी क्षमाशीलता में ही पल्लवित हुआ। राजधर्म क्षमा को ऐकांतिक महत्व नहीं देता। दुष्ट व्यक्ति को दंडित करना राजधर्म के अनुसार विहित है। दंडनीय को दंड न देना राजधर्म का लोप माना जाता है। इससे अराजकता को प्रोत्साहन मिलता है और अपराधी तत्व निरंकुश हो जाते हैं। दंडसंहिता की सारी धाराएं अपराधों का प्रतिकार करने के लिए हैं। समाज के साथ अपराध और अपराधों के साथ दंड-पद्धति का सृजन स्वाभाविक माना जाता है। किंतु यह लोक-व्यवस्था या राज्य-व्यवस्था का सिद्धांत है। अध्यात्म की भूमिका इससे भिन्न है। इसमें अपराधी व्यक्ति स्वयं अपराध-शोधन के लिए प्रायश्चित स्वीकार करता है। अपराधी को बलात दंडित करने या उसके प्रति प्रोध प्रदर्शित करने की बात क्षमा-धर्म द्वारा संभव नहीं है। साधना के पथ पर अग्रसर साधकों के लिए क्षमा के अतिरिक्त दूसरा मार्ग ही नहीं हैं। क्षमा का प्रभाव अप्रतिहत होता है, पर क्षमा-धर्म की साधना है बहुत कठिन।

अमेरिका में हिंसक हमला

न्यूयॉर्क के ब्रूकलिन नामक इलाके में हुए गोलीबारी ने पूरे अमेरिका को थर्रा दिया है। लगभग तीन दर्जन लोग घायल हुए हैं लेकिन गनीमत है कि अभी तक किसी के मरने की खबर नहीं है। इस इलाके में हमारे दक्षिण एशियाई लोग काफी संख्या में रहते हैं। यह हमला ब्रूकलिन के रेल्वे स्टेशन पर सुबह-सुबह हुआ है। अभी तक यह पता नहीं चला है कि यह हमला आतंकवादियों ने किया है या यह किसी सिरफिरे अपराधी की करतूत है। हमलावर ने पहले गैस के गोले छोड़े ताकि सारे वातावरण में धुंधलका फैल जाए और फिर उसने गोलियां चला दीं। जब बहुत शोर मचा तो वह हमलावर भाग निकला लेकिन उसका सामान और वाहन पुलिस के हाथ लग चुका है। उसके क्रेडिट कार्ड से उसका नाम भी मालूम पड़ गया है। उसका फोटो भी पुलिस ने जारी कर दिया है। उसकी गिरफ्तारी पर 50 हजार डॉलर का इनाम भी घोषित हो गया है। अंदाज है कि वह जल्दी ही पकड़ा जाएगा।

अगर वह पकड़ा भी गया और उसने अपना जुर्म भी कुबूल कर लिया तो भी क्या होगा? उसे फांसी पर लटका दिया गया तो भी क्या होगा? क्या इस तरह के जानलेवा अपराधों की संख्या अमेरिका में कभी घटेगी? कभी नहीं। अमेरिका में जितनी हत्याएं हर साल होती हैं, भारत में उससे आधी भी नहीं होतीं। दुनिया का वह सबसे मालदार और सुशिक्षित नागरिकों का राष्ट्र है लेकिन वहां हत्या समेत अन्य अपराधों की संख्या एशिया और अफ्रीका के कई गरीब राष्ट्रों से ज्यादा है। जब तक अमेरिका के शासक और विश्लेषक इस प्रपंच के मूल कारणों को नहीं खोजेंगे, अमेरिका की दशा बिगड़ती ही चली जाएगी। ब्रूकलिन हमले के बाद न्यूयार्क टाइम्स को दर्जनों लोगों ने कहा कि न्यूयॉर्क शहर हमारे रहने लायक नहीं है। अब से 50-55 साल पहले जब मैं न्यूयार्क में रहा करता था, मेरी अमेरिकी मामी मुझे घर से निकलते वक्त हमेशा मुजरिमों से सावधान रहने के लिए कहती थीं। अमेरिका के बड़े शहरों में आज भी वही स्थिति है। 200 साल पहले अमेरिका में जो नागरिक असुरक्षा की हालत थी, वह आज भी बनी हुई है। यूरोप के गोरे लोग अमेरिकी धरती पर हथियारबंद हुए बिना पांव ही नहीं रखते थे। आज भी अमेरिका के हर घर में बंदूक और तमंचे रखे होते हैं। अब मांग की जा रही है कि जैसे हवाई जहाज में यात्री लोग बंदूक वगैरह नहीं ले जा सकते हैं, वैसे ही प्रतिबंध रेल और बसों में भी लगा दिए जाएं और स्टेशनों पर सुरक्षा बढ़ा दी जाए। ये सब सुझाव अच्छे हैं लेकिन इनसे हिंसाप्रेमी अमेरिकी समाज का स्वभाव नहीं बदला जा सकता। अमेरिका के उपभोक्तावादी समाज में जब तक गहरी आर्थिक विषमता और रंगभेद का वर्चस्व बना रहेगा, इस तरह की हिंसक घटनाएं होती ही रहेंगी। इस तरह की घटनाओं के लिए मानसिक बीमारियां भी जिम्मेदार होती है, जो पूंजीवादी और उपभोक्तावादी समाजों में आसानी से पैदा हो जाती हैं।

फैशन कम्युनिकेशन क्षेत्र में हैं अच्छे अवसर

तेजी से बदलते फैशन के इस दौर में फैशन कम्युनिकेशन के क्षेत्र में भी अच्छी संभावनाएं हैं। एक फैशन कम्युनिकेशन एक्सपर्ट का काम अपने क्लाइंट या कंपनी की एक बेहतरीन छवि बनाता है। साथ ही वह अपने क्लाइंट के उत्पाद को टार्गेट कस्टमर्स तक सर्वोत्तम तरीके से पहुंचाता है। इतना ही नहीं, वह ब्रांड के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रचार के तरीकों पर भी नजर रखता है।

जब भी फैशन इंडस्टी की बात होती है तो लोग फैशन डिजाइनर या मॉडल बनने की ही चाहत रखते हैं। लेकिन यह एक ऐसी इंडस्टी है, जिसमें पिछले काफी सालों में बदलाव आया है और इसी कारण अब इस क्षेत्र में करियर की नई संभावनाओं ने जन्म दिया है। फैशन इंडस्टी में एक ऐसा ही करियर है फैशन कम्युनिकेशन है। यह तेजी से उभरता क्षेत्र है और अब युवाओं का आकर्षण इस ओर बढ़ने लगा है।

संभावनाएं- फैशन कम्युनिकेशन का कोर्स करने के बाद आप फैशन डिजाइनर, ग्राफिक डिजाइनर, फैशन पत्रकार, प्रोफेसर, डिजाइन सहायक, फैशन सहायक, फैशन मार्कोटिंग मैनेजर, फैशन एडिटर, फैशन फोटोग्राफर, कला निर्देश आदि भूमिकाएं अदा कर सकते हैं। इस कोर्स को करने के बाद कई इंडियन व इंटरनेशनल ब्रांड के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

योग्यता- इसके लिए डिप्लोमा या बैचलर डिग्री की जरुरत रहती है। इसके बाद आप फैशन कम्युनिकेशन में ही मास्टर और डॉक्टरेट भी कर सकते हैं।

आमदनी- इस क्षेत्र में आमदनी आपके काम पर निर्भर करती है और अनुभव के साथ आमदनी भी बढ़ती है। वैसे शुरूआती दौर में आप सालाना 2 से 3 लाख रूपए आसानी से कमा सकते हैं।

क्या होता है काम- एक फैशन कम्युनिकेशन एक्सपर्ट को कई काम करने होते हैं। वह अपने क्लाइंट या कंपनी की एक बेहतरीन छवि बनाता है। साथ ही वह अपने क्लाइंट के उत्पाद को टार्गेट कस्टमर्स तक सर्वोत्तम तरीके से पहुंचाता है। इतना ही नहीं, वह ब्रांड के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रचार के तरीकों पर भी नजर रखता है। अपने क्लाइंट व बिजनेस हाउस की तरफ से मीडिया के साथ कम्युनिकेट व डील करते हैं। एक फैशन कम्युनिकेशन एक्सपर्ट डिजाइन लेआउट, वेब पेज और मल्टीमीडिया डिजाइन डेवलप करता है।

स्किल्स- इस क्षेत्र में आपकी मार्केटिंग स्टेटजी अच्छी होनी चाहिए। साथ ही आपमें कम्युनिकेशन व नेटवर्किंग स्किल्स भी बेहतरीन होने चाहिए, इसके बिना आपको अपने क्षेत्र में कठिन संघर्ष करना पड़ सकता है। वहीं इस क्षेत्र में डेडलाइन पर काम करना होता है, इसलिए आपको कई-कई घंटे लगातार काम करना पड़ता है। इसलिए अगर आपमें धैर्य व कठिन परिश्रम करने की क्षमता नहीं है तो आप इस क्षेत्र में नहीं टिक पाएंगे। इसके अतिरिक्त आपकी मौखिक व लिखित दोनों ही रूपों में अलग-अलग भाषा पर पकड़ अच्छी होनी चाहिए।

हनुमान जयंती पर विशेष –

हनुमानजी सप्तचिरंजीवों में से एक हैं। अर्थात सदैव जीवित रहने वाले। हनुमानजी ने त्रेतायुग में श्रीरामजी की अवतार समाप्ति के उपरांत भी द्वापार युग में महाभारत के युद्ध में सहभाग लिया था। उसके उपरांत कलियुग में संत तुलसीदासजी तथा समर्थ रामदास जी, इन संतों ने हनुमानजी के दर्शन किए हैं, ऐसा उल्लेख मिलता है । श्रीमद्भागवत में उल्लेख है कि कलियुग में हनुमानजी का निवास गंधमादन पर्वत पर रहता है। ऐसे कहा जाता है कि यह पर्वत हिमालय की श्रृंखलाओं में तिब्बत के आगे है ।

हनुमान जी के दर्शन के संदर्भ में पुराणों में लिखा है कि

यत्र-यत्र रघुनाथ कीर्तन तत्र कृत मस्तकान्जलि।

वाष्प वारि परिपूर्ण लोचनं मारुतिं नमत राक्षसान्तक॥

अर्थात कलियुग में जहां-जहां भगवान श्रीराम की कथा-कीर्तन इत्यादि होते हैं, वहां हनुमानजी गुप्त रूप से विराजमान रहते हैं । यदि मनुष्य पूर्ण श्रद्धा से इनका आश्रय ले, तो फिर तुलसीदासजी की भांति उसे भी हनुमान और राम-दर्शन होने में देर नहीं लगती।

कार्य व वैशिष्ट्य

सर्वशक्तिमान : हनुमानजी सर्वशक्तिमान देवता हैं। जन्म लेते ही हनुमानजी ने सूर्यको निगलनेके लिए उडान भरी । इससे यह स्पष्ट होता है कि, वायुपुत्र अर्थात वायुतत्त्व से उत्पन्न हनुमानजी, सूर्य पर अर्थात तेज तत्त्व पर विजय प्राप्त करने में सक्षम थे। पृथ्वी, आप, तेज, वायु एवं आकाश तत्त्वों में से तेजतत्त्व की तुलना में वायुतत्त्व अधिक सूक्ष्म है अर्थात अधिक शक्तिमान है। सर्व देवताओं में केवल हनुमानजी को ही वाल्मीकिरामायण, सुंदरकांड ११.४२-४३

इंद्रियजीत होने के कारण हनुमान जी रावणपुत्र इंद्रजीत को भी पराजित कर सके । तभी से इंद्रियों पर विजय पाने हेतु हनुमान जी की उपासना बताई गई ।

अनिष्ट शक्तियां कष्ट नहीं दे सकतीं । लंका में लाखों राक्षस थे, तब भी वे हनुमानजी का कुछ नहीं बिगाड पाएं। इससे हम हनुमानजी की शक्ति का अनुमान लगा सकते हैं।

जितेन्द्रिय : सीताजी को ढूंढने जब हनुमानजी रावण के अंतःपुर में गए, तो उस समय की उनकी मनःस्थिति उनके उच्च चरित्र का सूचक है । इस संदर्भ में वे स्वयं कहते हैं, सर्व रावणपत्नियों को निःशंक लेटे हुए मैंने देखा; परंतु उन्हें देखने से मेरे मन में विकार उत्पन्न नहीं हुआ । -

चिरंजीवी : अपने विभिन्न अवतारों में प्रभु श्रीराम तो वही रहते हैं, परंतु प्रत्येक अवतार में हनुमान का स्थान कोई और ले लेता है । हनुमान सप्तचिरंजीवों में से एक हैं, फिर भी चार युगों के अंत में ये सप्तचिरंजीव मोक्ष को प्राप्त होते हैं व इनका स्थान सात(आध्यात्मिक दृष्टि से) अति उन्नत व्यक्ति ले लेते हैं ।

बुद्धिमान : व्याकरणसूत्र, सूत्रवृत्ति, भाष्य, वार्तिक एवं संग्रह में हनुमान जी की बराबरी करनेवाला कोई नहीं था ।(श्रीवाल्मीकिरामायण, उत्तरकान्ड, सर्ग ३६, श्लोक ४४-४६) हनुमान को ग्यारहवां व्याकरणकार मानते हैं ।

मूर्तिविज्ञान- मारुति के विविध रूप हैं । जैसे दासमारुति, वीरमारुति, पंचमुखी मारुति पंचमुखी मारुति की मूर्ति बडे आकार की होती है । इसके पांच मुख होते हैं झ गरुड, वराह, हयग्रीव अर्थात घोडा, सिंह एवं कपिमुख । ऐसी दशभुज मूर्तियों के हाथों में ध्वज, खडग, पाश इत्यादि शस्त्र होते हैं । पंचमुखी देवता का एक अर्थ ऐसा है कि, पूर्व, पश्चिम, दक्षिण एवं उत्तर, यह चार तथा ऊर्ध्व अर्थात ऊपरी दिशा, इन पांचों दिशाओंपर उस देवता का स्वामित्त्व होता है ।

दक्षिणमुखी मारुति : इस मूर्ति का मुख दक्षिण की ओर अर्थात मूर्ति की दाहिनी ओर होता है, इसलिए इसे दक्षिणमुखी मारुति कहते हैं । दाहिनी ओर देखनेवाले मारुति की सूर्यनाड़ी कार्यरत होने के कारण उनसे शक्ति की अनुभूति होती है । इनकी उपासना अनिष्ट शक्तियों के निवारण के लिए की जाती है ।

वाममुखी मारुति : इस मूर्ति का मुख मूर्ति की बाईं ओर होता है, इसलिए इन्हें वाममुखी मारुति कहते हैं । वाममुखी मारुति की चंद्रनाडी कार्यरत रहती है । दक्षिणमुखी मारुति की तुलना में इनसे अल्प शक्ति की अनुभूति होती है ।

हनुमान जी की पूजा विधि : पूजापूर्व पूजक अपनी नाक के मूलपर मध्यमा से सिंदूर लगाए । हनुमानजी को अनामिका से चंदन लगाएं । इसके उपरांत सिंदूर चढाएं । सिंदूर चढाने के उपरांत अक्षत अर्पण करें । हनुमानजी को मदार के पुष्प एवं पत्ते चढाएं । पुष्प एवं पत्ते पांच या पांच के गुणांक में चढाएं । हनुमानजी को मदार के पुष्प एवं पत्तों से बनी माला पहनाएं । हनुमानजी की पूजा विधि में केवडा, चमेली या अंबर, इन उदबत्तियों का उपयोग करें । उदबत्ती की संख्या दो हो । दाहिने हाथ की तर्जनी अंगूठे के बीच उदबत्ती पकडकर घडी की सुइयों की दिशा में पूर्ण गोलाकार पद्धति से तीन बार घुमाएं । इसके उपरांत हनुमानजी को दीप दिखाएं । अंतमें हनुमानजी को नैवेद्य समर्पित करें । इस प्रकार पूजा करने के उपरांत आरती, मंत्रपुष्प, परिक्रमा एवं नमस्कार करें । हनुमानजी की अल्प से अल्प पांच या पांच की गुणा में परिक्रमाएं करें । स्थान के अभाव अथवा अन्य कारणवश परिक्रमा करना संभव न हो, तो अपने चारों ओर तीन बार गोल घूमकर परिक्रमा लगाएं ।

शनि की साढ़ेसाती व मारुती की पूजा : शनि की साढ़ेसाती दूर करने के लिए मारुती की पूजा की जाती है।

हनुमान जयंती अथवा हनुमान जन्मोत्सव : जयंती शब्द का शब्दकोश में अर्थ दिया है, किसी की जन्मतिथि पर मनाया जानेवाला उत्सव, जो प्रचलित है । जयंती देवता, संत एवं महापुरुषों की मनाई जाती है । हनुमानजी भी इस श्रेणी में आते हैं । हमें इस अर्थ का संदर्भ कहीं नहीं मिला कि जो संसार में नहीं है उसी की जयंती मनाई जाती है : जयंती अनेक देवताओं की भी मनाई जाती है । उदा. दत्त जयंती, वामन जयंती, परशुराम जयंती आदि । परशुराम भी श्री हनुमानजी के समान चिरंजीवी हैं, जिनकी जयंती मनाई जाती है । इसलिए, हनुमान जन्मोत्सव के स्थान पर हनुमान जयंती शब्दप्रयोग करना अधिक उचित होगा ।

हनुमान जी को घर में नहीं अपितु घर के बाहर रखना है क्या यह सही है ? - आज कहा जाता है- शास्त्रात रुढिर्बलियसी ! धर्मशास्त्र के अज्ञान के कारण ऐसे अनेक अयोग्य विचार, रुढियां समाज में पनप रही हैं । हनुमानजी को घर में नहीं रखना, भगवान श्रीकृष्ण का महाभारत का चित्र घर में नहीं रखना, सुदर्शन चक्र वाला चित्र घर में नहीं रखना, यह सब अंधविश्वास की बातें हैं । दुःख की बात है कि एक ओर तो हम चीनी मेंढक, लाफिंग बुद्धा तथा दौडने वाले 7 घोडों का चित्र हम घर में रख रहे हैं, तो दूसरी ओर अपने ही देवी-देवताओं को घर से बाहर निकाल रहे हैं । कई बार हमारे धर्मविरोधी भी इस प्रकार प्रचार करके हमारे धर्म के संदर्भ में गलत धारणाओं को फैलाने का कार्य करते हैं । हमें इससे बचकर रहना चाहिए ।

मानवता की भलाई के लिए यीशु का बलिदान

हे ईश्वर! इन्हें क्षमा करें, ये नहीं जानते कि ये क्या कर रहे हैं। यह प्रार्थना थी यीशु (ईसा मसीह) की उन हत्यारों के लिए, जिन्होंने भयावह अमानवीय यातनाएं देते हुए उनके प्राण ले लिये। यीशु के सिर पर कांटों का ताज रखा गया, उन्हें सूली को कंधों पर उठाकर ले जाने को विवश किया गया और गोल गोथा नामक स्थान पर ले जाकर दो अन्य अपराधियों के साथ बेरहमी से कीलों से ठोकते हुए क्रॉस पर लटका दिया गया। यीशु ने उत्पीड़न और यातनाएं सहते हुए मानवता के लिए अपने प्राण त्याग दिए और दया-क्षमा का अपना संदेश अमर कर दिया।

यीशु ने मानवता की भलाई के लिए बलिदान दिया। उनके बलिदान, उनकी शिक्षाओं को याद करने का दिन है गुड फ्राइडे। ईसाई मान्यता के अनुसार दुनिया को प्रेम, दया, करुणा, परोपकार, अहिंसा, सद्व्यवहार और पवित्र आचरण का संदेश देने वाले यीशु को इसी दिन उस जमाने के धार्मिक कट्टरपंथियों द्वारा क्रॉस पर चढ़ाया गया था। गुड फ्राइडे के दिन गिरजाघरों में घंटा नहीं बजाया जाता, बल्कि लकड़ी के खटखटे बजाए जाते हैं और लोग चर्च में क्रॉस को चूमकर यीशु का स्मरण करते हैं। ईसा मसीह परिवर्तन के पक्षधर थे और उन्होंने मानव प्रेम की सीमा नहीं बांधी, बल्कि अपने बलिदान से उसे आत्मकेन्द्रित एवं स्वार्थ से परे बताया। पृथ्वी पर बढ़ रहे पापों के लिए बलिदान देकर ईसा ने निःस्वार्थ प्रेम की पराकाष्ठा का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया।

ईसाई धार्मिक मान्यताओं के अनुसार क्रॉस पर लटकाए जाने के करीब तीन दिन बाद रविवार को ईसा मसीह पुनः जीवित हो गए थे, इसीलिए गुड फ्राइडे के बाद आने वाले रविवार को ईस्टर संडे के नाम से जाना जाता है। पुनः जीवित हो उठने के बाद ईसा ने अपने शिष्यों के साथ 40 दिनों तक रहकर हजारों लोगों को दर्शन दिए। ईसा मसीह के जी उठने की याद में ही दुनियाभर में ईसाई धर्म के अनुयायी ईस्टर संडे मनाते हैं। ईस्टर की आराधना उषाकाल में ईसाई महिलाओं द्वारा की जाती है, क्योंकि माना जाता है कि यीशु का पुनरुत्थान इसी वक्त हुआ था और उन्हें सबसे पहले मरियम मदीलिनी नामक महिला ने देखा था तथा अन्य महिलाओं को इस बारे में बताया था।

नौकरी के साथ 'साइड बिजनेस' करने से पहले करें ये तैयारी

दुनिया में बहुत से ऐसे लोग हैं, जो अपनी नौकरी के साथ-साथ कुछ और काम करते हैं। कुछ लोग इसे फ्रीलांसिंग कहते हैं, कुछ लोग साइड बिजनेस. अब ये जो भी है, उसका चलन तेजी से बढ़ रहा है। नौकरी के साथ कुछ और करने की कोशिश करने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। अपने आस-पास ऐसे लोगों को देखकर आपका भी दिल करता होगा, कुछ और काम शुरू करने का. अगर आप ऐसा सोच रहे हैं, तो हम आपको इस बारे में कुछ मशविरे दे सकते हैं। पहली बात तो ये कि जो भी काम आप शुरू करना चाह रहे हैं उसकी अच्छी समझ होनी चाहिए। मगर उससे भी पहले जरूरी ये है कि आपके अंदर वो काम करने की भरपूर ललक होनी चाहिए। दूसरी बात ये कि आपको एक साथ कई काम करना आना चाहिए। आपका मल्टीटास्किंग होना जरूरी है, वरना नौकरी के साथ कोई धंधा करने का इरादा आपके करियर को भी चौपट कर सकता है। तीसरी और सबसे अहम बात है कि आपके पास इस नए काम के लिए वक़्त होना चाहिए. वरना सिर्फ.इरादों से काम नहीं चलने वाला। नौकरी के साथ नया काम शुरू करने से पहले खुद से सवाल कीजिए कि आप ये काम क्यों शुरू करना चाहते हैं? क्या आप ये काम पैसों के लिए करना चाहते हैं? या फिर आपके अंदर ये नया काम करने का जोश और ललक है. क्या आप इस काम को शुरू करके आगे चलकर पूरी तरह कारोबारी बनना चाहते हैं? नौकरी छोड़ने की तैयारी कर रहे हैं? इन सवालों के सही जवाब मिल जाएं तो आपको नया काम शुरू करने में आसानी होगी। जो भी काम आप शुरू करना चाहते हैं उसमें वक़्त लगना तय है। जैसे कि आप नई वेबसाइट शुरू करना चाहते हैं तो रजिस्ट्रेशन से लेकर डिजाइनिंग और लॉन्च तक ढेर सारे काम होते हैं. बेहतर होगा नुकसान उठाने से पहले आप बीमा करा लें। इसी तरह दूसरे कामों में भी वक़्त और पैसे लगेंगे। तो अपनी प्लानिंग में इन सब बातों का ख़्याल रखें। बाजार में उतारने के लिए कोई नया उत्पाद बनाना है तो उसकी मांग, उसके बाजार, उसमें नई खूबियों की जरूरत के बारे में खूब सोच विचार कर लें। फिर उसकी सही क़ीमत के बारे में भी फैसला लेना जरूरी है। उस उत्पाद की मार्केटिंग कैसे करेंगे, ये देख लेना सबसे जरूरी है क्योंकि प्रोडक्ट बनाना आसान है. उसे बेचने के लिए खरीदार तलाशना सबसे मुश्किल काम है। अगर आपके उत्पाद के लिए बाजार नहीं है, तो उसे बनाना बेकार होगा। जब खरीदार नहीं होंगे, तो, आपका वक़्त, आपकी मेहनत और आपके पैसे, सब बेकार जाएंगे। नए प्रोडक्ट पर आप प्री-सेल या प्री-ऑर्डर के ऑफर से अपने उत्पाद के लिए संभावनाएं तलाश सकते हैं।

भगवान की चमकती आंखें

जानें क्या राज छुपा है इनमें

भारतीय सभ्यता और परंपरा को जितना जाना जाए उतनी ही नई चीजें सामने आती हैं। कई बार तो इन्हें सुनकर, देखकर या पढ़कर हैरानी होती है। लेकिन यह उतने ही सच होते हैं। इसलिए महज इसे आश्चर्य या फिर आस्था का विषय ही माना जा सकता है। यूं तो ऐसे अचरजों का खजाना है भारत देश। लेकिन हम यहां बात कर रहे हैं राजस्थान के माउंट आबू स्थित मंदिरों के समूह की। जहां पर आपको देवता की चमकती आंखें देखकर हैरानी होगी। यही नहीं मंदिर में स्थापित देवता की पंचधातु प्रतिमा भी एक-दो नहीं बल्कि 4 हजार किलो की है। आइए जानते हैं कौन से हैं ये मंदिर और क्या-क्या है इनमें खास

पांच मंदिरों का है यह अद्भुत मंदिर

राजस्थान के माउंट आबू में स्थित पांच मंदिरों का समूह दिलवाड़ा मंदिर बेहद अद्भुत है। 11वीं और 13वीं शताब्दी के दौरान बनवाया गया यह मंदिर जैन धर्म के तीर्थंकरों को समर्पित है। दिलवाड़ा के मंदिर और मूर्तियों को देखकर किसी की भी नजरें बस टिकी की टिकी रह सकती हैं। यहां संगमरमर पर की गई नक्काशी किसी जादुगरी से कम नहीं लगती।खुले आंगन में है श्रृंखला का यह पहला मंदिरदलिवाड़ा मंदिर की श्रृंखला का सबसे पहला मंदिर है विमलावसाहि मंदिर। इसके निर्माण के बारे में जानकारी मिलती है कि इसे गुजरात के चालुक्य राजा भीम प्रथम के मंत्री विमल साह ने बनवाया था। इसलिए मंदिर का नाम भी उन्हीं के नाम पर पड़ा। बता दें कि 1031 ई में बना यह मंदिर जैन संत आदिनाथ को समर्पित है। बता दें कि आदिनाथ की प्रतिमा की आंखें असली हीरे से बनाई गई हैं। इसके अलावा बहुमूल्य रत्नों से इनका श्रृंगार किया गया है। यह मंदिर चारों ओर से घिरि हुए गलियारों के बीच खुले आंगन में स्थित है। इसी स्थान पर तीर्थंकरों की मूर्तियों को स्थापित किया गया है।

360 छोटे-छोटे तीर्थंकरों की मूर्तियों के लिए प्रसिद्ध

दिलवाड़ा मंदिर की श्रृंखला का दूसरा मंदिर लूना वसाही है। भगवान नेमीनाथ को समर्पित इस मंदिर 360 छोटे-छोटे तीर्थंकरों की भी प्रतिमाएं हैं। यह इस मंदिर की खासियत भी है। इसके अलावा मंदिर का रंग मंडप यानी कि मुख्य हॉल और मंदिर की हाथीशाला में संगमरमर से बनें हाथी की सुंदरता देखते ही बनती है। यूं लगते हैं जैसे सब वास्तविक ही हों। बता दें कि इसका निर्माण 1203 में पोरवाड़ भाइयों तेजपाल और वस्तुपाल ने किया था। मंदिर में स्थापित तीर्थंकर नेमीनाथ की मूर्ति काले संगमरमर से निर्मित है। इसके अलावा मंदिर में एक काला कीर्ती स्तंभ भी है।

इसमें स्थापित है 4 हजार किलो की पंचधातु प्रतिमा

दिलवाड़ा मंदिर श्रृंखला का तीसरा मंदिर पीतलहर बेहद अद्भुत है। यह भगवान ऋषभदेव को समर्पित है। जानकारों के अनुसार, मंदिर में स्थापित ऋषभदेव की प्रतिमा में 4 हजार किलो की पंचधातु और सैकड़ों किलो सोने का प्रयोग किया गया है। इस मंदिर का निर्माण राजस्थान के भामाशाह ने करवाया था। कहा यह भी जाता है कि इस मंदिर के निर्माण में मजदूरों ने भी आर्थिक मदद की थी।

मंदिर श्रृंखला में सबसे ऊंचा है यह मंदिर

दिलवाड़ा मंदिर की श्रृंखला में चौथे स्थान पर बना श्री पार्श्वनाथ मंदिर सारे मंदिरों में सबसे ऊंचा है। इसका निर्माण 1458-59 में हुआ था। भगवान पार्श्वनाथ को समर्पित यह मंदिर तीन मंजिला बना हुआ है। इसकी बाहरी दीवारों पर बनाई गई सुंदर शिल्पाकृतियां और अन्य सजावटी शिल्पाकंन को देखकर आपको भी बरबस ही खजुराहो और कोणार्क के मंदिर याद आ जाएंगे। यह आकृतियां ग्रे बलुआ पत्थरों से उकेरी गई हैं।

अंतिम मंदिर समर्पित है भगवान महावीर को

दिलवाड़ा मंदिर की श्रृंखला का अंतिम मंदिर महावीर स्वामी मंदिर भगवान महावीर को समर्पित है। इसका निर्माण 1582 में हुआ था। यूं तो यह मंदिर अन्य मंदिरों की अपेक्षा छोटा है। लेकिन इसकी दीवारों पर की गई नक्काशी नायाब है। बताया जाता है मंदिर की ऊपरी दीवारों पर की गई खूबसूरत कलाकारी 1764 में श्रीरोही के कलाकारों ने की थी। मान्यता यह भी है कि मंदिर में संगमरमर का काम करने वाले कारीगरों को संगमरमर से एकत्रित धूल के अनुसार सोने का भुगतान किया जाता था। यही वजह थी कि वह और भी मन लगाकर बेहतरीन नक्काशी करते थे। बता दें कि दिलवाड़ा के ये मंदिर श्रद्धालुओं और पर्यटकों के दिलों में बसते हैं। कहा जाता है कि एक बार जिसने भी इन मंदिरों के दर्शन किए वह बस यहीं का होकर रह गया।

घर में से तुरंत हटा दें ये वस्तुएं

वर्ना कभी सुखी नहीं रहेंगे

घर में ऐसी कई वस्तुएं होती हैं जो कि नकारात्मकता तो फैलाती ही है साथ ही हमारा दिमाग भी बदल देती है जिसके चलते अच्छे भले दिन बुरे दिन में बदल जाते हैं। आओ भारतीय वास्तुशास्त्र अनुसार जानते हैं ऐसी ही 10 नकारात्मक वस्तुओं के बारे में संक्षिप्त में।

टूटी-फूटी वस्तुएं : टूटे-फूटे बर्तन, दर्पण, इलेक्ट्रॉनिक सामान, तस्वीर, फर्नीचर, सोफा, कुर्सी और टेबल, पलंग, घड़ी, दीपक, झाड़ू, मग, कप आदि कोई सा भी सामान घर में नहीं रखना चाहिए।

नकारात्मक तस्वीरें, मूर्ति, चित्र : महाभारत युद्ध का चित्र, ताजमहल का चित्र, डूबती हुई नाव या जहाज, फव्वारे, जंगली जानवरों के चित्र, नटराज की मूर्ति और कांटेदार पौधों के चित्र घर में नहीं रखना चाहिए। देवी-देवताओं की फटी हुईं और पुरानी तस्वीरें अथवा खंडित हुईं मूर्तियों से भी आर्थिक हानि होती है अत: उन्हें किसी पवित्र नदी में प्रवाहित कर देना चाहिए।

पुराने या फटे कपड़े की पोटली : अक्सर लोग घरों की अलमारी या दीवान में फटे-पुराने कपड़ों की एक पोटली रखते हैं। हालांकि कुछ लोग जो कपड़े अनुपयोगी हो गए हैं उनको कबर्ड या अलमारी के निचले हिस्से में रख छोड़ते हैं। यह नहीं रखना चाहिए।

कबाड़ : अक्सर देखा गया है कि लोग घर में अटाला या कबाड़ जमा कर रखते हैं। इसके लिए एक कबाड़खाना अलग से होना चाहिए। पुराने या टूटे हुए जूते-चप्पल आपको आगे बढ़ने से रोक देते हैं। इन्हें भी घर से निकाल दें।

पर्स या तिजोरी : पर्स फटा न हो और तिजोरी टूटी हुई न हो। पर्स या तिजोरी में धार्मिक और पवित्र वस्तुएं रखें जिनसे सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और जिन्हें देखकर मन प्रसन्न होता है।

टूटी या खुली अलमारी : किताबें रखने या कुछ छोटा-मोटा सामान रखने वाली अलमारियों को बंद करने का दरवाजा नहीं है या उनमें कांच नहीं लगा है तो वह खुली मानी जाएगी। माना जाता है कि ऐसी अलमारी के होने से हर तरह के कार्यों में रुकावट आती है और धन भी पानी की तरह बह जाता है। टूटे फूटे फर्नीचर को बदल दें या उन्हें ठीक करवा लें।

सजावटी वस्तुएं या कलाकृतियां : कुछ लोग घर को कलात्मक लुक देने के लिए नकली या कांटेदार पौधे लगा लेते हैं। कई लोग पुरानी या फालतू चीजों से भी अपना घर सजाते हैं, जो कि गलत है। ऐसी वस्तुएं घर में नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देती हैं।

प्लास्टिक का सामान : आजकल प्लास्टिक का प्रचलन बढ़ गया है। आटे का डब्बा, रोटी का डब्बा, चम्मच, चाय का डब्बा, पानी की बोतल, मसाले आदि के छोटे-छोटे डब्बे आदि कई सामान प्लास्टिक के आने लगे हैं। प्लास्टिक की थेलियां भी बहुत से घरों में इकट्ठी करके रखी जाती है। घर में यदि प्लास्टिक है तो यह उर्जा का कुचालक होता है। आपके घर का वातावरण बदल जाएगा और इससे आपके भीतर का उत्साह समाप्त होकर निराशा में बदल जाएगा। यह संकट को आमंत्रित करने का अच्छा साधन है। वैज्ञानिक कहते हैं कि प्लास्टिक कैंसर का भी कारण बन सकता है।

हानिकारक वस्तुएं : इसके अलावा घर में ऐसी कई हानिकारक वस्तुएं होती है जिसके घर में रखें होने से घर का वातावरण विशैला बन जाता है। यह स्थूल रूप से दिखाई नहीं देता लेकिन हवा का गुण धर्म इससे बदल जाता है। ऐसे कई वस्तुएं हैं जो हमारे आसपास रहती है जैसे यहां-वहां घर में बिखरी ढेर सारी दवाइयां, एसिड की बोतल, टाइलेट क्लिनर शोप, फिनॉयल, जहरीले रसायन, कीटनाशक, मच्छर मारने की दवा, एंटीबॉयोटिक दवा, अधिक बल्ब, एयर फ्रेशनर, अग्निशामक, नॉन स्टिक पॉट आदि। सभी तरह की हानिकारक वस्तुओं के लिए एक स्थान नियुक्त होना चाहिए और वह भी ऐसा जहां वे सुरक्षित रखी हों। ऐसी वस्तुओं के लिए अलग से लकड़ी या लोहे का एक बॉक्स बनवाएं और उसमें रखें जो किचन और बेडरूम से दूर हो।

पत्थर, नग या नगिना : कई लोग अपने घर में अनावश्यक पत्थर, नग, अंगुठी, ताबिज या अन्य इसी तरह के सामान घर में कहीं रख छोड़ते हैं। यह मालूम नहीं रहता है कि कौन-सा नग फायदा पहुंचा रहा है और कौन-सा नग नुकसान पहुंचा रहा है। इसलिए इस तरह के सामान को घर से बाहर निकाल दें। एक छोटा सा पत्थर भी आपके भाग्य को दुर्भाग्य में बदलने की क्षमता रखा है। यदि यह घर में रखा है तो इसकी उर्जा धीरे धीरे आपके घर के वातावरण को बदल कर रख देगी।

इस तरह मनुष्य को उसके मूल धर्म की ओर लाती है प्रकृति

हिंदू धर्मग्रंथों में माया के त्याग की बात बार-बार कही जाती है। माया कृत्रिम वस्तुओं, सुविधाओं और विचारों से उपजती है। माया से आशय जगत विलासिता में डूबे रहने से है। मोह, ममता, काम और क्रोध भी जग विलासिताओं से उपजते हैं। ये मनुष्य की आत्मा के लिए अनुपयोगी भी हैं, परंतु इसके बावजूद इनसे एक बार तो लगन लगानी ही पड़ती है क्योंकि इनसे जुड़ने से ही तो मनुष्य को जीवन के उत्थान एवं पतन का ज्ञान होता है। लेकिन ये आसक्तियां माया नहीं बननी चाहिए।भगवान के समय से धर्म की आग झेल रहा है भारत, केवल यही है बचने का रास्तमाया की सीमा में प्रवेश करते ही ये भ्रमजनित विकार बनने लगती हैं। आदिकाल से मनुष्य जीवन ऐसी ही आसक्तियों के चारों तरफ घूमते रहने से अनेक विकारों में परिवर्तित होता रहा है। मोह, काम और क्रोध ने मनुष्यों को अपने सकारात्मक विचारों से अलग रहने को प्रवृत्त किया। इनके कारण अभिभावकों के मतों से असहमति उपजी, समाज के नियमों के प्रति विरोध पैदा हुआ और राष्ट्र के चिरंतन तत्वों के प्रति शंका उभरी। इस प्रकार परिवार, समाज और राष्ट्र की शक्तिशाली धारणा का प्रमुख स्तंभ सनातन हिंदू धर्म मतभेदों से घिर गया।अहं की तुष्टि के लिए मनुष्य जीवन के सर्वाधिक पवित्र आधार सनातन धर्म की त्रुटियां गिनाई जाने लगीं। सहस्राब्दियों से मूल धर्म के प्रति अनेक मतभेद उभरे हैं। मूल धर्म को धराशायी करने के लिए इसी धर्म के लोग अनेकानेक उप-धर्म बनाते चले गए। चूंकि धर्म जीवन का प्रमुख आधार था, इसलिए इसके मूल स्वरूप पर आक्षेप करने से मनुष्य जीवन विसंगतियों, भ्रष्टाचार, अराजकता, परस्पर जीवन-संघर्ष, द्वेष, ईर्ष्या, कलुष और सामुदायिक युद्धोन्माद से ग्रसित हो उठा। परिणामस्वरूप अनेक धर्म बन गए। एक धर्म का व्यक्ति दूसरे धर्म के व्यक्ति के प्रति सज्जन, प्रेमिल और सत्यनिष्ठ नहीं रह सका। यह अपने संप्रदाय को धर्म मानने की प्रवृत्ति का परिणाम था। यही प्रवृत्ति मजबूत होती गई। सदियां बीतती गईं लेकिन मनुष्य इस प्रवृत्ति सा पीछा नहीं छुड़ा पाया। अब भी इसका दुष्प्रभाव व्याप्त है। चाहकर भी एक मनुष्य दूसरे के प्रति सहृदयी नहीं हो पा रहा। धीरे-धीरे धार्मिक भेदों ने अनेक ऐसी प्रवृत्तियां उत्पन्न की जिनसे लोग अपने ही धर्म, परिवार, समुदाय, समाज और राष्ट्र के लिए आत्मिक-व्यक्तिगत-रहस्यवादी मतभेदों से ग्रस्त होते चले गए। आज मानव के हृदय का कलुष इतना बढ़ चुका है कि वह दूसरे व्यक्ति का तो छोड़ ही दीजिए, स्वयं के मुख के कलुषजनित हावभाव भी नहीं देख पाता है। इस परिस्थिति में अनुभव होता है कि केवल प्रकृति ही मनुष्य को उसके मूल मानव स्वरूप में ला सकती है।रावण से युद्ध के दौरान थके श्रीराम ने किया था इस मंत्र का जप, मिलती है सफलताप्रकृति के बीच एकांत में मनुष्य जब भी आकाश, चंद्रमा, सूर्योदय, सूर्यास्त, पहाड़, पठार, हरियाली, पक्षी, फूल, जुगनू, नदी, समुद्र इत्यादि पर ध्यान लगाता है तो उसके हृदय में एकत्र कलुष मिटने लगता है। वह परिवार, समाज, राष्ट्र और विश्व के बीच होते-रहते हुए चाहे किसी मत का समर्थन करे या इस मत के लिए उसे चाहे कितना ही भावनात्मक कष्ट झेलना पड़े, प्रकृति व इसके तत्वों की तरफ आकृष्ट होते ही उसके भीतर से मतभेद मिटना शुरू हो जाता है।

ज्योतिष के लिहाज से यह माह है बेहद खास

पंडित चंद्र प्रकाश अग्निहोत्री
ज्योतिष विशारद कानपुर

अप्रैल माह में कई ग्रह गोचर करने वाले हैं, इसलिए ज्योतिष के लिहाज से ये माह बेहद खास रहने वाला है। इस महीने लगभग सभी 9 ग्रह राशि परिवर्तन करेंगे और इसका सीधा प्रभाव व्यक्ति के जीवन पर देखने को मिलेगा। ग्रहों के राशि परिवर्तन से व्यक्ति के जीवन पर शुभ-अशुभ प्रभाव देखने को मिलता है। देव गुरु बृहस्पति का राशि परिवर्तन आज शाम को 03बजकर 48 मिनट पर हो गया है। 12 साल बाद गुरु ग्रह का अपनी ही राशि मीन में प्रवेश हो गया। इस समय गुरु कुंभ राशि में गोचर कर रहे हैं। आज मीन राशि में गोचर करने के साथ ही 29 जुलाई को गुरु मीन राशि में ही वक्री होंगे। तब उनकी उल्टी चाल प्रारंभ होगी। फिर 24 नवंबर को गुरु इसी राशि में मार्गी होंगे।

मेष राशि

बृहस्पति आपके बारहवें भाव में गोचर करेगा। इस दौरान आप कुछ आरामदायक और सुकून भरी यात्रा कर सकते हैं। आपका अध्यात्म की तरफ झुकाव रह सकता है और साथ ही आप इस दौरान किसी धार्मिक आयोजन या धार्मिक स्थलों की यात्रा में शामिल हो सकते हैं। साथ ही आप इस अवधि में दान-पुण्य और समाज की भलाई में खर्च कर सकते हैं। घर को खरीदने का योग भी है।

वृषभ राशि

बृहस्पति आपके ग्यारहवें भाव में गोचर करेगा। आपके आय स्थान में गुरु के होने की वजह से आय के स्त्रोत मैं वृद्धि, जातकों को लाभ मिल सकता है। इस दौरान आपको किस्मत से कोई बड़ी राशि मिल सकती है। इस अवधि में आप किसी छिपे हुए सोत से भी धन कमा सकते है। अपने नए दोस्तों से सावधान रहें, क्योंकि वे आपका फायदा उठ सकते हैं। बड़े भाई-बहनों से संबंधों में सुधार हो सकता है और आप उनसे भी आर्थिक मामले में मदद हासिल कर सकते हैं। । पेट ,व घुटने का रोग हो सकता है ध्यान दे।

मिथुन राशि

बृहस्पति आपके दसवें भाव यानी कर्म भाव में गोचर करेगा। इस दौरान आपको रोजगार संबंधी शुभ फल मिलेंगे। कानून, चिकित्सा और खाद्य से जुड़े कारोबार में शामिल लोगों के लिए यह अवधि विशेष अनुकूल रह सकती है। इस दौरान आप समाज के कुछ सम्माननीय और प्रभावशाली लोगों से संबंध स्थापित कर सकते हैं, जो आपके करियर के लिए लाभकारी साबित होगा। नया व्यवसाय शुरू करने या व्यवसाय के विस्तार में निवेश करने के लिए भी ये अनुकूल समय है, सामाजिक राजनीतिक प्रभाव बढ़ेगा।

कर्क राशि

बृहस्पति आपके नौवें भाव यानी भाग्य स्थान में गोचर करनेवाला है। यह अवधि उन जातकों के लिए अनुकूल रह सकती है, जो रियल एस्टेट से लाभ, कोई पुराना अधूरा कार्य पूरा होगा,घर खरीदने या घर की मरम्मत करवाने का ये अनुकूल समय है। लेकिन इस अवधि आज के बाद आपका भाग्य आपका साथ देने वाला है, ऐसे में यदि आप कोई नया निवेश या व्यापार शुरू करने की सोच रहे हैं, तो यह अवधि अनुकूल रहने की संभावना है नौकरी लग सकती है, नौकरी मे प्रमोशन के लाभ , राजनीतिक लोगो को पद प्राप्ति।

सिंह राशि

गुरु आपके आठवें भाव में गोचर करने वाले हैं। इस अवधि में आपकी आर्थिक स्थिति में संतोषजनक सुधार देखने को मिल सकते हैं। साथ ही कुछ अज्ञात स्त्रोत से भी धन प्राप्त हो सकता है। इस अवधि में आपका अध्यात्म के प्रति झुकाव रहेगा और गुरु की तलाश कर सकते हैं। वैवाहिक जीवन मे टकराहट, अपने रिश्ते पर भरोसा रखें और समस्याओं को शांतिपूर्वक सुलझाएं। अन्यथा आपका रिश्ता टूट भी सकता है। इस अवधि में आपको स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। रिसर्च, इंजीनियरिंग आदि से जुड़ी पढ़ाई करने वालों के लिए यह समय अनुकूल रह सकता है।

कन्या राशि

अप्रैल महीने में बृहस्पति आपके सातवें भाव में गोचर करेगा। इस दौरान आप परिवार के साथ आरामदायक यात्राओं की योजना बना सकते हैं। अविवाहित जातकों के विवाह तय होने की प्रबल संभावना है। इस दौरान अपने खान पान का विशेष ध्यान रखें, क्योंकि गुरु के प्रभाव से आपका वजन बढ़ सकता है। इस अवधि में अपने जीवनसाथी से आपके संबंध मजबूत हो सकते हैं।

तुला राशि

राशि से छठे शत्रु भाव में गोचर करते हुए बृहस्पति का प्रभाव कई तरह के उतार-चढ़ाव का सामना करवाएंगे। कार्य व्यापार की दृष्टि से तो बेहतर रहेगा किंतु गुप्त शत्रुओं की अधिकता रहेगी। आपके अपने ही लोग नीचा दिखाने की कोशिश करेंगे यद्यपि वह सफल नहीं रहेंगे फिर भी आप सावधान रहें। स्वास्थ्य के प्रति चिंतनशील रहें। निनहाल पक्ष से सुखद समाचार के योग। यात्रा देशाटन का लाभ मिलेगा। विदेशी कंपनियों में सर्विस अथवा नागरिकता के लिए किया गया प्रयास भी सफल रहेगा।

वृश्चिक राशि

राशि से पंचम विद्या भाव में गोचर करते हुए बृहस्पति का प्रभाव आपके लिए किसी वरदान से कम नहीं है कोई भी बड़े से बड़ा कार्य आरंभ करना हो अथवा किसी अनुबंध पर हस्ताक्षर करना हो, नौकरी में परिवर्तन करना हो तो भी हर तरह से सफलता ही मिलेगी। विद्यार्थियों एवं प्रतियोगिता में बैठने वाले छात्रों के लिए भी समय बेहद अनुकूल रहेगा। संतान संबंधी चिंता में कमी आएगी। नव दंपत्ति के लिए संतान प्राप्ति एवं प्रादुर्भाव के भी योग। सम्मान वृद्धि होगी,सामाजिक कद बढ़ेगा।

धनु राशि

राशि से चतुर्थ सुख भाव में गोचर करते हुए गुरु कार्यक्षेत्र में कई तरह के अप्रत्याशित परिणामों का सामना करवाएंगे। मित्रों तथा संबंधियों से सुखद समाचार की प्राप्ति होगी। जमीन जायदाद से जुड़े मामले हल होंगे। मकान-वाहन का भी क्रय करना चाह रहे हों तो उस दृष्टि से भी ग्रह फल अनुकूल रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में पूर्ण सफल रहेंगे। यद्यपि सफलताओं का सिलसिला तो अनवरत चलता रहेगा किन्तु, किसी न किसी कारण से पारिवारिक कलह एवं मानसिक अशांति का सामना करेंगे।

मकर राशि

राशि से तृतीय पराक्रम भाव में गोचर करते हुए बृहस्पति आपमें अदम्य साहस और ऊर्जाशक्ति का भंडार भर देंगे। परिवार में छोटे भाइयों से सहयोग मिलेगा। आपके द्वारा लिए गए निर्णय और किए गए कार्यों की सराहना होगी। सामाजिक पद प्रतिष्ठा भी बढ़ेगी। स्वास्थ्य के प्रति चिंतनशील रहें। अपनी जुझारू प्रवृत्ति के बल पर विषम परिस्थितियों पर भी आसानी से नियंत्रण पा लेंगे। यात्रा देशाटन का लाभ मिलेगा। धर्म और अध्यात्म में रूचि बढ़ेगी। संतान संबंधी चिंता भी दूर होगी।

कुंभ राशि

राशि से द्वितीय धन भाव में गोचर करते हुए बृहस्पति काफी दिनों से चले आ रहे आपके प्रतीक्षित संकल्प को पूर्ण करने में सहायक सिद्ध होंगे। विलासितापूर्ण तथा स्वर्ण-आभूषण जैसी वस्तुओं के खरीदने पर अधिक धन खर्च होगा। अपनी वाणी कुशलता के बलपर किसी भी परिस्थिति को आसानी से नियंत्रित कर लेंगे। परिवार में नए मेहमान के आगमन से माहौल खुशनुमा रहेगा। अचल संपत्ति प्राप्ति के योग। किसी भी तरह के विवादित मामले आपस में ही सुलझा लेना समझदारी रहेगी।

मीन राशि

अपनी ही राशि में गोचर करते हुए बृहस्पति का बहुत ही शुभ फल प्राप्त होगा इसलिए यह वर्ष आपके लिए पूर्णरूप से वरदान है।अपनी कार्यकुशलता और ऊर्जाशक्ति का सदुपयोग करते हुए बड़े से बड़ा संकल्प लेने से पीछे न हटें। नया कार्य भी आरंभ करना हो तो निर्णय लेने में विलंब न करें सफलता आपकी प्रतीक्षा में है। सामाजिक प्रतिष्ठ बढ़ेगी। चुनाव संबंधी निर्णय लेना हो तो उसमें भी पूर्ण सफल रहेंगे। प्रेम संबंधी मामलों में प्रगाढ़ता आएगी। संतान संबंधी चिंता भी दूर होगी। संतान प्राप्ति के भी योग।

नासा ने की कोमेट न्यूक्लियस की पुष्टि

लास एंजेलिस (आईएएनएस)। नासा के हबल स्पेस टेलीस्कोप ने खगोलविदों द्वारा देखे गए अब तक के सबसे बड़े कोमेट न्यूक्लियस की पुष्टि की है। एजेंसी ने इसकी जानकारी दी है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, नासा ने मंगलवार को कहा कि सबसे बड़े बर्फीले कोमेट के न्यूक्लियस का अनुमानित व्यास लगभग 80 मील (128 किमी) है, जो इसे रोड आइलैंड राज्य से बड़ा बनाता है। अधिकांश ज्ञात कोमेट्स के केंद्र में पाए जाने वाले न्यूक्लियस से लगभग 50 गुना बड़ा होता है। नासा ने कहा कि इसका मेस 500 ट्रिलियन टन होने का अनुमान है, जो सूर्य के बहुत करीब पाए जाने वाले एक विशिष्ट कोमेट के मेस से सौ हजार गुना अधिक है। नासा के अनुसार, कोमेट सौर मंडल के किनारे से 22,000 मील प्रति घंटे (35,200 किमी प्रति घंटे) की गति से बैरल कर रहा है, लेकिन यह सूर्य से 1 बिलियन मील से अधिक दूर कभी नहीं मिलेगा।

■ सबसे बड़े बर्फीले कोमेट के न्यूक्लियस का अनुमानित व्यास लगभग 80 मील (128 किमी) है, जो इसे रोड आइलैंड राज्य से बड़ा बनाता है।

नीतू कपूर ने शेयर की सगाई की फोटो

मुंबई (वार्ता)। बालीवुड अभिनेत्री नीतू कपूर ने ऋषि कपूर के साथ अपनी सगाई की फोटो सोशल मीडिया पर शेयर की है। नीतू ने अपना सगाई की एक ब्लैक एंड व्हाइट फोटो शेयर करते हुए लिखा, वैसाखी के दिन की यादे, हमने 43 साल पहले 13 अप्रैल 1979 को सगाई की थी। फोटो में ऋषि कपूर सूट, गले में माला और गोद में मिठाई के साथ कपड़े का एक टुकड़ा रखे हुए दिख रहे हैं। वह नीतू की उंगली में अंगूठी पहनाते हुए दिखाई दे रहे हैं और नीतू का चेहरा उनके बालों से छुपा हुआ है। उनके पीछे फैमिली के कुछ लोग भी बैठे नजर आ रहे हैं।

कंगना रनौत की फिल्म 'धाकड़' का टीजर रिलीज

मुंबई (वार्ता)। बालीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत की आने वाली फिल्म 'धाकड़' का टीजर रिलीज कर दिया गया है। कंगना रनौत की आने वाली फिल्म 'धाकड़' का टीजर रिलीज कर दिया गया है। कंगना ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर कर फैंस को इस बात की जानकारी दी है। कंगना ने इसके कैप्शन में लिखा है, एक्शन। स्टाइल। थ्रिल। आल इन वन एजेंट अग्नि इज हेयर। कंगना फिल्म धाकड़ में एक नए अवतार में दिखेंगी। एजेंट अग्नि के रूप में, कंगना ने अपने सात अलग-अलग लुक और कई काम्बेट सीन्स से लोगों को सरप्राइज कर दिया है। यह फिल्म 20 मई 2022 को रिलीज होगी।

मुदस्सर अजीज की फिल्म में काम करेंगे अर्जुन कपूर!

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर निर्देशक मुदस्सर अजीज की फिल्म में काम करते नजर आ सकते हैं। अर्जुन कपूर अंतिम बार फिल्म भूत पुलिस में नजर आये थे। बॉलीवुड में चर्चा है कि अर्जुन कपूर निर्देशक मुदस्सर अजीज के साथ काम करने जा रहे हैं। मुदस्सर अजीज काफी समय से अर्जुन कपूर को अपनी फिल्म में लेने के लिए बातचीत कर रहे थे। अर्जुन कपूर की इस फिल्म की शुरुआत इसी साल कर जाएगी। फिल्म को वाशु भगनानी और जैकी भगनानी प्रोड्यूस करेंगे। इसके अलावा अर्जुन कपूर 'द लेडी किलर' 'एक विलेन रिटर्न्स'और कोमाली और एफ 2 के रीमेक में दिखाई देंगे।

जेनेलिया डिसूजा ने पूरी की मिस्टर मम्मी की शूटिंग

मुंबई (वार्ता)। बालीवुड अभिनेत्री जेनेलिया डिसूजा ने अपनी आने वाली फिल्म मिस्टर मम्मी की शूटिंग पूरी कर ली है। भूषण कुमार की टी-सीरीज और हेक्टिक सिनेमा प्रा. लिमिटेड की फिल्म मिस्टर मम्मी में रितेश देशमुख और जेनेलिया डिसूजा की जोड़ी नजर आएगी। जेनेलिया डिसूजा ने अपने हिस्से की शूटिंग पूरी कर ली है। जेनेलिया ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपनी टीम को टैग कर एक प्यारी सी पोस्ट शेयर की जिसपर लिखा था, ए फन क्रू हमें पूरा विश्वास है कि इस कामेडी-ड्रामा फिल्म में निश्चित रूप से एक शानदार क्रू काम कर रही है, जिसकी स्टोरी लाइन सभी को गुदगुदाएगी। बताया जा रहा है कि फिल्म मिस्टर मम्मी की कहानी एक ऐसे जोड़े के इर्द गिर्द घूमती है, जिनकी विचारधारा जब बच्चे की बात आती है तो एक दूसरे से बिलकुल अलग हो जाती है, लेकिन नियति इन वाइल्डहुड स्वीटहार्ट के जीवन में कामेडी, ड्रामा, के साथ कुछ अलग ही ट्विस्ट लेकर आती है। टी-सीरीज फिल्म्स और हेक्टिक सिनेमा प्राइवेट लिमिटेड प्रोडक्शन की फिल्म मिस्टर मम्मी का निर्देशन शाद अली कर रहे हैं। इस फिल्म का निर्माण भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, शाद अली और शिव अनंत कर रहे हैं।

रणबीर-आलिया की शादी पर चर्चा तेज

मुंबई (भाषा)। बालीवुड में अभिनेता रणबीर कपूर और अभिनेत्री आलिया भट्ट की शादी को लेकर चर्चा तेज होती जा रही है। इस बीच, उनके करीबी दोस्त अयान मुखर्जी और करण जौहर ने बुधवार को अपने-अपने इंस्टाग्राम पोस्ट से तमाम अफवाहों पर विराम लगा दिया। अयान ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में आगामी फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' के एक रोमांटिक गाने

का टीजर जारी कर रणबीर और आलिया को जिंदगी के नये सफर के लिए शुभकामनाएं दी। वही करण जौहर ने भी गाने का टीजर पोस्ट कर दोनों को वैवाहिक जीवन के लिए शुभकामनाएं दी। रणबीर और आलिया के विवाह समारोह से जुड़ी जानकारियों का अब तक खुलासा नहीं हुआ है। लेकिन, सूत्रों के मुताबिक बुधवार से मेंहदी की रस्म शुरू होगी, जिसमें केवल परिवार और नजदीकी दोस्त ही शामिल होंगे।

विधि पंड्या ने शो में अपने किरदार को लेकर बात की

मुंबई (आईएएनएस)। टीवी अभिनेत्री विधि पंड्या शो 'मोसे छल के जाए' में चल रहे ट्रैक को संदर्भित करती हैं और यह समाज में एक महिला की स्वतंत्रता के मुद्दे को कैसे उठाता है, वह बताती हैं। शो में सौम्या की भूमिका निभाने वाली विधि कहती हैं कि अपने ही परिवार और पति से इतनी आलोचना मिलने के बाद सौम्या के किरदार को आखिरकार पेशेवर रूप से आगे बढ़ते हुए देखना काफी कायाकल्प करने वाली प्रक्रिया रही है। शो के नवीनतम ट्रैक में,

सौम्या प्रोडक्शन हाउस को अपनी अवधारणा प्रस्तुत करती है, जो उसे सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हैं और उनसे अक्सर उनके लिए लिखने का अनुरोध करते हैं। लेकिन जब वह इस खबर को अपने पति अरमान (विजयेंद्र कुमेरिया) से शेयर करती है तो वह अपनी नाराजगी जाहिर करता है। उनके अनुसार वह ऐसा करके उनकी पितृसत्तात्मक मान्यताओं के खिलाफ गई हैं। अभिनेत्री चल रहे एपिसोड और अपनी आन-स्क्रीन भूमिका से जुड़ने के तरीके के बारे में बात करती है। यह मुझे अपने स्वयं के संघर्ष के दिनों की याद दिलाता है, कि कैसे हर छोटी पेशेवर उपलब्धि भी एक बड़ी जीत की तरह महसूस होती है।

पिता अमिताभ से तुलना करना नहीं चाहते हैं अभिषेक

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड के जूनियर बी अभिषेक बच्चन अपने पिता अमिताभ बच्चन से अपनी तुलना करना नहीं चाहते हैं। अभिषेक बच्चन की फिल्म दसवीं हाल ही में ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई है। फिल्म दसवीं में अभिषेक बच्चन के अभिनय से प्रभावित होकर एक प्रशंसक ने सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए उनकी तारीफ की और उनकी तुलना उनके पिता अमिताभ बच्चन से कर दी। फैन ने ट्वीट किया और लिखा, दसवीं के बाद अब अमिताभ बच्चन को लोग कहेंगे कि ये अभिषेक बच्चन के पिता हैं। क्या फिल्म है, क्या एक्टिंग की है आपने अभिषेक बच्चन। अभिषेक बच्चन ने जवाब देते हुए फैन को थैंक्यू कहा, इसके साथ ही उन्होंने पापा अमिताभ को सम्मान देते और हुए एक मजेदार बात लिखी। उन्होंने ट्वीट किया, थैंक्यू तारीफ के लिए, लेकिन नहीं...बाप, बाप होता है और रिश्ते में वो हमारे...ये तो आप जानते ही हैं।

नेगेटिव किरदार मस्ती के साथ निभाती हूं: अनन्या

मुंबई (आईएएनएस)। अभिनेत्री अनन्या खरे टेलीविजन इंडस्ट्री का जाना-माना चेहरा हैं। अब वह नए शो 'गुड से मीठा इश्क' में दिखेंगी। जिस अभिनेत्री को अक्सर उनकी निगेटिव भूमिका के लिए सराहा जाता है, वह शो में एक मां की भूमिका निभाती नजर आएंगी। उन्होंने अब तक जो किया है, वह उससे अलग होने वाला है। वह हमेशा नेगेटिव शेड के किरदारों के लिए टाइपकास्ट रही हैं। अनन्या ने जवाब दिया, मुझे बिल्कुल भी नहीं लगता कि मुझे टाइपकास्ट किया जा रहा है। आज भी मैं बहुत मस्ती के साथ नेगेटिव किरदार निभाती हूं। सभी किरदार अपने आप में एक किरदार हैं। यह एक नई कहानी के साथ आता है, जो मेरे लिए किरदार और अभिनय में बहुत मायने रखता है। मैं अभी भी हास्य, गंभीर, सकारात्मक या किसी अन्य प्रकार की भूमिकाओं का स्वागत करती हूं और मैं आगे भी सभी प्रकार के पात्रों को करना पसंद करूंगी। उन्होंने आगे कहा, इस किरदार का विशेष बच्चा हमेशा मेरे करीब रहा है, जिसकी मानसिक प्रगति धीमी है। चूंकि मैंने अमेरिका में ऐसे बच्चों को लगभग 8 साल तक शिक्षक के रूप में पढ़ाया है। इस मायने में एक ऐसा विशेष बच्चा, परी की मां, कुछ एक जैसे को चित्रित करना अपने आप में बहुत अलग है और मैं इस किरदार को लेकर बहुत खुश हूं।

कमांडो : ए वन मैन आर्मी' नौ साल पूरे

मुंबई (वार्ता)। बालीवुड के माचो हीरो विद्युत जामवाल की फिल्म 'कमांडोः ए वन मैन आर्मी' के प्रदर्शन के नौ साल पूरे हो गए हैं। विद्युत जामवाल की फिल्म कमांडो :ए वन मैन आर्मी के प्रदर्शन के नौ साल पूरे हो गए हैं। इस अवसर पर विद्युत जामवाल ने खुशी जताते हुए फैंस का आभार व्यक्त किया है। विद्युत जामवाल ने कहा, मैं दर्शकों का बेहद आभारी हूं कि उन्होंने 'कमांडोः ए वन मैन आर्मी' को अपना प्यार दिया। एक हीरो वो है, जो लोगों को बेहतर होने के लिए प्रेरित करे और करण की भूमिका ने मुझे बहुत प्रभावित किया है। मेरे लिए इस फिल्म में मुख्य आकर्षण एक्शन सीक्वेंस और बेहतरीन स्टंट थे। गौरतलब है कि दिलीप घोष के निर्देशन में बनी 'कमांडोः ए वन मैन आर्मी' में विद्युत जामवाल मे करणवीर सिंह डोगरा का किरदार निभाया है, जो भारतीय सेना के 9 पैरा का एक कमांडो होता है। इस फिल्म में विद्युत जामवाल के साथ पूजा चोपड़ा, जयदीप अहलावत, अदा शर्मा और ईशा गुप्ता की भी अहम भूमिका है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मुश्ताक अहमद जरगर को 'नामित आतंकवादी' करार दिया

नई दिल्ली। भारत सरकार के केंद्रीय गृह मंत्रालय ने आतंकवादी संगठन अलउमर-मुजाहिदीन के संस्थापक और मुख्य कमांडर मुश्ताक अहमद जरगर को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 (यूएपीए) के तहत नामित आतंकवादी करार दिया है। मुश्ताक अहमद जरगर उन आतंकवादियों में से एक था, जिन्हें 1999 में इंडियन एयरलाइंस की फ्लाइट हाईजैक मामले में यात्रियों की सुरक्षित वापसी के लिए भारत सरकार को रिहा करना पड़ा था। कुछ दिन पहले ही केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मुंबई 26/11 बम ब्लास्ट के मास्टरमाइंड और लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक हाफिज सईद के बेटे तल्हा हाफिज सईद को नामित आतंकवादी घोषित किया था। उल्लेखनीय है कि 24 दिसंबर 1999 को नेपाल की राजधानी काठमांडू से दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाली इंडियन एयरलाइंस की फ्लाइट आईसी-814 को अपहरणकताओं ने कब्जे में ले लिया था, और इसकी लैंडिंग अफगानिस्तान के कंधार में कराई थी। उस वक्त भी अफगानिस्तान में तालिबानी शासन था। इस विमान की कंधार में लैंडिंग कराने

से पहले अपहरणकर्ता इसे लाहौर और फिर दुबई भी ले गए थे। एक हफ्ते से अधिक समय तक चले इस बंधक संकट में, यात्रियों की सुरक्षित वापसी के लिए उस वक्त की अटल बिहारी वाजपेयी सरकार को मसूद अजहर, अहमद ओमर सईद शेख, मुश्ताक अहमद जरगर जैसे आतंकवादियों को रिहा करने के लिए मजबूर होना पड़ा था। इस पूरे संकट के दौरान 1 यात्री की मौत हो गई थी, जबकि 170 यात्री सुरक्षित लौटे थे। एक रिपोर्ट में गृह मंत्रालय का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि जरगर जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए पाकिस्तान से अभियान चला रहा है। गृह मंत्रालय ने कहा कि हत्या, हत्या का प्रयास, अपहरण, आतंकवादी हमलों की योजना बनाने और उसे अंजाम देने और आतंकी फंडिंग सहित कई आतंकी अपराधों में भी उसकी प्रमुख भूमिका थी। इंडियन एयरलाइंस की फ्लाइट आईसी-814 की हाईजैकिंग में शामिल जहूर मिस्त्री उर्फ जाहिद अखुंद की पिछले महीने पाकिस्तान के कराची में हत्या हो गई थी। जहूर मिस्त्री उर्फ जाहिद अखुंद दिसंबर 1999 में कंधार विमान अपहरण के पांच अपहरणकताओं में से एक था। मिस्त्री कई सालों से फर्जी पहचान के साथ कराची में रह रहा था और यहां की अख्तर कॉलोनी में फर्नीचर का काम करता था।

दुनिया को फिर डराने लगा कोरोना चीन से लेकर कोरिया तक में हाहाकार

नई दिल्ली। कोरोना महामारी फिर एकबार दुनिया को डराने लगी है। दक्षिण कोरिया में इसके सबसे अधिक प्रकोप देखने को मिल रहा है। यहां बीते 24 घंटे में 1.48 लाख नए केस सामने आए हैं। वहीं, चीन की स्थिति भी पहले से काफी बिगड़ी है। कल यहां संक्रमण के 26 हजार से अधिक नए मामले सामने आए थे। हालांकि, भारत में फिलहाल स्थिति सामन्य है। यहां अभी सिर्फ 11 हजार के करीब ही एक्टिव मामले हैं। रोजोना पॉजिटिव मामले भी एक हाजर के आसपास ही टिके हैं। दक्षिण कोरिया में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 148,443 नये मामले दर्ज किये गये हैं और इसी के साथ कुल संक्रमितों की संख्या 15,979,061 हो गई है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी है।

नेहरू का हटा नाम पीएम मोदी ने किया नए प्रधानमंत्री संग्रहालय का उद्घाटन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में सभी प्रधानमंत्रियों के जीवन एवं योगदान पर आधारित प्रधानमंत्री संग्रहालय तीन मूर्ति भवन में नेहरू स्मारक एवं संग्रहालय पहुंचे जहां केन्द्रीय संस्कृति मंत्री जी किशन रेड्डी ने उनका स्वागत किया। उन्होंने ने बाद में संग्रहालय का भ्रमण किया और इसके बाद शिलापट्ट का अनावरण करके संग्रहालय का उद्घाटन किया। यहां उन्होंने पहला टिकट भी खरीदा। यह शुभारंभ संविधान निमार्ता बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की जयंती के अवसर पर किया गया है। इस मौके पर पूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री एम जे अकबर भी मौजूद थे। आजादी का अमृत महोत्सव के उत्सव के दौरान शुरू हुए इस संग्रहालय में स्वतंत्रता के पश्चात सभी प्रधानमंत्रियों के जीवन और योगदान के माध्यम से लिखी गई भारत की गाथा का वर्णन किया गया है। आपको बता दें कि पहले इसे

नेहरू मेमोरियल के नाम से जाना जाता था। इस संग्रहालय में दो ब्लॉक हैं। पहला ब्लॉक तत्कालीन तीन मूर्ति भवन और ब्लॉक 2 नया भवन । दोनों ब्लॉकों का कुल क्षेत्रफल 15 हजार 600 वर्ग मीटर से अधिक है। संग्रहालय के भवन का डिजाइन उभरते भारत की कहानी से प्रेरित है। डिजाइन में दीर्घकालिक और ऊर्जा संरक्षण से जुड़ी तकनीक को भी शामिल किया गया है। इसके निर्माण के दौरान न तो किसी वृक्ष को काटा गया है और न ही प्रतिरोपित किया गया है। इस संग्रहालय में दो ब्लॉक हैं। पहला ब्लॉक तत्कालीन तीन मूर्ति भवन और ब्लॉक 2 नया भवन। दोनों ब्लॉकों का कुल क्षेत्रफल 15 हजार 600 वर्ग मीटर से अधिक है। संग्रहालय के भवन का डिजाइन उभरते भारत की कहानी से प्रेरित है। डिजाइन में दीर्घकालिक और ऊर्जा संरक्षण से जुड़ी तकनीक को भी शामिल किया गया है। इसके निर्माण के दौरान न तो किसी वृक्ष को काटा गया है और न ही प्रतिरोपित किया गया है।

जेठ अखिलेश के ट्वीट पर बहू अपर्णा यादव का करारा जवाब कहा- भगवा धारण करने से नहीं आती अपराध की भावना

मथुरा। अपने परिवार की समाजवादी पार्टी को त्याग कर भाजपा का दामन थामने वाली मुलायम सिंह यादव की पुत्रवधु अपर्णा यादव बुधवार को कृष्ण नगरी वृंदावन पहुंची और जग प्रसिद्ध ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में मत्था टेका। इस दौरान अपर्णा यादव पूरी तरह से भक्ति भाव में सराबोर नजर आईं। उन्होंने ठाकुर बांकेबिहारी जी के दर्शन और पूजन कर आशीर्वाद लिया। वहीं मंदिर सेवायत ने उन्हें पूजा अर्चना कराई और इकलाई ओढ़ाकर प्रसादी भेंट की। दर्शनोपरांत पत्रकारों से मुखातिब हुईं अपर्णा यादव ने विधान परिषद के परिणाम के सवाल पर इसे जनता का बीजेपी पर विश्वास एवं सबका साथ सबका विश्वास के विजन की जीत बताया। वहीं सपा मुखिया अखिलेश यादव के ट्वीट कि भगवा वेश में अपराधी घूमते हैं के प्रश्न पर उन्होंने कहा कि भगवा हमारे देश और संस्कृति का एक अहम हिस्सा है। पूरा संत समाज भगवा में है। भगवा धारण करने से अपराध करने की भावना मन में आ ही नहीं सकती। साथ ही कहा कि सनातन संस्कृति परम्परा के बारे में इस प्रकार की टिप्पणी करना उचित नहीं है। महाराष्ट्र में राज ठाकरे द्वारा अजान के लिए लाउडस्पीकर पर बैन लगाने की मांग पर अपर्णा यादव ने कहा कि वह ऐसा क्यों कर रहे हैं इसकी उन्हें जानकारी नहीं है। लेकिन जो समझती हूं कि जिस तरह से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चैत्र नवरात्र में जगह जगह कार्यक्रम और जुलूस निकाले गए। प्रदेश में सौहार्द का माहौल रहा। शांतिपूर्ण ढंग से रमजान भी चल रहा है। यह यशस्वी मुख्यमंत्री के लिए उपलब्धि है। अब राज ठाकरे के मन में क्या है? वे अलगाव फैलाना चाह रहे हैं, या फिर कुछ और, इस पर वही टिप्पणी कर सकते हैं।

अमृतसर : स्वर्ण मंदिर में माथा टेक सीजेआई एनवी रमना, बोले- जीवन का सपना सच हुआ

चंडीगढ़। भारतीय न्याय व्यवस्था के प्रमुख रखवाले मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) एनवी रमना ने बैसाखी के पावन अवसर पर अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर में माथा टेका। मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना ने कहा कि बैसाखी के लिए मेरी शुभकामनाएं। मैं आज बहुत खुश हूं, मेरे परिवार के सदस्यों और मेरा जीवन भर का सपना सच हो गया और मैं स्वर्ण मंदिर पहुंचा। उन्होंने कहा कि मैं प्रबंधन समिति को धन्यवाद देता हूं। बैसाखी सिख नव वर्ष की शुरूआत का प्रतीक है और सिख नव वर्ष गुरु गोबिंद सिंह के तहत योद्धाओं के खालसा पंथ की स्थापना की याद दिलाता है। यह पंजाब और उत्तर भारत के अन्य हिस्सों में मनाया जाने वाला एक वसंत ऋतु का उत्सव है। इससे पहले दिन में, सीजेआई ने सीमा सुरक्षा बल संग्रहालय और अटारी-वाघा सीमा का दौरा किया था और उन्होंने बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी में भी शिरकत की। जलियांवाला बाग हत्याकांड की 103वीं बरसी पर बुधवार को भारत के

प्रधान न्यायाधीश शहीदों को श्रद्धांजलि देने जलियांवाला बाग स्मारक पहुंचे थे। सीजेआई अपने परिवार के साथ पंजाब के दौरे पर हैं। बुधवार को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने चीफ जस्टिस एनवी रमना का पवित्र नगरी पहुंचने पर स्वागत किया था। मुख्यमंत्री ने जस्टिस एनवी रमना को गुलदस्ता भेंट कर राज्य के पहले दौरे पर आने के लिए उनका स्वागत किया। भगवंत मान ने कहा कि भारत के चीफ जस्टिस और उनके परिवार के पंजाब दौरे के दौरान पंजाब के लोग विशेष रूप से समूची राज्य सरकार उनके स्वागत के लिए तत्पर है। इस मौके पर पंजाब के मुख्य सचिव अनिरुद्ध तिवारी, डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस वीके भावरा, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव ए वेणु प्रसाद, कमिश्नर जालंधर डिवीजन वीके मीना, डिप्टी कमिश्नर हरप्रीत सूदन, पुलिस कमिश्नर अरुणपाल सिंह, जिला और सेशन जज श्रीमती हरप्रीत कौर रंधावा और अन्य भी उपस्थित थे।

फिल्म "सलाम ए मोहब्बत" का टीजर हुआ लांच

प्रखर खानपुर गाजीपुर। एस एस एस एंटरटेनमेंट वर्ल्ड के बैनर तले बनी फिल्म सलाम के मोहब्बत का मुम्बई स्थित एक होटल में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान टीजर लांच किया गया। एक अद्भुत प्रेम कहानी पर बनी इस फिल्म का टीजर बहुत प्यारा है जिसे देखकर वहाँ मौजूद लोगों ने खूब सराहना की।फिल्म में स्टाइलिश स्टार राज सिंह राजपूत और नीतू मौर्या की केमेस्ट्री बहुत बेहतरीन है जो आज के युवा लोगो की प्रेम कहानी से जुड़ी हुई नजर आयेगी यानी प्रेम का पूरा अहसास करायेगी ये फिल्म। फिल्म का गीत संगीत बहुत ही शानदार है जिन्हें बहुत ही खूबसूरत लोकेशन पर बेहतरीन तरीके से शूट किया गया है। फिल्म के निर्देशन की बात करे तो फिल्म का निर्देशन बहुत कमाल का हुआ है और सबसे अहम बात है कि फिल्म के निमार्ता निर्देशक संतोष कृष्णा दाभोलकर मराठी फिल्म इंडस्ट्री से बिलोंग करते है ये फिल्म उनकी पहली भोजपुरी फिल्म है जिसका निर्देशन उन्होंने बहुत उम्दा तरीके से किया है। मुझे उम्मीद है भोजपुरिया दर्शको को ये फिल्म बेहद पसंद आयेगी।फिल्म का निर्माण एस एस एस एंटरटेनमेंट वर्ल्ड के बैनर तले हुए है जिसके लेखक निर्देशक संतोष कृष्णा दाभोलकर है और निमार्ता संतोष कृष्णा दाभोलकर,शशि सतीश स्वर्णकार और हर्षा शर्मा स्वर्णकार है। फिल्म को संगीत से सजाया है राजेश दुबे ने और छायांकन किया है चंद्रिका प्रसाद गुप्ता ने। फिल्म में मुख्य भूमिका में राज सिंह राजपूत, नीतू मौर्या, नीलम पाण्डेय,पूनम राय,उल्लास कड़वा व सुरेश गवाई आदि कई कलाकार नजर आयेंगे।

बाबा साहब की मूर्ति गायब होने पर ग्रामीणों ने किया हंगामा

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में अंबेडकर जयंती के दिन बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की मूर्ति गायब हो जाने से नाराज ग्रामीणों ने नेशनल हाइवे को जाम कर भारी हंगामा किया है। ग्रामीण कई घंटों से हाइवे जाम किए हैं, जिससे हाइवे में वाहनों की लंबी कतारें लग गई। हमीरपुर जिले के सुमेरपुर कस्बे में नेशनल हाइवे में लाठी, डंडे लिए बैठी महिलाओं और हंगामा करते युवकों की मांग है कि उनके द्वारा स्थापित की ?कि बाबा साहब की मूर्ति को वापस किया जाए। दरअसल, सुमेरपुर कस्बे में कुछ लोग दूसरे की जमीन पर जबरन बाबा साहब की मूर्ति रख कर जयंती मनाना चाहते थे। इस मामले में जमीन का मालिक मूर्ति नहीं रखने देना चाहता था, लेकिन लोगों ने बुधवार दिन में जबरन मूर्ति को रख दिया था, जिसे रात में गायब कर दिया गया है। मूर्ति गायब होने की जानकारी मिलते ही सैकड़ों की संख्या में महिला, पुरुष, युवा सड़क पर उतर आए और हंगामा करते हुए नेशनल हाइवे को जाम कर दिया।

पीयूष जैन की तरह धनकुबेर जगत बाबू और प्रदीप भी जीते थे सादी जिंदगी

कानपुर। तीन महीने बाद एक बार फिर कानपुर सुर्खियों में है। हमीरपुर के तंबाकू कारोबारियों की काली कमाई के सीधे संबंध कानपुर से मिले हैं। बिरहाना रोड और नयागंज में छापों के बाद करोड़ों के कैश कारोबार का भंडाफोड़ सेंट्रल जीएसटी कानपुर की टीम ने किया है। इसी के साथ कई और हैरतअंगेज खुलासे हुए। पीयूष जैन की तरह ही जगतबाबू और प्रदीप गुप्ता का रहन-सहन भी बेहद साधारण है। पीयूष की तरह ही गुप्ता बंधुओं ने भी अपनी काली कमाई का ठिकाना अपना बेडरूम बना रखा था। वे 20 करोड़ रुपये से ज्यादा कारोबार के बावजूद जीएसटी में रिटर्न महज 10 से 15 हजार रुपये दिखाते थे। करोड़ों की गड्डियों को बिस्तर में बिछाकर सोने वाले गुप्ता बंधुओं का रहन सहन बेहद साधारण है। सीजीएसटी सूत्रों के मुताबिक निम्न मध्यवर्ग परिवार की तरह रहने वाले कारोबारियों के पास से करोड़ों कैश मिलते ही सभी हैरत में पड़ गए। घर में कुल चार कमरे

हैं। दोनों भाइयों के दो कमरे हैं। इसके अलावा दो छोटे कमरे अलग से हैं। कोई देखकर अंदाजा नहीं लगा सकता कि दोनों भाई करोड़ों में खेलते हैं। जांच में खुलासा हुआ कि 95 फीसदी कारोबार कच्चे यानी कैश में था। दो से तीन ट्रक माल रोजाना फैक्टरी से निकलता था। एक दिन में कम से कम 6 से 8 लाख का कारोबार था। यानी साल में न्यूनतम 20 करोड़ का माल गुप्ता बंधु बेच रहे थे। लेकिन जीएसटी रिटर्न केवल 5 हजार से 20 हजार रुपये के बीच दिखाया जा रहा था। इतने कम रिटर्न से ही सीजीएसटी अफसरों को शक हुआ। खुफिया जांच कराई गई, तो असली कारोबार का खुलासा हुआ। कैश लेनदेन होने की वजह से बैंकों से ट्रांजेक्शन कम थे। अभी तक चार बैंक खाते मिले हैं। जिनके आधार पर पाया गया है कि कारोबारी बंधु अपना इनकम टैक्स रिटर्न भी लगभग दस लाख रुपये का ही भरते थे। तंबाकू का ब्रांड सीएम के नाम से निकाला जाता था और इसके लिंक कानपुर के बिरहाना रोड व नयागंज से पाए गए। सेल प्रोसीड की जांच में पाया गया है कि करोड़ों की काली कमाई का दायरा बढ़ सकता है।

गर्म पानी में गिरने से झुलसी चार साल की मासूम ने तोड़ा दम

नोएडा। नोएडा के थाना सेक्टर-20 क्षेत्र के निठारी गांव में गर्म पानी में गिरने से गंभीर रूप से झुलसी चार वर्षीय बच्ची की उपचार के दौरान मौत हो गई। बच्ची खेलते हुए रसोईघर में पहुंच गई थी। पुलिस ने बच्ची के शव को परिजनों को सौंप दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि सूरजपुर क्षेत्र के खोदना खुर्द गांव की चार वर्षीय बच्ची जनवरी माह में अपनी नानी के घर सेक्टर-31 स्थित निठारी गांव आई थी। बच्ची 29 मार्च को घर पर खेल रही थी। घर में रसोई गैस पर परिजनों ने गर्म पानी रखा था। बच्ची खेलते हुए गैस के चूल्हे के पास पहुंच गई। उसने चूल्हे पर रखे पानी से भरे बर्तन को पकड़ लिया। इससे उबलता हुआ पानी बच्ची के ऊपर गिर गया था। वह गर्म पानी गिरने से गंभीर रूप से झुलस गई थी। परिजनों ने बच्ची को नोएडा के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। बच्ची का अस्पताल में लगातार इलाज चल रहा था। मंगलवार रात को बच्ची की हालत बिगड़ गई।

सीतापुर में महंत बजरंग मुनि की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने भिड़े समर्थकों पर बरसाई लाठियां

सीतापुर। उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले में बुधवार देर रात मुस्लिम महिलाओं के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले महंत बजरंग मुनि को पुलिस ने गिरफ्तार कर किया है महंत की गिरफ्तारी के बाद उनके समर्थकों ने जमकर हंगामा किया। पुलिस के अधिकारी लगातार महंत के समर्थकों से बात करते रहे लेकिन बात धीरे-धीरे बिगड़ती गई। पुलिस ने महंत के समर्थकों पर जमकर लाठियां भांजी। पुलिस ने मुस्लिम महिलाओं के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले महंत बजरंग मुनि को गिरफ्तार कर किया है। वहीं गिरफ्तारी के बाद महंत बजरंग मुनि को स्थानीय अदालत ने 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। बता दें कि सीतापुर में पुलिस ने महंत बजरंग मुनि दास को गिरफ्तार करके कोर्ट में पेश किया था। महंत ने कुछ दिनों पहले मुस्लिम महिलाओं को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। महिलाओं को रेप की धमकी दे रहे महंत बजरंग मुनि का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था, जिसके बाद उसकी गिरफ्तारी को लेकर प्रदर्शन भी हुआ था। हेट स्पीच मामले पर राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी संज्ञान लिया था। आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक को इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने और महंत के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के लिए पत्र लिखा था। इस मामले में पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) प्रशांत कुमार ने बताया था कि पुलिस ने महर्षि श्री लक्ष्मण दास उदासी आश्रम के महंत बजरंग मुनि को गिरफ्तार कर लिया है। मुनि को भारतीय दंड संहिता की धारा 153 (ए), 354 (ए), 298 और 509 के तहत गिरफ्तार किया गया है। बता दें, 2 अप्रैल को खैराबाद में शोभायात्रा के दौरान महंत बजरंग मुनिदास ने शीशे वाली मस्जिद के सामने विशेष समुदाय की महिलाओं को लेकर विवादित बयान दिया था। उनके इस बयान का वीडियो भी वायरल हुआ था, जिसके बाद महिला आयोग ने मामले का संज्ञान लिया और डीजीपी से जवाब तलब किया था।

वाहन खरीदने से लेकर एनसीआर तक का सफर हो सकता है महंगा

नई दिल्ली। दिल्ली में वाहन खरीदने के साथ ही एनसीआर के शहरों के बीच स्टेज कैरिज परमिट वाली सार्वजनिक बसों से सफर करना महंगा हो सकता है। दिल्ली परिवहन विभाग ने राजस्व बढ़ाने के लिए सरकार को एक प्रस्ताव भेजा है, जिसमें नए वाहनों के पंजीकरण पर टैक्स बढ़ाने के साथ अन्य सिफारिशें की गई हैं। सरकार की मंजूरी मिलने के बाद इन्हें लागू किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, परिवहन विभाग ने राजस्व बढ़ाने के लिए सरकार को तीन सिफारिशें की हैं। पहला, वाहनों के पंजीकरण के समय लगने वाले पथ कर को बढ़ाया जाए। अभी वाहन की कीमत के हिसाब से कर लिया जाता है। दूसरा प्रस्ताव स्टेज कैरिज परमिट की दिल्ली आने-जाने वाली बसों से हर बार प्रवेश शुल्क वसूलने का है। इसका असर यात्री किराए पर पड़ेगा। तीसरी सिफारिश पेट्रोल-डीजल पर उपकर लगाने की है। दिल्ली सरकार के बीते वित्तीय वर्ष में कर राजस्व में गिरावट आई थी।

समस्त विकास खंडों में किया जाएगा स्वास्थ्य मेले का आयोजन

मऊ। जिलाधिकारी अरुण कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत ब्लॉक स्तरीय स्वास्थ्य मेले के आयोजन के संबंध में मुख्य विकास अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला कृषि अधिकारी, सहित जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक संपन्न हुई। जिलाधिकारी द्वारा संबंधित विभागों के विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने विभाग से संबंधित जन कल्याणकारी योजनाओं का स्टाल लगाकर विस्तार पूर्वक जनमानस में जानकारी दें, जिससे लोगों को यह पता चल सके कि प्रदेश सरकार द्वारा कौन-कौन सी योजनाएं विभागों द्वारा चलाई जा रही हैं एवं जिसका भरपूर लाभ आम जनमानस उठा सकें। वही जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देश दिए कि मेले में शिक्षा विभाग द्वारा स्टाल लगाकर कोविड-19 के अंतर्गत 12 वर्ष से 18 वर्ष के छूटे हुए बच्चों का टीकाकरण कराएं एवं शिक्षा के

प्रति लोगो को जागरूक करें। जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देश दिए कि अपने विभाग के स्टाल के माध्यम से 0 से 5 वर्ष के बच्चों का वजन कराएं एवं उनको पोषक आहार उपलब्ध कराएं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की टीमें अपना स्टॉल लगाकर वैक्सीनेशन एवं लोगों की जांच तथा दवाएं उपलब्ध कराएंगे। स्वास्थ्य मेले में यदि कोई व्यक्ति अपने स्वास्थ्य की जांच कराना चाहता है तो डॉक्टर उसकी जांच निशुल्क करेंगे और दवा भी उपलब्ध कराएंगे। जिला अधिकारी ने बताया कि ब्लॉक स्तरीय स्वास्थ्य मेले का आयोजन 18 अप्रैल से 23 अप्रैल 2022 तक प्रत्येक विकास खंडों में आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने बताया कि स्वास्थ्य मेले में लोगों को मुख्य सेवाएं दी जाएंगी। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि आयुष्मान भारत, पीएमजेएसवाई और राज्य कर्मचारियों के लिए कैशलेस योजना के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए स्वास्थ्य मेले में स्टाल लगाया जाएगा। आयुष्मान भारत ई-कार्ड मौके पर ही जारी किया जाएगा। खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा अपने स्टाल के माध्यम से सामुदायिक जागरूकता के लिए मोबाइल खाद्य परीक्षण वैन उपलब्ध कराई जायेगी। खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता की जांच करने के लिए स्थानीय प्रथाओं के बारे में जागरूकता पैदा किया जाएगा। युवा कल्याण एवं खेल विभाग द्वारा स्टाल लगाकर युवाओं को शामिल करके खेल गतिविधियों का आयोजन और पुरस्कार वितरण तथा खेलो इंडिया के बारे में भी जागरूक किया जाएगा। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा अपने स्टाल के माध्यम से पोषण अभियान टेक होम राशन आदि विभागीय योजनाओं के बारे में जागरूक तथा गोद भराई जैसे कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जायेगा। दिव्यांग विभाग द्वारा दिव्यांगजन व्यक्तियों की जांच और प्रमाण पत्र जारी करना तथा पात्र लाभार्थियों को सहायक उपकरण भी वितरण किया जाएगा।

छात्र तथा छात्राओं को किया गया सम्मानित

चिरैयाकोट, मऊ। कंपोजिट विद्यालय कमथरी शिक्षा क्षेत्र रानीपुर में परीक्षाफल वितरण के साथ ही छात्र तथा छात्राओं को सम्मानित करने के लिए कंपोजिट विद्यालय परिसर में समारोह का आयोजन किया गया था। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में डॉ दिलीप अवस्थी तथा प्रधानाचार्य इंटर कॉलेज सरसेना की गरिमामई उपस्थिति के साथ ही कक्षा 1 से लेकर कक्षा 8 तक के प्रत्येक कक्षा में बच्चों को परीक्षाफल वितरण किया गया। साथ ही प्रत्येक कक्षा में प्रथम , द्वितीय, और तृतीय स्थान पाने वाले बच्चों को प्रथम प्लेट, द्वितीय को पानी की बोतल, और तृतीय कापी और कलम देकर सम्मानित किया गया। साथ ही बच्चों को विद्यालय परिवार की तरफ से कापी और चॉकलेट का वितरण किया गया। प्रथम पुरस्कार प्राप्त करने वाले बच्चों में कक्षा 8 में अभिषेक चैहान, कक्षा 7 में रेशम, कक्षा 6 में अनीता, कक्षा 5 में उत्कर्ष कक्षा

4 में किशन रहे है। विद्यालय परिवार की परंपरा के अनुसार कक्षा 8 के साथ ही उत्तीर्ण समस्त बच्चों को कापी और कलम देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर विद्यालय के सभी शिक्षकगणों ने सभी बच्चों तथा बच्चीओं को मेहनत और लगन के साथ ही शिक्षा प्राप्त कर सकते है तथा हमेशा अध्ययनरत रहकर ही उच्च शिक्षा को हासिल किया सकता है। इस कार्यक्रम का संचालन सच्चिदानंद पान्डेय ने किया और अवसर पर उपस्थित ग्राम प्रधान प्रतिनिधि बब्लू गुप्ता ने भी सभी बच्चों को चाकलेट का वितरण किया तथा संजय तिवारी, राजेश यादव, राजेश राय, राहुल राय, सुरेश यादव मौजूद रहे।

धवन और मयंक के अर्धशतक से पंजाब ने मुंबई को 12 रन से हराकर दर्ज की हैट्रिक जीत

मुंबई की लगातार पांचवीं हार

पुणे। सलामी बल्लेबाज शिखर धवन (70) और कप्तान मयंक अग्रवाल (52) के अर्धशतकों की बदौलत पंजाब किंग्स ने मुंबई इंडियंस को 2022 आईपीएल के 23वें मैच में 12 रन से हरा दिया। पंजाब ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 198 रन का विशाल स्कोर बनाया जबकि मुंबई काफी कोशिशें करने के बावजूद नौ विकेट पर 186 रन तक ही पहुंच सकी। पंजाब ने पांच मैचों में तीसरी जीत दर्ज की।

लक्ष्य का पीछा करते हर मुंबई ने 31 रन की ठोस शुरुआत की लेकिन इस अच्छी शुरुआत के बाद दोनों ओपनरों के विकेट गंवा दिए। इसके बाद डेवाल्ड ब्रेविस (49) ने राहुल चाहर के एक ओवर में चार छक्के उड़ाने सहित 29 रन बटोरे। लेकिन वह मात्र एक रन से अर्धशतक बनाने से चूक गए। मुंबई को आखिरी दो ओवर में जीत के लिए चाहिए थे 28 रन और मुंबई की सारी उम्मीदें सूर्यकुमार पर टिकी थीं। सूर्य 30 गेंदों में एक चौके और चार छक्कों की मदद से 43 रन बनाकर रबाडा की गेंद पर स्मिथ को ऊंचा कैच दे बैठे। जयदेव उनादकट ने स्मिथ के आखिरी ओवर की पहली गेंद पर छक्का जड़ दिया। उन्होंने फिर दो रन लिए। तीसरी गेंद पर उनादकट कैच आउट हो गए।

स्कोर बोर्ड

पंजाब किंग्स	रन	गेंद	4/6
मयंक कै. सूर्यकुमार बो. मुरुगन	52	32	6/2
शिखर धवन कै. पोलार्ड बो. थंपी	70	50	5/3
बेयरस्टो बो. उनादकट	12	13	1/0
लिविंगस्टोन बो. बुमराह	02	03	0/0
जितेश शर्मा नाबाद	30	15	2/2
शाहरुख खान बो. थंपी	15	06	0/2
ओडियन स्मिथ नाबाद	01	01	0/0

अतिरिक्त: 16, कुल: 20 ओवर में पांच विकेट पर 198 रन **विकेट पतन:** 1-97, 2-127, 3-130, 4-151, 5-197, **गेंदबाजी:** बेसिल थंपी 4-0-47-2, जयदेव उनादकट 4-0-44-1, बुमराह 4-0-28-1, मुरुगन 4-0-34-1, टिमाल मिल्स 4-0-37-0,

मुंबई इंडियंस	रन	गेंद	4/6
रोहित शर्मा कै. वैभव बो. रबाडा	28	17	3/2
ईशान किशन कै. जितेश बो. वैभव	03	06	0/0
ब्रेविस कै. अर्शदीप बो. स्मिथ	49	25	4/5
तिलक वर्मा रन आउट	36	20	3/2
सूर्यकुमार कै. स्मिथ बो. रबाडा	43	30	1/4
पोलार्ड रन आउट	10	11	1/0
उनादकट कै. मयंक बो. स्मिथ	12	07	0/1
मुरुगन अश्विन नाबाद	00	02	0/0
बुमराह कै. धवन बो. स्मिथ	00	01	0/0
टिमाल मिल्स कै. मयंक बो. स्मिथ	00	02	0/0

अतिरिक्त: 5 कुल: 20 ओवर में नौ विकेट पर186 रन **विकेट पतन:** 1-31, 2-32, 3-116, 4-131, 5-152, 6-177, 7-185, 8-186, 9-186 **गेंदबाजी:** वैभव अरोड़ा 4-0-43-1, कैगिसो रबाडा 4-0-29-2, अर्शदीप सिंह 4-0-29-0, ओडीन स्मिथ 3-0-30-4, लिविंगस्टोन 1-0-11-0, राहुल चाहर 4-0-44-0,

मयंक और धवन ने पहले पावरप्ले 65 रन जोड़े

इससे पहले पंजाब ने टॉस हार कर पहले बल्लेबाजी करते हुए मजबूत शुरुआत की। मयंक और धवन ने पहले पावरप्ले (छह ओवर) में बिना कोई विकेट गंवाए 65 रन जोड़े। दोनो खिलाड़ियों ने मुंबई के गेंदबाजों की कड़ी परीक्षा ली। 97 के स्कोर पर मयंक के रूप में पंजाब का पहला विकेट गिर गया। इसके बाद धवन हालांकि एक छोर पर टिके रहे और तेजी से रन बटोरते रहे। 127 के स्कोर पर पंजाब का यह दूसरा विकेट था। इनफॉर्म बल्लेबाज लियाम लिविंगस्टोन भी महज दो रन बना कर आउट हो गए। 130 के स्कोर पर उनका विकेट गिरा। पंजाब को हालांकि विकेटों के गिरने से कोई दिक्कत नहीं हुई। शिखर एक छोर पर चौके-छक्के लगाते रहे, जिससे पारी आगे बढ़ती रही। इस बीच 151 के स्कोर पर धवन भी आउट हो गए। फिर अंत में जितेश शर्मा और शाहरुख खान ने मजबूत शुरुआत का फायदा उठाते हुए ताबड़तोड़ अंदाज में बल्लेबाजी की। दोनों बल्लेबाजों ने आखिरी तीन ओवरों में 47 रन बनाए और टीम को 198 के बड़े स्कोर तक पहुंचाया। धवन ने पांच चौकों और तीन छक्कों के दम पर सर्वाधिक जबकि जितेश ने 30 और शाहरुख ने 15 रन की तूफानी पारी खेली।

आज का मुकाबला

शाम. 7:30 बजे

राजस्थान रॉयल्स **बनाम** गुजरात टाइटंस

आईपीएल 2022 अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
राजस्थान	04	03	01	06	0.951
कोलकाता	05	03	02	06	0.446
पंजाब	05	03	02	06	0.239
लखनऊ	05	03	02	06	0.174
गुजरात	04	03	01	06	0.097
बेंगलुरु	05	03	02	06	0.006
दिल्ली	04	02	02	04	0.476
हैदराबाद	04	02	02	04	-0.501
चेन्नई	05	01	04	02	-0.745
मुंबई	05	00	05	00	-1.072

मुंबई के खिलाफ सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बने

पंजाब किंग्स के सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने मुंबई इंडियंस के खिलाफअपने आईपीएल करियर की 45 वां अर्धशतक जड़ा। अब आईपीएल में सर्वाधिक अर्धशतकों के मामले में उनसे आगे सिर्फ डेविड वार्नर ने हैं। जिन्होंने 50 अर्धशतक इस लीग में अब तक जड़े हैं। इसके अलावा शिखर धवन आईपीएल के इतिहास में मुंबई इंडियंस के खिलाफ सर्वाधिक रन वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने मुंबई के खिलाफ इस मामले में उन्होंने सुरेश रैना को पीछे छोड़ा है। रैना ने मुंबई के खिलाफ 36 मैचों में 850 रन बनाए थे। वहीं, शिखर धवन ने 27 मैचों में इस उपलब्धि को हासिल कर लिया है। विराट कोहली ने 32 मैचों में 827 रन बनाए हैं। धवन ने इस पारी में 51वां रन बनाते ही सुरेश रैना के रिकॉर्ड को तोड़ दिया था।

टी- 20 क्रिकेट में 10 हजार रन पूरे करने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज बने रोहित शर्मा

मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा टी20 क्रिकेट में 10 हजार रन बनाने वाले भारत के दूसरे बल्लेबाज बन गए। रोहित शर्मा से पहले भारत के लिए यह उपलब्धि विराट कोहली ने हासिल की थी। इस तरह रोहित शर्मा टी20 प्रारूप में 10 हजार रन बनाने वाले बल्लेबाजों को क्लब में शामिल हो गए हैं। रोहित शर्मा 10 हजार या इससे ज्यादा टी20 क्रिकेट में रन बनाने वाले सातवें बल्लेबाज बन गए। उनसे ज्यादा टी20 रन भारत के लिए सिर्फ विराट कोहली ने बनाए हैं। विराट ने 10379 रन बनाए हैं।

टी- 20 रैंकिंग: केएल राहुल शीर्ष-10 में शामिल एक मात्र भारतीय

पाकिस्तान के बाबर आजम नंबर एक पर बरकरार

दुबई। मार्च महीने के लिए आईसीसी पुरुष प्लेयर ऑफ द मंथ का पुरस्कार जीतने वाले पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान आईसीसी की टी-20 बल्लेबाजी रैंकिंग में नंबर एक पर बरकरार हैं, जबकि 2021 के आईसीसी पुरुष टी-20 प्लेयर ऑफ द ईयर रहे पाकिस्तानी विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान एक पायदान नीचे खिसक कर नंबर तीन पर आ गए हैं।

टी-20 रैंकिंग केएल राहुल शीर्ष 10 में शामिल एक मात्र भारतीय हैं। बल्लेबाजों की रैंकिंग में राहुल 10वें स्थान पर हैं। गेंदबाजों और ऑलराउंडरों की सूची में भी कोई भारतीय शीर्ष-10 में शामिल नहीं हैं। भुवनेश्वर कुमार 18वें पायदन पर शीर्ष भारतीय गेदबाज हैं। इसके अलावा एक अन्य पाकिस्तानी खिलाड़ी शाहीन आफरीदी ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकमात्र टी-20 मैच में 21 रन पर दो विकेट के शानदार प्रदर्शन की बदौलत टी-20 गेंदबाजी रैंकिंग में टॉप 10 में प्रवेश किया है। वह 634 रेटिंग अंकों के साथ 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

गेंदबाजी रैंकिंग में हेजलवुड नंबर तीन पर खिसके

ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड, जो पाकस्तान के खिलाफ टी-20 मैच नहीं खेले थे, एक स्थान नीचे खिसक कर नंबर तीन पर आ गए है, जबकि इग्लैंड के लेग स्पिनर आदिल राशिद ऊपर की बढ़ते हुए नंबर दो पर आ गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के तबरेज शम्सी 784 अंकों के साथ शीर्ष गेंदबाज बने हुए है। वहीं चौथे और पांचवे स्थान पर क्रमशः ऑस्ट्रेलिया के एडम जम्पा और अफगानिस्तान के राशिद खान कायम है। ऑलराउंडरों की सूची में शीर्ष तीन में अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी, बांग्लादेश के शाकिब अल हसन और इंग्लैंड के मोईन अली क्रमशः पहले, दूसरे, और तीसरे पायदान पर बरकरार हैं। ऑलराउंडर रैंकिंग मे नामीबिया के जेजे स्मिट को छह स्थानों का फायदा हुआ है और वह नंबर चार पर पहुंच गए है।

शिवेंद्र सिंह ने 63 के कार्ड के साथ बनाई बढ़त

चंडीगढ़। गुरुग्राम के शिवेंद्र सिंह सिसोदिया ने बुधवार को दूसरे राउंड में 63 का बेहतरीन कार्ड खेलकर 50 लाख रुपये की पुरस्कार राशि वाली पीजीटीआई प्लेयर्स चैंपियनशिप के राउंड दो के बाद बढ़त बना ली।अपने पहले खिताब की तलाश में लगे सिसोदिया (68-63) का स्कोर 13 अंडर 131 पहुंच गया है। उनके पास दो शॉट की बढ़त हो गयी है। बांग्लादेश के मोहम्मद जमाल हुसैन (67-66) 11 अंडर 133 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर हैं।चंडीगढ़ के अभय सिंह चड्ढा शीर्ष स्थान से फिसलकर नौ अंडर 135 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। दो राउंड के बाद कट एक ओवर 145 के स्कोर पर लगाया गया और 57 प्रोफेशनल कट पार करने में कामयाब रहे।

24 जून को निकलेगा फीफा अंडर 17 महिला वर्ल्ड कप का ड्रॉ

नई दिल्ली। फीफा अंडर-17 महिला वर्ल्ड कप इंडिया 2020 के आयोजन में अब छह महीने का वक्त रह गया है। इसे देखते हुए फुटबॉल की नियामक संस्था-फीफा ने इस प्रतिष्ठित वैश्विक टूर्नामेंट के मेजबान के तौर पर भुवनेश्वर, गोवा और नवी मुंबई को चुना है और साथ ही साथ यह भी घोषणा की है कि टूर्नामेंट के लिए ड्रॉ 24 जून को ज्यूरिख में आयोजित किया जाएगा। कोविड-19 महामारी के कारण टूर्नामेंट के 2020 संस्करण के रद्द होने के बाद फीफा, अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) और स्थानीय आयोजन समिति (एलओसी) ने व्यापक समीक्षा और परामर्श के बाद फीफा अंडर-17 विमेंस वर्ल्ड कप इंडिया 2020 के लिए मेजबान शहरों के अपडेट नामों की पुष्टि की है।

टूर्नामेंट में शामिल खिलाड़ियों और अन्य लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, भुवनेश्वर के कलिंग स्टेडियम, गोवा के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम और नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम को मेजबान के रूप में चुना गया है। ये तीनों शहर इस प्रतिष्ठित आयोजन के लिए जुटने वाली भविष्य के सितारे मानी जा रहीं सर्वश्रेष्ठ युवा प्रतिभाओं का स्वागत करेंगे।फीफा की चीफ विमेंस फुटबॉल ऑफिसर सराय बेरेमन ने कहा, 'दुनिया भर में जारी क्वालीफाइंग के बीच हम ड्रॉ की तारीख की घोषणा के साथ-साथ फीफा अंडर-17 विमेंस वर्ल्ड कप इंडिया 2022 के लिए तीन मेजबान शहरों के नामों की पुष्टि करते हुए बहुत रोमांचित हैं।सराय ने आगे कहा, ''हाल ही में फीफा के भारत दौरे के बाद यह एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके बाद अब टूर्नामेंट की उलटी गिनती शुरू हो गई है। हम पिछले दो वर्षों में अपना समर्थन बनाए रखने के लिए एआईएफएफ, एलओसी और इस इवेंट से जुड़े सभी हितधारकों को धन्यवाद देना चाहते हैं।

टॉप्स समूह के तीरंदाजों के लिए 33 लाख रुपए की मदद को मंजूरी

नई दिल्ली। खेल मंत्रालय के मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) ने बुधवार को 2022 एशियाई खेलों और तीरंदाजी विश्व कप के लिए टॉप्स (टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम) के डेवलपमेंट ग्रुप तीरंदाजों के लिए 33.18 लाख रुपए की वित्तीय सहायता को मंजूरी दी।एमओसी ने आगामी एशियाई खेलों और विश्व कप के लिए दूसरा धनुष सेट खरीदने के लिए यह सहायता प्रदान की है। विश्व तीरंदाजी द्वारा हाल ही में नियम बदलने के बाद दूसरे धनुष सेट की आवश्यकता है, जो उपकरण खराब होने की स्थिति में तीरंदाजों के लिए महत्वपूर्ण होगा।टॉप्स स्कीम के तहत लाभ पाने वाले तीरंदाजों में पार्थ सालुंखे, आदित्य चौधरी, दीप्ति कुमारी, सिमरनजीत कौर, नीरज चौहान, रिद्धि, मधु वेदवान, सुधांशु बिष्ट, दिव्यांश कुमार और तिशा पुनिया शामिल हैं।

शीर्ष पर बने रहने के लिए भारत के सामने जर्मनी की चुनौती

भुवनेश्वर। भारतीय पुरुष हॉकी टीम एफआईएच प्रो हॉकी लीग 2021-22 अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर बने रहने के लिए यहां 14 और 15 अप्रैल को कलिंग स्टेडियम जर्मनी के खिलाफ दो डबल हेडर मुकाबलों में जीत के मकसद के साथ उतरेगी। भारत फिलहाल 10 मैचों में 21 अंकों के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर है। वह इंग्लैंड के खिलाफ पिछले दो डबल हेडर मुकाबले जीत कर आया है। जर्मनी के खिलाफ टीम की कप्तानी करने वाले अमित रोहिदास ने बुधवार को एक बयान में कहा, हमने इंग्लैंड के खिलाफ काफी अच्छा खेले और दोनों मैच जीतने में सफल रहे। अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंचना बहुत अच्छा अहसास है। यह एक टीम प्रयास है और हम शीर्ष पर बने रहने की कोशिश करेंगे।

ऐंड्रयू मैक्डॉनल्ड ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच नियुक्त

मेलबर्न। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने बुधवार को पूर्व ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट ऑलराउंडर ऐंड्रयू मैक्डॉनल्ड को ऑस्ट्रेलिया पुरुष क्रिकेट टीम का फुल टाइम मुख्य कोच और चयनकर्ता नियुक्त किया। उनका अनुबंध चार साल का होगा।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख निक हॉकले ने कहा, एंड्रयू पहले ही यह दिखा चुके हैं कि वह एक उत्कृष्ट मुख्य कोच हैं। नियुक्ति प्रक्रिया के दौरान उन्होंने इस भूमिका के लिए जो दृष्टिकोण दिखाया, वह प्रभावशाली और रोमांचक था, जिससे वह हमारी सीधी और पहली पसंद बन गए। मैक्डॉनल्ड ने कहा, यह अवसर दिए जाने पर बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मैक्डॉनल्ड उसी भूमिका में दिखेंगे, जिसमें अब तक जस्टिन लैंगर थे। ऐंड्रयू मैक्डॉनल्ड ने ऑस्ट्रेलिया के लिए सिर्फ चार टेस्ट मैचों की छह पारियों में 107 रन बनाए है। इस दौरान उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 68 रन रहा खेले है। उन्होंने गेंदबाजी करते हुए 6 विकेट भी हासिल किए। पूर्व टेस्ट ऑलराउंडर मैकडोनल्ड इंडियन प्रीमियर लीग और इंग्लिश काउंटी क्रिकेट में मुख्य कोचिंग भूमिकाएं निभा चुके हैं। मैक्डॉनल्ड ने कोचिंग से पहले एंड्र्यू मैकडोनल्ड बतौर खिलाड़ी आईपीएल में खेलते थे। वह दिल्ली डेयरडेविल्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर टीम का हिस्सा थे। तीन साल में उन्होंने कुल नौ मैच में 120 रन बनाए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 33 रन रहा। लैंगर ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के साथ मनमुटाव के बाद फरवरी में इस पद से इस्तीफा दिया था, तब उन्हें छह महीने का अनुबंध विस्तार दिया जा रहा था। 2019 से सीनियर सहायक कोच और गेंदबाजी मेंटॉर रहे मैक्डॉनल्ड पाकिस्तान के दौरे पर ऑस्ट्रेलिया के अंतरिम कोच थे। उनकी कोचिंग में पैट कमिंस के नेतृत्व वाली टीम ने टेस्ट सीरीज में अच्छा खेल दिखाते हुए 1-0 से सीरीज जीत थी, हालांकि टीम वनडे सीरीज 1-2 से हार गई थी, लेकिन फिर एकमात्र टी-20 मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया विजयी रहा था। मैक्डॉनल्ड ने कई बार उन्हें विश्राम के दौरान टीम की कमान संभाली थी।

मलेशिया के वीरनदीप सिंह ने बनाया अनोखा रिकॉर्ड

प्रो क्लब चैम्पियनशिप में 6 गेंदों में 6 विकेट गिरे

नई दिल्ली। मलेशिया के 22 वर्षीय लेफ्ट आर्म स्पिनर वीरनदीप ने नेपाल में खेली जा रही प्रो क्लब टी-20 चैम्पियनशिप में पुश स्पोर्ट्स दिल्ली के खिलाफ एक ओवर की सभी 6 गेंदों में 6 विकेट निकालकर एक अनोखा इतिहास रचा। उन्होंने मलेशिया इलेवन की ओर से खेलते हुए पारी के 20 वें ओवर में 5 विकेट झटकने के साथ एक रनआउट भी किया। एक वक्त पर पुश स्पोर्ट्स का स्कोर तो तीन विकेट पर 131 रन था। यह उनकी पारी का आखिरी ओवर था। सिंह पारी का आखिरी ओवर फेंकने मैदान पर उतरे। उनकी पहली गेंद वाइड गई। इसके बाद पुश स्पोर्ट्स ने पारी की आखिरी छह गेंदों पर छह विकेट खोए। पहले मृगांक को कैच आउट हो गए। अगली गेंद पर इशान पांडे रन आउट हुए। एडिनो नहारे को सिंह ने बोल्ड कर दिया। इसके बाद विशेष सरोहा भी बड़ा शॉट खेलने के चक्कर में बोल्ड हो गए। सिंह ने जतिन सिंघल को आउट कर यादगार हैटट्रिक पूरी की। उन्होंने सिंघल को अपनी ही गेंद पर कैच किया। इसके बाद पारी की आखिरी गेंद पर उन्होंने स्पर्श को बोल्ड किया।

आइसलैंड क्रिकेट बोर्ड ने चुनी भारत की सर्वकालिक टेस्ट एकादश

नई दिल्ली। आइसलैंड क्रिकेट बोर्ड ने भारत की सर्वकालिक टेस्ट एकादश ने विराट कोहली को शामिल नहीं किया जिसके कारण भारतीय क्रिकेट प्रशंसक उनकी आलोचना कर रहें हैं।

आइसलैंड क्रिकेट अकसर सोशल मीडिया पर क्रिकेट से जुड़े विषयों पर मजेदार कॉमेंट करता रहता है। लेकिन 13 अप्रैल को उसने भारतीय क्रिकेट पर जो पोस्ट किया उसके बाद फैंस काफी नाराज हो गए। दरअसल विराट कोहली का आधूनिक युग के सर्वश्रेठ टेस्ट खिलाड़ियों में शुमार हैं वह आसनी से किसी भी एकादश में जगह बना सकते हैं। **भारतीय टेस्ट टीम:** गावस्कर, सहवाग, द्रविड़ (कप्तान), तेंदुलकर, हजारे, महेंद्र सिंह धोनी (विकेटकीपर), कपिल देव, अश्विन, कुंबले, श्रीनाथ, बुमराह, 12वां खिलाड़ी- कोहली, 13वां - चंद्रशेखर, 14वां- जडेजा, 15वां - जहीर खान, 16वां- लक्ष्मण, 17वां खिलाड़ी- हरभजन सिंह।

विराट कोहली को बनाया टीम का 12वां खिलाड़ी

सीजीएफ ने भारत को दिया बड़ा झटका

राष्ट्रमंडल खेल 2026 से कुश्ती, निशानेबाजी और तीरंदाजी को किया बाहर

नई दिल्ली। राष्ट्रमंडल खेल 2026 ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया राज्य में खेले जाएंगे। राष्ट्रमंडल खेल महासंघ (सीजीएफ) ने भारत को एक बड़ा झटका देते हुए कुश्ती, निशानेबाजी और तीरंदाजी को अपनी प्रारंभिक खेल कार्यक्रम सूची से हटा दिया है। प्रारंभिक सूची में टी20 क्रिकेट सहित 16 खेलों की सूची जारी की गई है जो इन खेलों का हिस्सा होंगे। भारत का प्रर्दशन जिन तीन खेलों निशानेबाजी, तीरंदाजी और कुश्ती में अच्छा रहा है उन्हें सूची से हटा दिया गया। रआयोजन समिति ने प्रारंभिक सूची में जिन विषयों को शामिल किया है, उनमें जलीय विज्ञान, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, मुक्केबाजी, बीच वॉलीबॉल, टी20 क्रिकेट, साइकिलिंग, जिमनास्टिक, हॉकी, लॉन बाउल, नेटबॉल, रग्बी सेवन्स, स्क्वैश, टेबल टेनिस, ट्रायथलॉन और भारोत्तोलन शामिल हैं। कई विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता और ओलंपिक कांस्य पदक विजेता बजरंग पुनिया ने दावा किया कि भारतीयों को निशाना बनाया जा रहा है। पुनिया ने द ट्रिब्यून को बताया, मैं जानना चाहता हूं कि यह फैसला किस आधार पर लिया गया है, क्योंकि कुश्ती सबसे पुराने खेलों में से एक है और लगभग सभी देश हमारे इस खेल को खेलते हैं। मुझे भी ऐसा लगता है कि भारतीयों को निशाना बनाया जा रहा है। पहले उन्होंने शूटिंग हटाई और अब कुश्ती। यह फैसला न केवल दूसरे देशों के एथलीटों के खिलाफ है, यह स्पष्ट रूप से भारत के खिलाफ है, क्योंकि हम इन खेलों में अच्छा कर रहे हैं।

ऑरेंज कैप की रेस में शिवम दुबे और रॉबिन उथप्पा हुए शामिल, जोस बटलर अभी सबसे आगे

शिवम दुबे और रॉबिन उथप्पा की आक्रामक पारियों के बाद महीश तीक्षणा की उम्दा गेंदबाजी की मदद से चेन्नई सुपर किंग्स ने मंगलवार को इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सत्र में पहली जीत दर्ज करते हुए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर को 23 रन से हराया। चेन्नई के लिये उथप्पा ने 50 गेंद में 88 रन बनाए और दुबे ने 46 गेंद में 95 रन बनाये जिसकी मदद से टीम ने चार विकेट पर 216 रन का पहाड़ खड़ा किया। उथप्पा ने अपनी पारी में नौ छक्के और चार चौके लगाये जबकि दुबे ने आठ छक्के और पांच चौके जड़े। दोनों ने लीग में अपना व्यक्तिगत सर्वोच्च स्कोर भी बनाया। गत चैम्पियन चेन्नई को लगातार चार हार के बाद एक जीत की सख्त जरूरत है। उथप्पा को जमने में समय लगा और पांचवें ओवर में उन्होंने अपना पहला चौका मोहम्मद सिराज को लगाया। इसके बाद अगले ओवर में आकाश दीप को छक्का जड़ा। उथप्पा और दुबे ने अगले ओवर में आकाश को एक एक चौका लगाया और दुबे ने लांग आन में ग्लेन मैक्सवेल को पहला छक्का लगाया। दोनों ने 11वें ओवर से हाथ खोलने शुरू किये और 15वें ओवर में चेन्नई को दो विकेट पर 133 रन तक ले गए। आखिरी पांच ओवर में 73 रन बने। दुबे ने 11वें ओवर में वानिंदु हसरंगा की जमकर धुनाई करते हुए 13 रन निकाले। वहीं 13वें ओर में दोनों ने मैक्सवेल पर दबाव बनाकर 19 रन बनाये। उथप्पा ने 17वें ओवर में सिराज को दो छक्के और एक चौका लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया। दुबे ने अगले ओवर में आकाश दीप को दो छक्के और एक चौका लगाया। इस ओवर में 24 रन बने। उथप्पा शतक से चूक गए और 19वें ओवर में अपना विकेट गंवा बैठे। दुबे ने आखिरी ओवर में दो छक्के लगाये और 95 रनों की नाबाद पारी खेली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर ने टारगेट को प्राप्त करने का अच्छा प्रयास किया लेकिन आखिर में दिनेश कार्तिक के आउट होने के बाद टीम की जीतने की उम्मीद खत्म हो गयी। हार ने आरसीबी को तीसरे स्थान से पांचवें स्थान पर खिसका दिया, जबकि सीएसके एक स्थान ऊपर चढ़ गया और अब 10-टीम अंक तालिका में नौवें स्थान पर है। चार मैचों में तीन जीत हासिल करने वाली राजस्थान रॉयल्स शीर्ष पर है और उसके बाद कोलकाता नाइट राइडर्स का स्थान है। साल 2022 के आइपीएल में यह सीएसके की पहली जीत है। इस जीत के साथ ही स्टार खिलाड़ी शिवम दुबे और रॉबिन उथप्पा ने ऑरेंज कैप की दौड़ में अपनी जगह बना ली है।

रियाल मैड्रिड व विलारियाल ने सेमीफाइनल में किया प्रवेश

चैंपियंस लीग: रियाल मैड्रिड के लिए करीम बेंजेमा ने दागा निर्णायक गोल

मैड्रिड। करीम बेंजेमा के अतिरिक्त समय (96वें मिनट) में दागे गए गोल की बदौलत रियाल मैड्रिड ने चैंपियंस लीग के दूसरे चरण के मैच में चेल्सी को बर्नाब्यू स्टेडियम में 2-3 से हराकर क्वॉर्टरफाइनल में 5-4 के कुल स्कोर से जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में जगह बनाई। वहीं एक अन्य मुकाबले में विलारियाल ने छह बार के यूरोपीय चैंपियन बायर्न म्यूनिख को हराकर बड़ा उलटफेर करते हुए लीग सेमीफाइनल में जगह बनाई।

विलारियाल और म्यूनिख के बीच क्वॉर्टरफाइनल का दूसरा मैच 1-1 से ड्रॉ लेकिन विलारियाल ने कुल 2-1 के स्कोर से अंतिम चार में स्थान पक्का किया।रियाल मैड्रिड करीम बेंजेमा की हैट्रिक से पहले चरण में भी 3-1 विजयी रहा था। बेंजेमा ने राउंड- 16 में भी रियाल मैड्रिड की पीएसजी पर 3-1 की जीत में दूसरे हाफ में हैट्रिक लगाकर अहम भूमिका अदा की थी जबकि टीम पेरिस में 0-1 से हार गयी थी। बेंजेमा ने चैम्पियंस लीग के इस सत्र में 12वां गोल अतिरिक्त समय में छह मिनट के बाद विनिसियस जूनियर के क्रास पर हेडर से किया। चेल्सी ने मेसन माउंट के 15वें, एंटोनियो रूडिगर के 51वें और टिमो वर्नर के 75वें मिनट में किये गये गोल से बढ़त बना ली थी। रियाल मैड्रिड की टीम 0-3 से पिछड़ रही थी लेकिन स्थानापन्न रोड्रिगो ने 80वें मिनट में गोल कर दोनों टीमों को गोल के मामले में बराबरी (4-4) पर ला दिया जिससे उसका पिछले 12 साल में 10वीं बार अंतिम चार में जगह बनाने का रास्ता बना।रियाल मैड्रिड का सामना अब सेमीफाइनल में मैनचेस्टर सिटी या एटलेटिको मैड्रिड से होगा जो बुधवार को स्पेन की राजधानी में दूसरे चरण का मैच खेलेंगे। मैनचेस्टर सिटी ने पहले मैच में 1-0 से जीत दर्ज की थी।

2006 के बाद पहली बार विलारियाल अंतिम चार में

विलारियाल की टीम 2006 के बाद पहली बार चैंपियंस लीग के अंतिम चार में प्रवेश किया। क्वॉर्टरफाइनल के पहले मैच में बायर्न म्यूनिख को घरेलू मैदान पर 1-0 से हराया था। विलारियाल के लिए 88वें मिनट में सैमुअल चुक्वुएजे ने गोल कर अपनी टीम को 1-1 की बराबरी पर ला दिया। बायर्न म्यूनिख ने 52वें मिनट में रोबर्ट लेवांडोवस्की के गोल से बढ़त बनाई थी लेकिन क्लब के खिलाड़ियों ने कई बार गोल करने के मौके गंवाये। विलारियाल के स्ट्राइकर गेरार्ड मोरेनो ने कहा, आज उन्होंने गलती की और हमने उसका फायदा उठाया। इस टीम ने जो किया है वो शानदार है। विलारियाल ने यूरोपा लीग में जीत से चैम्पियंस लीग के लिये क्वालीफाई किया था जबकि स्पेनिश लीग में सातवें स्थान पर चल रही है।बायर्न म्यूनिख ने 2020 में यूरोपीय कप जीता था और बुंदेसलीगा में शीर्ष पर चल रही है। ड्रॉ के बाद बायर्न म्यूनिख के निराश सुपरस्टार मैदान पर गिर गये जबकि विलारियाल के स्थानापन्न खिलाड़ी मैदान पर अपने साथियों के साथ जश्न मनाने दौड़ पड़े।

समाजसेवी की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य मे भागवत कथा शुभारंभ

प्रखर गाजीपुर। भावरकोल ब्लाक क्षेत्र के अवथहीं गांव में गुरुवार को समाजसेवी शिवकुमार राय के प्रथम पुण्यतिथि (21 अप्रैल) के उपलक्ष्य पर भागवत पाठ का शुभारंभ हुआ। सिद्धपीठ हथियाराम पीठ के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर भवानी नंदन यति जी महाराज ने विधिवत हवन-पूजन कराकर पाठ शुरू कराया।व श्रद्धालुओं को कथा का रसपान कराते हुए कहा कि श्रीमद्भागवत कथा के श्रवण से बढ़कर कोई दूसरा कल्याण का मार्ग नही है। यह समस्त शास्त्रों का सारांश है। इसलिए भगवत कथा का श्रवण करने से समस्त दुखों का नाश हो जाता है। भवानी नंदन यति जी महाराज ने कहा कि शिवकुमार राय हमेशा गरीबों व वंचितों की मदद को आगे रहे। वो हमेशा समाज के हित के बारे में सोचते थे। कोरोना काल में जब लोग एक दूसरे से दूरी बनाकर रहते थे तब भी उन्होंने बहुत से लोगों की मदद की। इस दौरान वह भी चपेट में आ गए और कोरोना से जंग हार गए। हम सबको भी समाज के हित में सोचना चाहिए। इस दौरान सांसद अफजाल अंसारी, पूर्व ब्लाक प्रमुख शारदा नन्द राय, अमिताभ राय ने शिवकुमार राय को श्रद्धांजलि दी। सांसद ने कहा कि शिवकुमार राय हमेशा अपने गांव, जिले के विकास के लिए सोचते रहते थे। जिले में स्वास्थ्य, शिक्षा, व्यवसाय की व्यवस्था कैसे उत्तम हो इसके लिए चिंतित रहते थे। दूरदर्शी सोच के कारण ही वह लोगों के दिलों में बसते हैं। उन्हें भुलाया नहीं जा सकता। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गांव व आसपास के लोग मौजूद रहे। रिटायर आईएएस बृजराज राय ने बताया कि भागवत कथा का समापन 20 अप्रैल को होगा। 21 अप्रैल को श्रद्धांजलि सभा और प्रसाद का वितरण होगा।

साईबर ठगों ने किसान नेता के खाते से उड़ाए रुपए

प्रखर मिजार्पुर। जमालपुर वर्तमान समय में साईबर ठगी की बाढ़ सी आ गई है,शासन के लाख प्रयासों के बावजूद भी साईबर ठगी की घटनाएं दिनों-दिन बढ़ता ही जा रहा है।बता दें कि अन्न दाता मंच के संयोजक चौधरी रमेश सिंह के भारतीय स्टेट बैंक नारायनपुर, मीरजापुर के बचत खाते पर साईबर ठगों ने हाथ साफ कर दिया। किसान नेता के धान विक्री से मिला पैसा जो खाते में रह गया था कुल २३९०० रुपए साईबर ठगों द्वारा अंगुठा द्वारा निकाल लिया गया।पैसे की आवश्यकता पड़ने पर पैसा निकालने के लिए किसान नेता द्वारा आज १३-०४-२०२२,दिन-बुधवार को जब बैंक में बचत खाता निकासी फार्म भरकर काउंटर पर जमा किया गया तो पता चला कि खाते में पैसा ही नहीं है। जांच करने पर पता चला कि खाते से क्रमशः चार बार में १००००+१००००+३०००+९०० कुल २३९०० रुपया किसी साईबर कैफे से अंगुठा लगाकर निकाला गया है। जबकि किसान द्वारा अपने किसी भी बैंक खाते का संचालन अंगुठा द्वारा नहीं किया जाता है। यह खाता भी पिछले पांच-सात वर्षों से लेन-देन न किये जाने से मृत पड़ा था,उसी समय खाता के संचालन के संबंध में बैंक में बात करने पर kyc कराये जाने की बात की गई तथा kyc कराने के लिए फार्म भी दिया गया।लेकिन भीड़ भाड़ ज्यादा होने व आवश्यकता नहीं होने के कारण किसान नेता द्वारा खाते का

kyc नहीं कराया गया। फिर भी पिछले पांच-सात वर्षों से मृत खाते में किसान द्वारा २०२१/२२ में बेचें गये धान का पैसा भेजा गया और किसान द्वारा बिना निकालें ही बिना kyc के अंगूठे द्वारा पैसा निकाल लिया गया।खाताधारक के बिना अनुमति के खाते का kyc कर खाते से पैसा निकाले जाने में बैंक की भी भूमिका संदिग्ध लगती है,जिसका जांच किया जाना आवश्यक है।

संक्षिप्त खबरें

भोजुबीर में सड़क धंसने से राहगीरों व दुकानदारों में दहशत बाल - बाल बचे लोग

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। भोजूबीर में लगभग दस फिट गहराई सड़क धंस गया जिससे आम राहगीरों व दुकानदारों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ा बाल बाल बचे राहगीर सड़क धंसने के कारण जाम लगने की सूचना मिलते ही टीआई मौके पर पहुंचे और जाम समाप्त किया` वहां के स्थानीय दुकानदारों ने बताया की आये दिन यहां पर किसी किसी जगह पर सड़क धंसती रहती है जिससे सभी लोगो को काफी कठनाईयों का सामना करना पड़ता है और कभी भी इस रोड पर लोगो की जान जाने की संभावना बनी रहती है शासन प्रशासन की नींद खुलने का नाम ही नहीं ले रहा` जिला उपाध्यक्ष संतोष सिंह ने सिवरेज लाइन बिछाते समय मानकों की अनदेखी करने वाले अधिकारियों पर कार्यवाही मांग की है जिस की वजह से बार बार सड़क धंस रही है।

सहकारिता परिषद का राष्ट्रीय सलाहकार बनाये जाने पर प्रोफेसर गुरु प्रसाद सिंह का सामाजिक संस्थाओ के प्रतिनिधियो ने किया अभिनंदन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय कृषि विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर डा. गुरूप्रसाद सिंह को सहकारिता मंत्रालय का राष्ट्रीय सलाहकार बनाये जाने पर उनका विश्वविद्यालय स्थित अध्यापक निवास पर माल्यार्पण कर अभिनंदन किया गया । अभिनंदन करते हुये प्रबोधिनी फाउण्डेशन के महासचिव विनय शंकर राय "मुन्ना" ने कहा कि प्रोफेसर श्री गुरूप्रसाद सिंह को भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ का सदस्य सलाहाकार परिषद बनाये जाने से किसानो, और सामाजिक सरोकार से जुड़े लोगो मे खुशी की लहर दौड़ गयी है । प्रोफेसर गुरू प्रसाद सिंह की कुशल कार्यशैली एवं समूह के निर्माण और उसकी उपयोगिता हेतु उनका दशको से चल रहा चिन्तन और समर्पण निश्चित ही राष्ट्रीय सहकारिता विभाग के लिये बहुत उपयोगी एवं कारगर साबित होगा। प्रबुद्धजन काशी के संयोजक डॉ.संजय सिंह गौतम ने कहा कि डॉ. गुरू प्रसाद सिंह के मार्ग दर्शन में भारत का सहकारिका विभाग दुनिया मे महत्वपूर्ण स्थान बनायेगा` अभिनंदन मे प्रमुख रूप से श्री काशी विश्वनाथ मुक्ति आंदोलन के अध्यक्ष सुधीर सिंह जन कल्याण फाउंडेशन के अरूण कुमार सिंह , स्वामी सहजानंद विचार मंच के अनिल कुमार सिंह, राची केन्द्रीय विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर भूपेंद्र सिंह ,भगत सिंह यूथ ब्रिगेड के गगन प्रकाश यादव, आईकान के नीरज सिंह सहित इत्यादि सामाजिक संस्थाओ के प्रतिनिधि शामिल थे।

भाजपाइयों ने मनाया बाबा साहब भीमराव रामजी अंबेडकर की जयंती

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। संविधान निर्मात्री सभा के अध्यक्ष बाबा साहेब भीमराव रामजी अंबेडकर की जयंती नगर के सत्यानगंज स्थित भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय पर मनाया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में मड़िहान विधानसभा के विधायक पूर्व ऊर्जा राज्य मंत्री रमाशंकर पटेल उपस्थित रहे सर्वप्रथम बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया अपने संबोधन में विधायक रमाशंकर सिंह पटेल ने बाबासाहेब के जीवन पर विस्तृत रूप से चर्चा करते हुए संविधान सभा के अध्यक्ष भीमराव रामजी अंबेडकर जी के विचारों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व नगर अध्यक्ष सतीश केसरी ने किया संचालन की जिम्मेदारी नगर उपाध्यक्ष उमेश केसरी ने निभाई,सभी अतिथियों को नगर अध्यक्ष महेंद्र सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया उपस्थित रहने वाले में मुख्य रूप से जय किशन जयसवाल, संतोष सिंह पटेल, वेद प्रकाश, राघवेंद्र प्रताप सिंह, विनोद पटेल, रमेश बहेलिया, माखन सिंह, राम लखन सिंह समेत अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

घर से बैंक जाने के बहाने निकली महिला लापता

प्रखर मिजार्पुर। थाना क्षेत्र अदलहाट पुलिस चौकी नारायणपुर अंतर्गत ग्राम सभा नारायनपुर के हरिजन बस्ती में श्याम दास की पत्नी राधा दिनांक 11:04: 2022 सुबह 9:00 बजे आसमानी रंग की साड़ी पहनकर बैंक से पैसा निकालने के बहाने घर से निकली और लापता हो गई अभी तक उसका कोई पता नहीं है राधा के दो बच्चे एक की उम्र 3 वर्ष नाम निखिल तथा दूसरा 1 वर्ष का लड़का अरुण है परिवार में बूढ़ी सास छंगूरी देवी है बच्चों को छोड़कर राधा लापता है परिवार जनों का चिंता से बुरा हाल है प्रथम सूचना पुलिस चौकी नारायनपुर में दी गई है वही राधा के माता पिता विजय शंकर और उनकी पत्नी शांति का कहना है कि शक के आधार पर राधा मायके के गांव मे करन उर्फ बल्लू पुत्र सोचन निवासी बरेवा थाना चुनार के साथ विवाह के पहले से ही प्रेम प्रसंग बना हुआ था बरेवा निवासी युवक करन के साथ युवती को कहीं चले जाने का संदेह परिवारी जन ने व्यक्त किया है।

पत्रकार पवन को हर-संभव मदद करेंगें-संजय सिंह

पैसे के अभाव में इलाज नहीं रुकेगा-संजय सिंह, आप सांसद ने किया 01 लाख का तात्कालिक सहयोग

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। नमक-रोटी प्रकरण को उजागर करने वाले मिजार्पुर निवासी पवन जायसवाल जिंदगी की जंग लड़ रहें हैं। उन्हें कैंसर हो गया हैं और पिछले 01 माह से बीएचयू में उनका इलाज चल रहा हैं। 02 छोटे-छोटे बच्चों के पिता पवन की माली हालत ठीक नहीं हैं, उन्हें इलाज के लिये मदद की आवश्यकता हैं। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह जी को जानकारी होने पर उन्होंने पवन से बात किया और 01 लाख रुपये की नगद मदद भेजवाई और आश्वस्त किया हैं कि आगे भी मदद की जायेंगी। सांसद संजय सिंह जी ने ट्वीट के माध्यम से लोगों से अनुरोध किया हैं कि बहादुर पत्रकार पवन की मदद को हाथ बढ़ाये। आप के वरिष्ठ नेता पू. प्रदेश प्रवक्ता मुकेश सिंह, पू. जिलाध्यक्ष मनीष गुप्ता,मनीष कसौधन ने आश्वासन दिया कि हमसब पवन जी के साथ खड़े हैं और आप नेताओं ने समाज के सभी वर्गों से अपील करते हुए कहा कि बहादुर पत्रकार के मदद के लिये आप आगें आयें।

व्यापारी महासम्मेलन शपथ ग्रहण समारोह में पहुंचे जिले के पदाधिकारी

प्रखर लखनऊ/महराजगंज। लखनऊ के अटल बिहारी बाजपेयी साईंटिफिक कन्वेंशन सेंटर में आयोजित शपथ ग्रहण व व्यापारी सम्मेलन में मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री उ0प्र0 माननीय ब्रजेश पाठक जी,केंद्रीय गृह राज्य मंत्री माननीय श्री अजय मिश्र जी, केंद्रीय राज्य मंत्री माननीय श्री भानु प्रताप वर्मा जी व्यापारी कल्याण बोर्ड के उपाध्यक्ष माननीय श्री मनीष गुप्ता जी,टछउ माननीय श्री सलिल विश्नोई जी, लखनऊ की मेयर माननीया श्रीमती संयुक्ता भाटिया जी,आदरणीय प्रदेश महामंत्री श्री दिलीप सेठ जी,आदरणीय प्रदेश महामंत्री श्री राजेन्द्र गुप्ता जी,आदरणीय सुनील पांडेय जी,आदरणीय रविन्द्र प्रताप मल्ल जी,आदरणीय सत्यप्रकाश सिंह जी मुन्ना,आदरणीय कन्हैयालाल अग्रवाल जी समेत पूरे प्रदेश के कोने कोने से आये व्यापारी भाई माननीय प्रदेश अध्यक्ष श्री मुकुंद मिश्रा जी सहित प्रदेश कार्यकारिणी एवं उ0प्र0 के सभी जिलो से आये व्यापार मंडल के पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण के साक्षी बने। इस कार्यक्रम में जनपद महराजगंज से श्री सुरेश रूंगटा जी जिलाध्यक्ष,श्री प्रमोद जायसवाल ,बरोहिया से श्री शैलेश पांडेय जी,महराजगंज से श्री सुधाकर पटेल जी,मिठौरा से श्री अशोक रौनियार जी,घुघली से श्री संजय जायसवाल जी,श्री जयराम मल्ल जी,नौतनवा से श्री राधेश्याम सिंह जी,श्री कमलेश अग्रवाल जी,बृजमनगंज श्री आशीष जायसवाल जी,श्री जगदम्बा जायसवाल, श्री गौरव जायसवाल, श्री गणेश जायसवाल,श्री किशन जायसवाल जी,कोल्हुई से श्री दयाराम मोदनवाल जी,परतावल से अवनीश तिवारी जी,फरेंदा से गौतम अग्रहरि जी,सिसवा से योगेश जायसवाल सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नशे में धुत्त बाइक सवार युवक ने मारी युवक को टक्कर एक की मौत

प्रखर खानपुर गाजीपुर। बीतीरात खानपुर थानाक्षेत्र के अनौनी बाजार में अपना काम कर लौट रहे लालवीजय राजभर पुत्र बीरबल की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई।सूचना पर पहुची स्थानीय खानपुर पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुये पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।प्राप्त जानकारी के अनुसार क्षेत्र के अमेदा गांव निवासी लालविजय राजभर पुत्र बालवीर राजभर बीतीरात क्षेत्र के अनौनी बाजार स्थित गिट्टी बालू की दुकान पर मजदूरी कर देररात करीब नौ बजे अपने घर अमेदा वापस आ रहे थे।कि जैसे ही वह बिहारीगंज-मेहनाजपुर मार्ग पर पहुँचे की मेहनाजपुर के तरफ से नशे में धुत्त तेज रफ्तार आ रही अपाची बाईक ने लालविजय की साइकिल में जोरदार टक्कर मार दी टक्कर इतनी जोरदार थी कि लालविजय साइकिल से करीब छह फुट दूर गिर पड़े।

अंबेडकर जयंती पर निकली गई झांकी

प्रखर केराकत जौनपुर। स्थानीय क्षेत्र के छितौना गांव में गुरुवार की दोपहर संविधान निमार्ता बाबा साहब डा भीमराव अम्बेडकर की 131वी जयंती मनाई गई। समूचे गांव में बाबा साहब की मनमोहक झांकी निकाली गई कार्यक्रम में पहुंचे ग्राम प्रधानपति फौजी सुभाष यादव ने बताया की बाबा साहब डा भीमराव अम्बेडकर के बताए हुए मार्ग पर चलने से ही विकास संभव है। उनके ही द्वारा बनाए गए संविधान से यह देश चलता है उनके बारे में जान व सुनकर गर्व महसूस होता है उनके विषय में कुछ कहना सूर्य को रोशनी दिखाने के योग्य है। आज जरूरत है हर एक घर में अंबेडकर पैदा करने की। इस अवसर पर ग्राम प्रधानपति फौजी सुभाष यादव, संजय सरोज व कार्यक्रम में सैकड़ों ग्रामीणों ने हिस्सा लिया।

फरार चल रहे 7 वांछित अभियुक्तों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रखर केराकत जौनपुर। पुलिस अधीक्षक अजय साहनी के द्वारा अपराध व अपराधियों एवं वांछित वारंटी अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए गए अभियान के तहत क्षेत्राधिकारी शुभम तोदी के पर्यवेक्षण एवं दिशा निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक लक्षण पर्वत के नेतृत्व में उपनिरीक्षक रामाश्रे सिंह द्वारा गुरुवार को न्यायालय ऐसीजीएम 3 द्वारा निर्गत एनवीडब्लू प्रोसेस वारंटी प्रदीप पुत्र फागू, सुदर्शन पुत्र जैनू,निवासी मुरारा किशन पुत्र चंद्रभान निवासी उदियासन,उमेश सिंह पुत्र तहसीलदार सिंह निवासी पूरनपुर, प्रदीप कुमार पुत्र दिलीप कुमार निवासी गुलराघाट बंबावन,रविकांत पुत्र रामदुलार विश्वकर्मा निवासी डेडूवना,भुवाल पुत्र मन्नू राम निवासी उदयचंदपुर जो गुरुवार की सुबह अपने निवास स्थान से भागने की फिराक में था कि पुलिस उसके ही घर से धर दबोचा। गिरफ्तार अभुयक्त को पुलिस ने चालान कर न्यायालय भेज दिया। गिरफ्तार करने वाले पुलिस टीम में कोतवाली प्रभारी निरीक्षक लक्ष्मण पर्वत, उपनिरीक्षक रामाश्रे सिंह, उपनिरीक्षक नान्हू यादव,उपनिरीक्षक संतोष यादव, उपनिरीक्षक विवेकानंद सिंह, का. जितेंद्र यादव, का.सतेंद्र यादव, हेड का. रामबदन राम,हेड का.घनश्याम सिंह यादव मौजूद रहे।

मड़ाई के लिए रखे गेहू के फसल में लगी आग

प्रखर पिंडरा वाराणसी। फूलपुर थाना क्षेत्र के परसरा में कटाई के बाद मड़ाई के लिए रखे 50 बोझ गेहू बिजली के तार से निकली चिंगारी से जलकर राख हो गया। घटना गुरुवार की दोपहर की है। बताया जाता है कि परसरा निवासी इंद्रेश उर्फ बबलू मिश्रा का घर से कुछ दूरी पर चौहान बस्ती के समीप खेत मे लगे गेहू की फसल को कटाई के बाद मड़ाई के लिए रखे 50 बोझ गेहू में गुरुवार को दोपहर 12 बजे के लगभग खेत के ऊपर से गई बिजली के तार में हुई शार्ट सर्किट से निकली चिंगारी से आग लग गई। आग की लपट देख जब तक गांव के लोग पहुचते तब तक फसल जलकर राख हो गई।

हर्षोल्लास के साथ मनाई गई बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयन्ती

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। दिलदारनगर क्षेत्र के ग्राम पलिया के काली मंदिर, (पश्चिम) के पास आज दिन गुरुवार को बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयन्ती बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस दौरान सभी लोगों ने मिलकर दीप प्रज्वलित किया एवं बाबा साहब के चित्र पर फूलों की माला पहनाया व पुष्पांजलि दिया। इस दौरान बाबासाहेब अम्बेडकर जी के विचारों को याद किया गया कि आज समाज में जो जागरुकता की कमी आई है, उसे निश्चित रूप से दूर करने की आवश्यकता है। इसी के तहत ग्राम पलिया में शिक्षा के स्तर को और तेज और एक जागरूक मुहिम चलाने के लिए वहाँ पर मौजूद सभी लोगों ने निर्णय लिया। इस दौरान अरविन्द सिंह खरवार ने कहा कि हमें बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी के बारे में अभी भी अपने दलित, पिछड़े व आदिवासी समाज के लोगों को जागरूक करने की जरूरत है कि जिन्होंने इन वंचित समाजों के लिए अपना सर्वस्व जीवन न्यौछावर कर दिया, तमाम यातनाएँ, बेइज्जती एवं उपेक्षाओं को सहते हुए, इन्हें इनके हक व अधिकार दिलाने का महान कार्य किया व अपने द्वारा लिखित संविधान में हर शोषित समाज के लोगों, महिलाओं, अल्पसंख्यकों के लिए स्थान दिए। बाबासाहेब के द्वारा दिए गए संदेश "शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो" के तहत सभी समाज को जागरूक करने की आवश्यकता है और उसी मार्ग पर चलने की आवश्यकता है तथा आज हमें नशामुक्त समाज के लिए भी लोगो को विषेश रूप से जागरूक करना होगा एवं चाहे जैसे हो हमें हमारे बच्चों को उच्च शिक्षा व उच्च विचारों के तरफ आकर्षित कराना होगा, जिससे एक मजबूत समाज का गठन हो सके। इस दौरान अमरजीत कुमार, ईश्वर चंद भारती, श्रवण कुमार, विजय कुमार, हेमन्त खरवार, लक्ष्मण राम, रामफल राम, रामकृत राम व गाँव के युवाओं व सम्मानित लोग सम्मिलित रहे।

गहमा गहमी के बीच सिंधोरा व्यापार मंडल के अध्यक्ष बने महेश

प्रखर पिंडरा वाराणसी। सिन्धोरा व्यापार मण्डल का चुनाव बुधवार की रात गहमा गहमी के बीच हुई। जिसमे लम्बी कवायद के बाद निर्विरोध निर्वाचन तय हो पाया। अंततः सर्वसम्मति से महेश मोदनवाल को अध्यक्ष मनोनीत किया गया।जिला उद्योग व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष के निर्देश पर सिन्धोरा व्यापार मण्डल के चयन हेतु नियुक्ति चुनाव अधिकारी व जिला मन्त्री चिन्टू जायसवाल की उपस्थिति में बुधवार को सांय 7 बजे रामलीला मैदान सिन्धोरा में व्यापारी उपस्थित हुए। व्यापारियों में अध्यक्ष पद हेतू चार लोगो द्वारा दावेदारी कर देने से वोटिंग की नौबत आ गई। वही पिछले चुनाव में अध्यक्ष पद हेतु इण्टर पास होना अनिवार्य किया गया था। जिसको लेकर तमाम विरोध होने लगे थे जिसपर इस बार इंटर पास की अनिवार्यता समाप्त कर दी गई थी। चार लोगों की दावेदारी के बीच स्थिति तनावपूर्ण होते देख समाजसेवी गुलाम मुहम्मद ने निर्विरोध अध्यक्ष के मनोनयन के मंशा से व्यवसायी महेश मोदनवाल का नाम प्रस्तावित किया। जिसपर चारो दावेदारों सहित उपस्थित सभी व्यवसायियों ने अपनी सहमति दी। चुनाव अधिकारी ने अध्यक्ष के निर्विरोध निर्वाचन की घोषणा कर व्यापारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर पूर्व मण्डल अध्यक्ष मोहित कुमार , अजित कुमार उर्फ गुरम्मा साव , सोनू मोदनवाल , पंकज जायसवाल , प्रमोद नारायण , जकरिया अंसारी , हरिलाल मौर्य , सुभाष मौर्या , संजय सोनी , कमलेश सिंह , राजेश साहू , मो फारूक , श्रवण सोनकर , शशिकांत जायसवाल , राजकुमार जायसवाल , डब्बू जायसवाल, संतोष साहू सहित सैकड़ो सम्मानित व्यापारी उपस्थित रहे।

धूमधाम से मनाई गई डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती, मुख्य अतिथि रहे खुर्शीद प्रधान

प्रखर चंदौली। अलीनगर थाना क्षेत्र के लौंदा गांव में गुरुवार को डॉक्टर भीमराव अंबेडकर 131वीं जयंती बड़ी धूमधाम से मनाई गई। अतिथि खुर्शीद प्रधान ने कहा बाबा साहब ने अपनी जिंदगी में जो हासिल किया और दलितों- गरीबों को समाज में बराबरी के लिए जो

मुख्य अतिथि खुर्शीद प्रधान ने फिटा काटकर डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कार्यक्रम की शुरूआत की। मुख्य संघर्ष किया वह बेहद ही अद्भुत है। बाबा साहब के जीवन से एक ही संदेश मिलता है कि अगर आप पूरी लगन से लग जाओ तो इस विश्व में कुछ भी असंभव नहीं है। उन्होंने कहा लोगों ने स्कूलों में भी बाबा साहब के बारे में पढ़ाने के लिए अलग से व्यवस्था की। बाबा साहब एक बेहद ही गरीब घर में पैदा हुए थे। उनके घर में खाने को नहीं था। उस समय छुआछूत इतना ज्यादा था कि जब बाबा साहब स्कूल आते थे तो उन्हें बाहर बैठा दिया जाता था। वहां से निकल कर वो कोलंबिया यूनिवर्सिटी में पीएचडी करने पहुंच गए और लंदन ऑफ इकोनॉमिक्स में पीएचडी करने पहुंच गए। डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने समाज के निचले तबके के विकास एवं उत्थान के लिए जो काम किया वह आज भी अनुकरणीय है। उन्होंने जीवन भर अपने उपदेशों व शिक्षाओं के जरिए लोगों के जीवन को प्रभावित किया, समाज हित एवं सामाजिक सुधारों के जरिए उन्होंने एक अलग ही अलख जगाई। वही आपस में प्रेम करने की शिक्षा दी। कार्यक्रम में सद्दाम हुसैन, अर्जुन मास्टर, छोटू कुमार, महेंद्र चौकीदार, हरिचरण, रामविलास, राहुल कुमार परसु बीडीसी, चंदू, रोशन लाल, अरविंद कुमार, सर्वजीत कुमार, विक्रम मास्टर, लोग उपस्थित रहे।

हमारा संविधान भारत की आत्मा है, संवैधानिक दायरे में रहकर जनता की सेवा करना ही बाबा साहब को सच्ची श्रद्धांजलि- डीएम

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भारत रत्न बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर की 131वीं जयन्ती जिले में बड़े धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर राइफल क्लब सभागार में जिला अधिकारी मंगला प्रसाद सिंह व अपर जिलाधिकारी अरुण कुमार सिंह ने बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया तथा बधाई दी। वहीं बाबा साहब की जयंती के अवसर पर सभी सरकारी दफ्तरों, तहसील व ब्लाक मुख्यालयों पर भी गोष्ठी एवं अन्य कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। राइफल क्लब सभागार में बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण करने के बाद जिलाधिकारी ने कहा कि हमारा संविधान विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की आत्मा है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने बतौर संविधान समिति के अध्यक्ष संविधान बनाते समय समाज के हर वर्ग, हर तबके का ध्यान रखा।

हमारे संविधान में हमारे नगारिक को समान अधिकार मिले, इसके लिए कई देशों के संविधान को भी अपने देश में सविधान में लिया गया, जिसका परिणाम है कि विभिन्न जातियों, सम्प्रदायों, भाषाओं आदि की विविधता के बावजूद हमारा देश एक सूत्र में बंधा हुआ है। इस अवसर पर उन्होंने अधिकारियों-कर्मचारियों का आह्वान किया कि वे सब संवैधानिक दायरे में रहकर अपने पदीय दायित्वों का निर्वहन करें, यही बाबा साहब के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने कहा कि आज हमें अपने आचरण में बदलाव करने की आवश्यकता है। हम जहां भी, जिस भी पटल पर है वहां स्वयं को रखकर सोचें और हर जरूरतमंद की मदद करें तो निश्चित ही समाज की दशा और दिशा बदल जाएगी। उन्होंने इस अवसर कर्मचारियों को आगाह किया कि वे अपने-अपने पटलों पर समय से उपस्थित रहें तथा शासन की मंशा अनुसार कोई भी पत्रावली अपने पटल पर तीन दिन से अधिक न रोकें। इस दौरान अपर जिलाधिकारी अरुण कुमार सिंह ने कहा कि यदि हमें अपने दायित्व का बोध हो और हम उनका सम्यक निर्वहन निष्ठा के साथ करें तो निश्चित ही डॉ. भीम राव अम्बेडकर जी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने कहा कि हमें मिल कर बाबा साहब के सपने सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय को साकार करने के प्रति काम करना चाहिए, जिससे हमारे समाज का सर्वांगीण विकास हो। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी, भू राजस्व समस्त कलेक्ट्रेट के अधिकारी एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में धूमधाम से मनाई गई बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय गाजीपुर में आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत आज दिन गुरुवार को डॉ. अंबेडकर की 131वी जयंती हर्षोल्लास के साथ धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर डॉक्टर अंबेडकर द्वारा प्रस्तुत आइडियाज ऑफ इंडिया विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन भी हुआ। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि के रूप में राजकीय महाविद्यालय पथरदेवा देवरिया के समाजशास्त्र विभाग के प्रमुख डॉ. कोलेश्वर प्रियदर्शी ने कहा कि डॉ. अंबेडकर का सपना एक संगठित, समर्थ तथा उन्नत भारत का था। हमें सभी तरह की संकीर्णता से उभर कर, विविधता का सम्मान करते हुए उनके सपने को साकार करना है। इस संगोष्ठी में डॉक्टर सारिका सिंह ने महिलाओं के उत्थान हेतु डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के प्रयासों पर विस्तार से चर्चा की और कहा कि उनके ही प्रयासों से महिलाओं को समान मजदूरी, काम के घंटों में कटौती, मातृत्व अवकाश जैसी सुविधाएं प्राप्त हो सकीं। परिचर्चा को आगे बढ़ाते हुए राजनीति विज्ञान के आचार्य डॉ. राजेश कुमार यादव ने संविधान सभा में डॉक्टर अंबेडकर के योगदान का उल्लेख करते हुए बताया कि इनकी विद्वता तथा विचार शक्ति का ही परिणाम है कि भारत जैसे विविधता युक्त देश हेतु एक सर्वस्वीकार्य संविधान बना सका। डॉक्टर संगीता मौर्य ने भारतीय साहित्यकार डॉ. आंबेडकर के प्रभाव का उल्लेख करते हुए कालाराम मंदिर प्रवेश आंदोलन, महाडु सत्याग्रह आंदोलन, मूकनायक पत्रिका के संपादक को तत्कालीन साहित्य में स्थान तथा विभिन्न भाषाओं में अन्याय एवं दमन के प्रतिकार स्वरूप की गई रचनाओं का क्रमबद्ध तथा सुगठित विवरण प्रस्तुत किया। इस दौरान कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ आचार्य डॉक्टर विकास सिंह ने कहा कि गांधी, अंबेडकर, नेहरू जैसे महापुरुष संपूर्ण राष्ट्र की धरोहर है, उनके विचारों तथा कार्यों को संघ के नेताओं से परे जाकर देश एवं समाज निर्माण के टूल के रूप में देखने से ही हम सही अर्थों में उनके अनुयाई बन सकते हैं। कार्यक्रम का सफल तथा सुंदर संचालन निरंजन कुमार यादव ने किया। इस अवसर पर डॉ. अकबरे आजम, डॉ. अमित यादव, डॉ. शिवकुमार, लवली सिंह, मोहम्मद सलीम, श्री राम कुशवाहा, शिव कुमारी देवी, गायत्री देवी व महेंद्र साधु आदि लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

लेखपाल संघ का चुनाव संपन्न, चुने गए पदाधिकारी

प्रखर जखनियां गाजीपुर। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ उप शाखा जखनियां का चुनाव तहसील मुख्यालय पर संपन्न हुआ। जिसमें अध्यक्ष पद पर रमेशकुमार, उपाध्यक्ष पद पर प्रदीपकुमार एवं कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर अरविन्द कुमार तथा उपमंत्री पद पर अनिकेत यादव का निर्विरोध चयन किया गया। इसी तरह कोषाध्यक्ष के रूप में रविभूषण सिंहलानी और आयव्यय निरीक्षक के पद पर रमाशंकर का निर्विरोध चुनाव किया गया। मजे की बात यह तो है कि जिला महामंत्री पद की रस्साकसी में दो प्रबल दावेदारों (आशुतोष पाण्डेय और अरूण कुमार यादव) के बीच ओटिंग कार्य कराया गया। जिसमें अरूण यादव को पांच ओटो से पटखनी देते हुए आशुतोष पाण्डेय ने अपनी जीत का परचम लहराया और महामंत्री पद पर अपनी दावेदारी सुनिश्चित किया। इस मौके पर महामंत्री लालचंद राम ने चुनाव संपन्नता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि आज के परिवेश में संगठन के प्रति सकारात्मक सोच की जरूरत है। मतभेद की बू संगठन को खोखला बना देती है। इस मौके पर जिलाध्यक्ष चितरंजन चौहान, जिला महामंत्री सौरभ कुमार सहित सभी नए और पुराने सदस्य गण उपस्थित थे।

मारपीट कर मोबाइल छीनने का आरोप

प्रखर गोरखपुर। क्षेत्र के कौड़ीराम कस्बे में बुधवार दोपहर छात्रों के दो गुटों में मारपीट हो गया। एक पक्ष ने दूसरे पर मारपीट कर मोबाइल छीनने का आरोप लगाया है। बेलीपार क्षेत्र के बिस्टौली खुर्द निवासी शनि साहनी ने पुलिस को दिए तहरीर में बताया है कि वह बुधवार की दोपहर पकड़ी दूबे से बोर्ड की परीक्षा देकर घर जा रहा था। आरोप है कि गोरखपुर रोड पर फलमंडी के पास धस्का निवासी एक युवक अपने सात-आठ साथियों के साथ पहुंचा और मारपीट कर मोबाइल छीन लिया। पीड़ित की तहरीर पर कौड़ीराम चौकी पुलिस मामले की जांच कर रही है।

खड़ी ट्रक में आजमगढ़ जा रहे ट्रक ने मारी टक्कर, खलासी की मौत, चालक फरार

प्रखर गंभीरपुर /आजमगढ़। खड़ी ट्रक में वाराणसी से आजमगढ़ जा रहे ट्रक ने टक्कर मार दिया जैसे ट्रक में बैठे खलासी की मौत हो गई ट्रक चालक मौके से फरार हो गया पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया बताया जाता है कि वाराणसी की तरफ से ट्रक आजमगढ़ की तरफ जा रहा था कि गंभीरपुर थाना क्षेत्र के कोहड़ौरा मुहम्मदपुर के पास सुबह में लगभग 6:00 बजे खड़े ट्रक में टक्कर मार दिया जिसमें खलासी रंजन सिंह 25 पुत्र रमेश सिंह ग्राम नकटौली थाना दावत जिला रोहतास की मौके पर ही मौत हो गई मृतक तीन भाई व एक बहन में सबसे बड़ा था मृतक की शादी हो चुकी थी मृतक के पिता रमेश सिंह ने लापरवाही पूर्वक ट्रक चलाने को लेकर ट्रक चालक के खिलाफ गंभीरपुर थाने में तहरीर दी है।

बड़ी संख्या में थाना प्रभारियों के कार्य क्षेत्र में हुआ बदलाव

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। कानून व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त बनाने के लिए एसपी रामबदन सिंह ने आज दिन गुरुवार को बड़ी संख्या में थाना प्रभारियों के कार्य क्षेत्र में बदल दिया गया है। पुलिस विभाग द्वारा जारी लिस्ट के अनुसार थानाध्यक्ष सादात शशि चंद्र चौधरी को सर्विलांस प्रभारी, थानाध्यक्ष करीमुद्दीनपुर प्रवीण यादव को थानाध्यक्ष सादात, थाना खानपुर में तैनात जितेंद्र कुमार को थानाध्यक्ष करीमुद्दीनपुर, थानाध्यक्ष कासिमाबाद रामाश्रय राय को सैदपुर थाने का एसएसआई जबकि सैदपुर थाने के एसएसआई रहे देवेंद्र सिंह यादव को बतौर कासिमाबाद थाना इंचार्ज तैनात किया गया है। थाना सुहवल में तैनात कौशलेंद्र प्रताप सिंह को थानाध्यक्ष करंडा, थानाध्यक्ष नोनहरा विष्णु प्रसाद गौतम को थाना दिलदारनगर में एसएसआई, चौकी प्रभारी सिधौना प्रमोद कुमार सिंह को थाना प्रभारी नोनहरा एवं महिला सहायता प्रकोष्ठ की प्रभारी रेनू यादव को महिला थानाध्यक्ष, परमानंद मिश्रा प्रभारी डीसीआरबी गैर स्थानांतरण पर पुलिस लाइन, करंडा थाना के खिजिरपुर चौकी प्रभारी आलोक त्रिपाठी पीआरओ पुलिस अधीक्षक, यातायात प्रभारी अजय कुमार पांडेय गैर जनपद स्थानांतरण पर पुलिस लाइन और उपनिरीक्षक सुशील कुमार मिश्रा को पुलिस लाइन से यातायात प्रभारी बनाया गया है। मरदह थाना प्रभारी राजकुमार यादव को डीसीआरबी प्रभारी, चुनाव सेल प्रभारी दुष्यंत कुमार सिंह को मरदह थानाध्यक्ष जबकि सुहवल थाना प्रभारी सलिल आदर्श स्वरूप को शादियाबाद थाना इंचार्ज, महिला थाना प्रभारी तारावती यादव को सुहवल थानाध्यक्ष बनाया गया है। थानाध्यक्ष जंगीपुर को गैर जनपद रवानी पर पुलिस लाइन, जबकि एसपी पीआरओ अशोक कुमार मिश्र को थानाध्यक्ष जंगीपुर बनाया गया है। वहीं थानाध्यक्ष करंडा हरि नारायण शुक्ल को गैर जनपद स्थानांतरण होने की वजह से पुलिस लाइन भेजा गया है।

अंबेडकर जयंती पर सपा कार्यालय पर गोष्ठी का आयोजन

प्रखर जौनपुर। समाजवादी पार्टी कार्यालय पर डा भीमराव अंबेडकर के जंयती के अवसर पर गोष्ठी का आयोजन किया गया वहीं जिलाअध्यक्ष लालबहादुर यादव ने उनके जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बाबा साहब बचपन से ही न्याय की लडाई लडना सुरुवात किया था उन्हें प्रारंभिक शिक्षा लेने में भी कठिनाई का सामना करना पड़ा लेकिन इन सबके बावजूद भी अंबेडकर ने न केवल उच्च शिक्षा हासिल की बल्कि स्वतंत्र भारत के पहले कानून मंत्री बने उन्होंने अपना पूरा जीवन देश के नाम समर्पित कर दिया था डॉक्टर भीमराव अंबेडकर समाज में दलित वर्ग को समानता दिलाने के लिए जीवन भर संघर्ष करते रहे उनके विचारों में लाखों युवाओं को प्रेरित किया बाबा साहब अंबेडकर विचारों को आगे ले जाना है उनके जो मुख्य विचार थे वह चाहते थे मुझे वह धर्म पसंद है जो

स्वतंत्रता समानता और बंधुत्व सिखाता है एक समुदाय की प्रगति को उस डिग्री से मानता हूं जो महिलाओं ने हासिल किया है वे इतिहास नहीं बना सकते जो इतिहास को भूल जाता है शिक्षित बनो संगठित रहो धर्म मनुष्य के लिए है ना कि मनुष्य घर्म के लिए मनुष्य नश्वर है उसी तरह विचार भी नश्वर है एक विचार को प्रचार. प्रसार की जरूरत होती है जैसे कि एक पौधों को पानी की नही तो दोनों मुरझाकर मर जाएगे एक महान आदमी एक प्रतिष्ठित आदमी से इस तरह अलग होता है कि वह समाज का नौकर बनने को तैयार रहता है बुद्धि का विकास मानव के अस्तित्व का अंतिम लक्ष्य होना चाहिए गोष्ठी मे मुख्य रूप से विधायक जगदीश नरायन राय पूर्व विधायक अरशद खान, दीपचंद राम प्रवक्ता राहुल त्रिपाठी, महेंद्र यादव, जयहिंद यादव, पूनम मौर्या, श्रवण जयसवाल, श्याम नरायण बिंद, गप्पू मौर्या मनोज मौर्या, विजय सिंह बागी,शिवजीत यादव,भानू प्रताप मौर्या,शिवम,मेवालाल गौतम मालती निषाद, सोनी यादव उषा यादव संचालन जिलामहाचिव हिसामुद्दीन शाह ने किया।

संस्कार इंटर कॉलेज में वार्षिकोत्सव के अवसर पर बच्चों ने दिखाई अपनी प्रतिभा

प्रखर गोरखपुर। विकासखंड पाली के संस्कार इंटर कालेज रिठुआखोर में बच्चों एवं विद्यालय परिवार के लोगों ने गुरुवार को वार्षिकोत्सव मनाया । बच्चों ने उसमे बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और अपने देशभक्ति गीतों से पूरे माहौल को राष्ट्र में बना दिया। कार्यक्रम में क्षेत्र के लोगों ने भारी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं भगवान गणेश की वंदना से शुरू किया गया। बच्चों ने अपने मधुर संगीत एवं नृत्य- गायन से लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक प्रदीप शुक्ला ने कहा कि- ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नही है। बषर्ते जरूरत है उनको एक मंच मिलने की । इस प्रकार के कार्यक्रम हर विद्यालयों में होने चाहिए जिसमें बच्चे अपनी कला का प्रदर्शन कर

सकें। किसी भी कला को निखारने का दायित्व उसके अध्यापक पर होता है , जो एक कुम्भार की भांति अपने बच्चों को तरासने का कार्य करते हैं। सभा संचालन कर रहे विद्यालय के प्रबंधक- समाजसेवी सत्येंद्र कुमार सिंह ने कहा कि- बच्चों में शिक्षा जितनी आवश्यक है, उतना ही उनमें संस्कार की भी जरूरत होती है। संस्कार विहीन शिक्षा किसी काम की नहीं होती है। न वह समाज हित में कार्य करती है और न देश हित में। ब्लाक प्रमुख शशिप्रताप सिंह समेत कई वक्ताओं ने अपने-अपने विचार रखें। उक्त-अवसर प्रबंधक सतेन्द्र सिह, राजेश आर त्रिपाठी, प्रधान प्रदीप कुमार, सत्यप्रकाश पाण्डेय, नेबूल गुप्ता, लल्लन आचार्य, शिवचरन, अजय यादव, मुनीष यादव, शैलेन्द्र सिह, विद्यालय परिवार के साथ- साथ भारी संख्या में बच्चों के साथ अभिभावक भी मौजूद रहे।

भाजपा ने सामाजिक समरसता दिवस के रुप मे मनाई बाबा साहब की 131वीं जयंती

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। बाबा साहब डा. भीमराव अम्बेडकर के 131वीं जयन्ति के अवसर को भारतीय जनता पार्टी ने सामाजिक समरसता दिवस के रुप मे मनाया। भाजपा जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष भानुप्रताप सिंह की अध्यक्षता मे आयोजित संगोष्ठी मे बाबा साहब के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश मंत्री शंकर गीरी ने कहा कि सामाजिक बुराइयों जिसमें विशेषतः अस्पृश्यता के खिलाफ संघर्षों मे बाबा साहब का बहुत बडा योगदान है। उन्होंने कहा कि अगर दलित वर्ग पहले से शिक्षित रहा होता तो यह बुराई समाज मे आई ही नहीं होती। आगे उन्होंने कहा कि वर्ण व्यवस्था के समाप्ति के लिए 1925 से लगातार राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, भारतीय जनता पार्टी और उसके वैचारिक संगठन कार्य कर रहे है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने सदैव समाज को विभाजित कर उसे लड़ाने का काम किया है तथा बहुजन समाज पार्टी ने बाबा साहब के नाम को भुनाकर उसका राजनीतिक लाभ लिया है। जबकि सच्चाई यह कि भारतीय जनता पार्टी एवं उसके नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाबा साहब और समाज के गरीबों, कमजोरों के प्रति समर्पित होकर कार्य किया है। उन्होने कहा कि जयन्ति मनाने के साथ साथ समाज के लोगों का आपस मे दिल मिलाने का भी कार्य होना चाहिये और वह कार्य सिर्फ भाजपा ही कर सकती है। कोरोना काल का शिकार एक-एक गरीब आज भारतीय जनता पार्टी की योजनाओं के साथ जुडकर उसका निष्पक्षता से लाभ प्राप्त कर रहा है और उसी का परिणाम है कि भारतीय जनता पार्टी पूर्ण बहुमत से उ प्र मे सरकार बनाई है। इस दौरान अनुसूचित मोर्चा के जिलाध्यक्ष शैलेष राम ने कहा कि बाबा साहब के सोच और सपने को भाजपा और उसके कार्यकर्ता साकार कर रहे है। जिलाध्यक्ष भानु प्रताप सिंह ने सबके प्रति आभार प्रकट किया और कहा कि बाबा साहब आधुनिक भारत के निमार्ता है।

बच्चों के पैरों में जूते भले ही न हो लेकिन बच्चों के हाथों में किताबें जरूर होनी चाहिए : जगदम्बा

प्रखर पूर्वांचल महराजगंज। नगर पंचायत बृजमनगंज कस्बे गाजेबाजे के साथ लेदवा चौराहे से भीम राव अंबेडकर जी अमर रहे नारों के साथ नगर भ्रमण किया गया।काफी संख्या में दलित समाज भीम आर्मी के युवा नौजवान मौजूद रहे।इसी क्रम में डाकघर रोड पर वरिष्ठ पत्रकार एवं भावी सभासद प्रत्याशी जगदम्बा जायसवाल संविधान निमार्ता डा.भीम राव अंबेडकर जयंती पर श्रद्धांजलि मनाते हुए शत शत नमन कर याद किया।उन्होंने कहा कि बाबा साहब दलित समाज से होने के कारण हर परिस्थितियों से लड़कर अपना मुकाम हासिल किया उन्हें संविधान निमार्ता व बाबा साहब की उपाधि से नवाजा गया।समाज मे हो रहे कुरितियों का विरोध किया।शिक्षा के प्रति जोर देते हुए कहा कि पुरुषों के समान स्त्रियों को भी शिक्षा का अधिकार है।बच्चों के पैरों में जूते भले ही न हो लेकिन बच्चों के हाथों में किताबें जरूर होनी चाहिए।

आवास दिलाने के नाम पर सहजनवां तहसील के मुंडा गांव के एक व्यक्ति के साथ की गई ठगी

प्रखर सहजनवा गोरखपुर। आपको बता दे की साइबर ठगों का हौसला है बुलंद। पुलिस प्रशासन में साइबर सेल होने के बावजूद साइबर अपराधी अपराध करने से नहीं चूक रहे हैं। इसी क्रम में प्रधानमंत्री आवास दिलाने के नाम पर सहजनवा थाना क्षेत्र अंतर्गत मुंडा निवासी अवधेश शुक्ला पुत्र रामबहाल शुक्ला के साथ भी साइबर ठगों ने ठगी का कारनामा कर दिखाया। अनजान नंबर से अवधेश शुक्ला के फोन पर फोन करके ठगों ने प्रधानमंत्री आवास योजना का आवास दिलाने का वादा किया और अवधेश शुक्ला को साढ़े सात हजार रुपए का चूना लगाया। पीड़ित ने सहजनवा थाने में लिखित तहरीर देकर इस घटना की जानकारी दें और अपने साथ हुई ठगी का वाकया बताया। मिली जानकारी से सहजनवा थाना क्षेत्र के मोहल्ला निवासी अवधेश शुक्ला पुत्र रामबहाल शुक्ला के पास एक

अनजान नंबर से अपरान्ह 2:00 बजे के करीब फोन आया और कहां की पत्नी सुनीता के नाम से आवास पास हो चुका है कुछ पैसा अधिकारियों को तत्काल देना है इसके बाद पीड़ित ढाई हजार रुपया उसके गूगल के नंबर पर भेज दिया। कुछ देर बाद एक दूसरे नंबर से मोबाइल पर फोन आया और कहा कि रिजर्व बैंक का मैनेजर बोल रहा हूं, अभी पांच हजार रुपए तत्काल भेजना होगा और उसके बाद आप के खाते हैं ढाई लाख रुपए तत्काल चला जायेगा । इसके बाद पीड़ित अवधेश शुक्ला ने ठग को गूगल पे के द्वारा भेज दिया। मोबाइल पर मैसेज देखा तो खाते में केवल 81 बैलेंस बता रहा था। कुछ देर बाद जालसाज में फोन कर पूछा कि खाते में अभी बैलेंस शो कर रहा है कि नहीं तो अवधेश शुक्ला ने बताया कि अभी बैलेंस शो नहीं किया है। जालसाज ने फिर कहा कि पन्द्रह हजार और भेज दो तो बैलेंस शो करने लगेगा। फिर क्या था अवधेश शुक्ला अपने आप को ठगा महसूस कर जालसाज को खूब खरी-खोटी सुनाई और मुख्यमंत्री दरबार तथा पुलिस को अज्ञात जालसाज के खिलाफ सहजनवा थाने पर लिखित शिकायती पत्र दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है इस बाबत प्रभारी निरीक्षक अंजुल कुमार ने कहा कि मामला साइबर क्राइम का है पीड़ित को वहां पर शिकायत दर्ज करानी चाहिए।

बेखौफ चोरों ने फिर जिला अस्पताल से दिन दहाड़े स्वास्थ्य कर्मी की बाइक चोरी

आरटीपीसीआर लैब टेक्निशियन की बाइक पर बेखौफ चोरों ने किया हाथ साफ

प्रखर जौनपुर। अमर शहीद उमानाथ सिंह जिला चिकित्सालय परिसर से आज फिर एक स्वास्थ कर्मी की बाइक हुई चोरी, बताते चले की लगातार अस्पताल परिसर लगभग 6 बाइक चोरी होने की घटना के बाद स्थानीय थाना पुलिस हुई तैनात, उसके बावजूद नीडर बेखौफ चोरों ने आंखों से काजल चुराने जैसी कहावत को सिद्ध करते हुए बड़ी चालाकी के साथ आज एक स्वास्थ कर्मी धर्मेन्द्र मिश्रा निवासी मछलीशहर जो जिला अस्पताल में आरटीपीसीआर लैब टेक्निशियन के पद पर कार्यरत है आज जो सुबह 9 बजे लैब पहुंच कर अपने कामो में जुट गए और 12:30 पर काम समाप्त होने के बाद जब बाहर निकले तो देखा की उसकी बाइक नदारद थी यह देखते ही

उन्हें इस बात का अनुमान हो गया की उनकी बाइक पर शातिर चोरों ने हाथ साफ कर बड़े आराम से चंपत हो गए हैं, आरटीपीसीआर लैब टेक्निशियन धर्मेन्द्र मिश्रा की बाइक हीरो कम्पनी की सीडी डिलक्स महरुन रंग की जिसका नम्बर यूपी 62 एबी 4992 था जिसे बेखौफ चोरों ने बड़ी आसानी से दिन दहाड़े चोरी कर हुए रफू चक्कर, बाइक चोरी की सूचना पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुँची पुलिस द्वारा स्वास्थ्य कर्मी की बाइक के लिए काफी खोजबीन की लेकिन बाइक का कही भी पता नहीं चला उसके पश्चात पुलिस द्वारा अस्पताल के सीसीटीवी की फुटेज को खंगालते हुए पाया की एक युवा चोर बड़े आराम से चोरी की बाइक पर शान से सवार होकर अस्पताल परिसर से हुआ रफू चक्कर, पुलिस द्वारा सीसीटीवी फुटेज लेते हुए चोर की पहचान में जुट गई है। आए दिन जिला अस्पताल से बाइक चोरी होना यह अनुमान लगाया जा रहा हैं की इन बाइक चारों का एक बहुत बड़ा गिरोह है जो पूरे अस्पताल परिसर में घूम घूमकर निगरानी करते रहते हैं जैसे ही मौका लगता है बड़ी चालाकी के साथ बाइक चोरी कर हो जाते हैं फुर्र आज भी वही हुआ पुलिस की निगरानी के बावजूद पुलिस को चकमा देते हुए शातिर चोरों ने एक और बाइक को अपना निशाना बनाते हुए बड़े आराम से बाइक चोरी कर हुए नौ दो ग्यारह।

समानता, सम्प्रभुता और वन्धुत्व के भाव से परिपूर्ण है भारतीय संविधान बाबा साहब की जयंती पर गोष्ठी

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। क्षेत्रीय लोक संपर्क ब्यूरो, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, वाराणसी और नेहरू युवा केंद्र वाराणसी के संयुक्त तत्वावधान में संविधान निमार्ता, भारत रत्न ,डॉ. बी. आर. अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर ग्राम दीन दासपुर, जंसा, वाराणसी में गोष्ठी, समूह चर्चा और पद यात्रा का आयोजन किया गया । कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी, डॉ. लालजी ने कहा कि बाबा साहब डॉ,. बी आर अम्बेडकर का स्वतंत्रता आंदोलन और आजादी के बाद स्वंतत्रता भारत के नवनिर्माण में महत्वपूर्ण योगदान है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है और इसकी मूल आत्मा भारत का संविधान है उन्होंने देश को समानता, सम्प्रभुता और वन्धुत्व के भाव से परिपूर्ण संविधान दिया उन्होंने महिलाओं, वंचितों, शोषितों, दलितों, पिछड़ों के सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक सशक्तिकरण के लिये जो संवैधानिक व्यवस्था किया उसका परिणाम है कि आज प्रत्येक क्षेत्र में महिलाओं और वंचित वर्ग की भागीदारी बढ़ी है ग्राम प्रधान दिनदासपुर श्री रामबाबू ने कहा कि नयी पीढ़ी की जिम्मेदारी है कि वह बाबा साहब के मिशन को आगे बढ़ाए उनके बताए रास्ते पर चलकर बच्चों को शिक्षित बनाये, कितनी विपरीत परिस्थितियों में बाबा साहब उच्च शिक्षा ग्रहण देश दुनिया मे अपना नाम रोशन किया इस बात को हमें अपने बच्चों को बताने की आवश्यकता है लोकगीत कलाकार मित्तल पाल ने अम्बेडकर जी के जीवन पर गीत प्रस्तुत कर नमन किया। अम्बेडकर मिशन से जुड़े सामाजिक कार्यकर्ता रामखेलावन ने बाबा साहब के योगदान पर चर्चा करते हुए उनकी पुस्तकों को पढ़ने का सुझाव दिया नेहरु युवा केन्द्र के राजेश विश्वकर्मा ने अम्बेडकर जी के योगदान पर चर्चा करते हुए जल जंगल को बचाने की अपील की।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट https://prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं